नई दिल्ली
रविवार, 24 दिसंबर, 2023
मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी वर्ष : 27, अंक : 259
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 23
न्यून. 07

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

होगा करारा पलटवार : पुंछ में आतंकी हमले पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिया बड़ा बयान

भारत के बाहर चरमपंथियों और अलगाववादी ताकतों को जगह नहीं मिलनी चाहिए

देश अब दूसरा 'गाल' आगे करने के मूड में नहीं

मोदी सरकार के इस सख्त रुख से माना जा रहा है कि पाकिस्तान को फिर एक बार एयर स्ट्राइक या किसी अन्य करारे जवाब का सामना करना पड़ सकता है

सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने मंदिर को विरूपित करने की कड़ी निंदा की।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को लेकर बयान देते हुए कहा कि सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करते समय भारत अब दूसरा गाल आगे करने के मूड में कतई नहीं है। देश आतंकवाद का सामना आजादी के बाद से ही कर रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवाद हमारी आजादी के समय ही शुरू हो गया था, जब तथाकथित हमलावर पाकिस्तान से आए थे। पहले दिन से ही हमने आतंकवाद का सामना किया है और यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें पूरी तरह क्लीयर होना चाहिए। अब हमें सबसे पहले जो करने की ज़रूरत है वह यह है कि हमें मुकाबला करने की ज़रूरत है। अब दूसरा गाल आगे करने का तरीका नहीं चलने वाला है। अगर कोई सीमा पार आतंकवाद का अभ्यास कर रहा है तो आपको जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा मुंबई 26/11, मेरे लिए एक टर्निंग पॉइंट था क्योंकि इससे पहले लोग भ्रम में थे।

उधर, अमेरिका के हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ पर एक्शन में भारत

अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर तोड़फोड़ किए जाने पर भारत सख्त हो गया है। एस जयशंकर ने कहा कि किसी भी अराजक तत्व को इस तरह की आजादी नहीं दी जानी चाहिए। बता दें कि अमेरिकी हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ के बाद खालिस्तानी नारे लिखे गए हैं। भारत के विरोध में नारे लिखे गए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस घटना की निंदा करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया है। जयशंकर ने अमेरिका स्थित एक मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने और उसमें तोड़फोड़ की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के बाहर चरमपंथियों और अलगाववादी ताकतों को जगह नहीं मिलनी चाहिए। विदेश मंत्री राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। कैलिफोर्निया के नेवार्क में पुलिस को श्री स्वामीनारायण मंदिर में नारे लिखे जाने की सूचना मिली।

बोले जयशंकर- मुझे विश्वास है कि मामले की जांच की जा रही

जयशंकर ने घटना के बारे में एक सवाल पर कहा कि मैंने खबरें देखी हैं। जैसा कि आप जानते हैं, हम इस बारे में चिंतित हैं। जो कुछ भी हुआ, उसके बारे में हमारे वाणिज्य दूतावास ने (अमेरिकी) सरकार और वहां की पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है और मुझे विश्वास है कि मामले की जांच की जा रही है।

जेपी नड्डा ने की बैठक की अध्यक्षता, सभी उपाध्यक्ष, महासचिव और पदाधिकारी रहे उपस्थित

लोकसभा चुनाव 2024 में ऐतिहासिक जीत के संकल्प के साथ भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के अध्यक्षों ने भी जीत पर रखे अपने विचार

नई दिल्ली स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में हुई बैठक में पहले दिन पीएम मोदी और अंतिम दिन अमित शाह ने पदाधिकारियों को किया संबोधित

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भाजपा ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई दिल्ली में हुई दो दिवसीय बैठक में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने का संकल्प लिया है। बताया जा रहा है कि बैठक के पहले दिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा दूसरे एवं अंतिम दिन शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि तीन महीने का वक्त हमारे पास है और जीत ऐसी हो जो इतिहास रच दे। बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की।

बैठक में हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत की प्रशंसा की गई। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के अध्यक्षों ने जीत पर अपने विचार रखे। सूत्रों ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जीत के लिए सीट संख्या का कोई विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किया, लेकिन ऐसी जीत सुनिश्चित करने पर जोर दिया जो 2019 के प्रदर्शन से बड़ी हो। भाजपा ने पिछले आम चुनावों में 543 सदस्यीय लोकसभा की 303 सीटें जीती थीं। बताया जा रहा है कि भाजपा पूरे देश में महिला, युवा, किसान और गरीबों को पार्टी से जोड़ने के लिए अभियान चलाएगी। प्रधानमंत्री मोदी जनवरी में देश भर के युवाओं को संबोधित करेंगे। पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 35 करोड़ वोट पाने का लक्ष्य रखा है।

इसके तहत विभिन्न योजनाओं के 7 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंचने की रणनीति बनाई गई है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों और कार्यक्रमों की रुपरेखा तय करने के लिए शुक्रवार को शुरू हुई भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिन की बैठक शनिवार को खत्म हो गई। सूत्रों के अनुसार बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव की तैयारी करने, मिशन 2024 के लिए जुट जाने का आह्वान किया। सूत्रों के अनुसार अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने इलाके के मंदिर में पूजन और लाइव प्रसारण की व्यवस्था करेंगे। 22 जनवरी के बाद हर राज्य से ट्रेन के जरिए लोगों को अयोध्या ले जाकर भगवान राम के दर्शन कराए जाएंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि राम मंदिर से जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ज्यादा से ज्यादा साझा करें और लोगों से चर्चा करें।

भाजपा ने कार्यकर्ताओं से बूथ लेवल पर हर एक मतदाता के संपर्क में रहने को कहा है। कहा गया है कि कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ के मतदाताओं के घर जाकर उनसे मिलें। प्रधानमंत्री मोदी ने संगठन के प्रमुख नेताओं से पार्टी का वोट प्रतिशत 10 प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में काम करने को कहा है। बैठक के समापन दिवस पर पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा का प्रदर्शन ऐसा होना चाहिए कि विपक्ष 'स्तब्ध' हो जाए। विपक्षी गठबंधन और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई की संभावना के बीच पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आने वाले लोकसभा चुनाव में 2019 के चुनावों की तुलना में पार्टी के वोट प्रतिशत में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का आह्वान किया। 2019 के चुनाव में भाजपा को 37 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे जबकि उसके नेतृत्व वाले एनडीए को करीब 45 प्रतिशत वोट मिले थे। बैठक में अमित शाह ने हाल ही में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन का उल्लेख किया और 50 प्रतिशत वोट हासिल करने के लक्ष्य के लिए राज्य संगठन की सराहना की। सूत्रों ने बताया कि मोदी की तरह शाह ने भी चुनावों में संगठन की प्रमुखता को रेखांकित किया और कहा कि पार्टी को इतनी 'भारी' जीत मिलनी चाहिए कि विपक्ष उसे चुनौती देने से पहले कई बार सोचे।

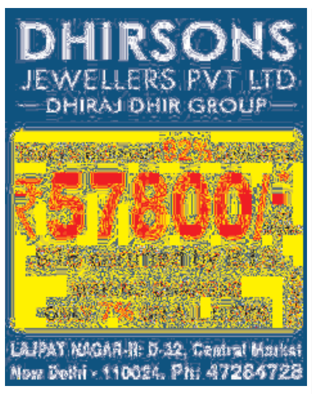

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

एयर इंडिया को मिला पहला एयर बस ए 350

नई दिल्ली। एयर इंडिया के बैनर तले पहला एयरबस ए 350-900 विमान शनिवार को कंपनी को मिल गया। यह विमान शनिवार को इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। इसी के साथ यह भारत का पहला एयरबस ए 350 एयरक्राफ्ट भी बन गया है।

एयरक्राफ्ट को वीटी-जेआरए के रूप में रजिस्टर किया गया है। यह एयरक्राफ्ट टूलूज़, फ्रांस में एयरबस फैसिलिटी रवाना होने के बाद दोपहर 1.46 बजे दिल्ली पहुंचा। ए 350 पर प्रशिक्षित होने वाले भारतीय पायलटों में से एक एयर इंडिया की वरिष्ठ कमांडर कैप्टन मोनिका बत्रा वैद्य, एक पर्यवेक्षक के रूप में विमान में शामिल थीं। ए 350 जनवरी 2024 में वाणिज्यिक सेवा में प्रवेश करेगा।

सागरपुर में मैसेंजर कॉल कर मांगे थे 50 हजार रुपए

शूटआउट से पहले ही दो बदमाश हुये गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो पिस्टल और पांच कारतूस मिले हैं। आरोपियों के नाम जॉनसन और सिकंदर बताये गये हैं। इनके पकड़े जाने से सागरपुर इलाके में होने जा रहा शूटआउट टल गया। बदमाशों ने एक शख्स को मैसेंजर कॉल कर 50 हजार रुपये की रंगदारी मांगी थी।

डीसीपी मनोज सी ने बताया कि शिकायतकर्ता ने जॉनसन के खिलाफ जबरन वसूली की शिकायत दर्ज करायी थी। बताया था कि उनसे मैसेंजर कॉल के जरिए 50 हजार रुपए की मांग की गई है। डिमांड पूरी नहीं होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई थी। शिकायत पर 14 दिसंबर को सागरपुर थाने में केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान स्पेशल स्टाफ की टीम को नसीरपुर सब्जी मंडी के पीछे बदमाशों के मौजूद होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद ट्रैप लगा दोनों को पकड़ लिया गया। जॉनसन महावीर एन्क्लेव, पालम कॉलोनी का रहने वाला है। वहीं आरोपी सिकंदर निर्मल विहार, नांगलोई रोड नजफगढ़ का रहने वाला है। वह कैब ड्राइवर है। इसके दो मामलों में लिप्त रहने का पता चला है। अब पुलिस इनसे पूछताछ कर बरामद हथियारों को लेकर पूछताछ कर रही है।

सलमान त्यागी व सद्दाम गौरी गैंग का बदमाश चढ़ा हत्थे

स्पेशल सेल ने सलमान त्यागी व सद्दाम गौरी गैंग के बदमाश को गिरफ्तार किया है। सौरभ उर्फ भिंडा तीन साल से अधिक समय से फरार चल रहा था। वह नीरज बवानिया गैंग से भी जुड़ा बताया गया है। डीसीपी आलोक कुमार के अनुसार एसीपी वेद प्रकाश की टीम ने पश्चिमी जिले के हरि नगर एरिया से इस बदमाश को शुक्रवार शाम को पकड़ा। सलमान त्यागी व सद्दाम गौरी गैंग 10 साल से अधिक समय से नीरज बवाना गिरोह से जुड़ा हुआ है। आरोपी सौरभ और उसके सिंडिकेट से जुड़े अन्य बदमाश मकोका के तहत दर्ज एक केस में वांछित थे। कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किया हुआ था। सौरभ सलमान त्यागी व सद्दाम गौरी गिरोह का सक्रिय मेंबर बताया जाता है। यह अपने साथियों के साथ मारपीट, अपहरण, जबरन वसूली, डकैती, हमला और धमकी आदि मामलों में शामिल रहा है। इस गैंग के खिलाफ 2019 में हरि नगर थाने में मकोका के तहत केस दर्ज किया गया था।

आईबी कर्मचारी की बेटी ने की खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

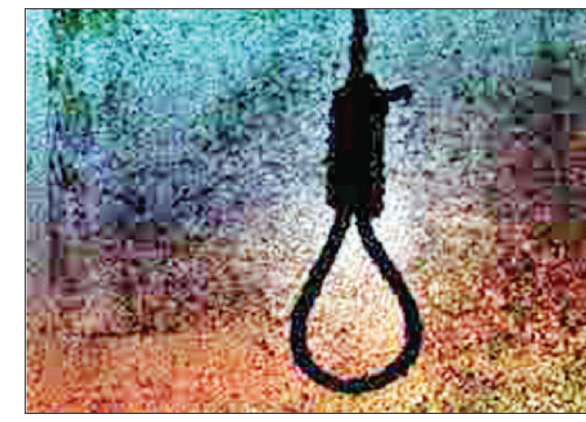

कमला मार्किट इलाके में डीयू से ग्रेजुएशन कर रही 20 वर्षीय युवती ने खुदकुशी कर ली। शनिवार दोपहर वह घर में फंदे से लटकी मिली। मृतका की पहचान दिवा कौशिक के रूप में हुई है। पांच साल पहले इसके पिता ने भी खुदकुशी की थी। वह आईबी में कार्यरत थे। उनकी मृत्यु के बाद युवती की मां को आईबी में नौकरी मिली थी।

पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब तीन बजे कमला मार्किट इलाके में घटना सामने आई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चरी भिजवाया। जांच में पता चला कि लाल क्वाटर्स में युवती अपनी मां के साथ रह रही थी। जांच के दौरान पता चला कि मृतका दयाल सिंह कॉलेज से बीएससी कर रही थी। मामले में एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। पता लगा है इन दिनों युवती की शादी की बात चल रही थी। अगले महीने उसकी शादी भी तय होने वाली थी। इस बीच अचानक से उसने इतना बड़ा कदम उठा लिया।

- पांच साल पहले पिता ने भी दी थी जान
- कमला मार्किट इलाके का मामला

ट्रेन की चपेट में आकर सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट एरिया में 75 वर्षीय सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी की बरार स्क्वायर के पास पटरी पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के समय मोहन दास मेनन एक जानकार के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस को मृत पूर्व अधिकारी के चालक ने बताया कि रेलवे फाटक बंद होने की वजह से वह अपनी कार से उतरकर पैदल पटरी पार कर रहे थे। 1974 बैच यूपी कैडर के अधिकारी रहे मोहन दास मेनन ने रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) और खुफिया ब्यूरो (आईबी) में भी अपनी सेवाएं दी थी। बुधवार को यह हादसा हुआ। मेनन दक्षिणी दिल्ली के पंचशील पार्क इलाके में रहते थे। वह दिल्ली छावनी इलाके में किसी जानकार के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। उन्होंने देखा कि बरार स्क्वायर पर रेलवे फाटक बंद है। वह कार से उतरे और पटरी पार करने के लिए पैदल चलने लगे। तभी वह ट्रेन की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस आशंका जता रही है कि शायद उन्हें ट्रेन की आवाज सुनाई नहीं दी होगी।

डीडीए कैंप में पहले दिन पहुंचे लोगों ने आवासीय योजना को लेकर अधिकारियों से पूछे कई सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के फेस्टिवल धमाका हाउसिंग स्कीम के लिए द्वारका सेक्टर-19बी में लगाए गए दूसरे मेगा कैंप के पहले दिन शनिवार को लोगों की खासी संख्या रही। रविवार को दूसरे दिन कैंप में भारी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना जताई गई है। कैंप में लोगों ने फेस्टिवल धमाका हाउसिंग स्कीम को लेकर कई तरह की जानकारियां प्राप्त की। डीडीए के एक अधिकारी के अनुसार इससे पहले भी द्वारका में 16 और 17 दिसंबर 2023 को दो दिवसीय कैंप आयोजित किया था। उस समय भी लोगों की भारी भीड़ पहुंची थी। उसी को देखते हुए दूसरे कैंप के पहले दिन लोगों की संख्या काफी रही। अधिकारी का कहना है कि रविवार को अवकाश रहने के चलते कैंप में ज्यादा लोगों के पहुंचने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। अधिकारी की माने तो अधिकांश लोगों ने फेस्टिवल धमाका हाउसिंग स्कीम की जानकारी के लिए आयोजित किया गया था। लेकिन रविवार को कई लोगों ने अन्य आवासीय योजनाओं को लेकर भिन्न-भिन्न जानकारी मांगी। जिनमें बैंक से लोन केस मिलेगा, कितने साल के लिए होगा और किश्तें कम से कम कितनी रकम की होगी। वहीं कैंप में लोगों ने इस योजना के अलावा पुरानी योजनाओं व आने वाली किसी योजना को लेकर भी सवाल किए। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने अपनी तरफ से जहां तक संभव हुआ लोगों को उनकी जिज्ञासा के अनुसार जवाब दिए। अधिकारी ने कहा कि रविवार को लेकर अतिरिक्त तैयारियां की गई है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने जेलों में समुचित चिकित्सा बुनियादी ढांचे के लिए दिया निर्देश

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि यहां की जेलों में उचित चिकित्सा बुनियादी ढांचा बनाए रखा जाए। उच्च न्यायालय ने कहा कि अदालतें जेल में समुचित स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के अभाव में किसी कैदी के समय पर चिकित्सा देखभाल अधिकार का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दे सकती हैं। इसने कहा कि दिल्ली सरकार यहां जेल परिसरों के प्रबंधन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। अदालत ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जेल में बंद कैदियों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं पूरी की जाएं। अदालत ने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के सचिव को एक समिति गठित करने का भी निर्देश दिया, जिसमें उनके अलावा महानिदेशक (जेल), दिल्ली जेल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) होंगे। इसके साथ ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (केंद्रीय जिला) द्वारा नामित जिला अदालतों के दो वरिष्ठ न्यायाधीश, दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के सचिव और दो अधिवक्ता भी इस समिति में होंगे। उच्च न्यायालय ने कहा कि समिति जेलों में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और सभी कैदियों के लिए समान स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने के तरीकों के बारे में एक महीने के भीतर उसे सुझाव देगी। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि समिति अदालत को विशेष रूप से यह भी बताएगी कि क्या हृदयाघात, रक्तस्राव जैसी आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए जेल अस्पताल में सुविधाएं उपलब्ध हैं, क्योंकि ऐसी स्थिति में शुरुआती कुछ मिनट किसी व्यक्ति की जान बचाने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। अदालत ने दिल्ली के व्यवसायी अमनदीप सिंह ढल द्वारा दायर दो अर्जियों पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। ढल को दिल्ली आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं के संबंध में दर्ज अलग-अलग मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। ढल ने अर्जियों में चिकित्सा आधार पर 12 सप्ताह की अंतरिम जमानत का अनुरोध किया। आरोपी ने कहा है कि जेल अस्पताल का मेडिकल स्टाफ उसकी सर्जरी के बाद इलाज करने वाले डॉक्टर के नुस्खे के मुताबिक फिजियोथेरेपी सत्र और सी3-सी4 जोड़ों के लिए 'एपिड्यूरल स्टेरॉयड इंजेक्शन' उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं है। अदालत ने निर्देश दिया कि ढल को दो सप्ताह के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया जाए, जो जेल रेफरल नीति के अनुसार रेफरल अस्पताल है। दिल्ली की जेलों में उचित चिकित्सा सुविधाओं की कमी के मुद्दे पर, उच्च न्यायालय ने कहा कि इस मामले ने जेल के भीतर चिकित्सा उपचार के मानक से संबंधित एक महत्वपूर्ण मुद्दा सामने लाया है, जो जेल कैदियों के लिए स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे में अनुपलब्धता पर प्रकाश डालता है। अदालत ने कहा कि इस मामले में जेल डिस्पेंसरी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में उचित चिकित्सा देखभाल सुविधाओं, यानी फिजियोथेरेपी उपकरणों की कमी के बारे में एक चिंताजनक वास्तविकता की ओर इशारा किया गया है। इसने कहा कि अदालतें जेल में समुचित स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के अभाव में किसी कैदी के समय पर चिकित्सा देखभाल के अधिकार का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दे सकती हैं। कैदियों के स्वास्थ्य के लिए जेलों में उपलब्ध स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की निगरानी और उसे बढ़ावा देने के लिए एक तंत्र की आवश्यकता होगी। अदालत ने यह भी कहा कि जेल में कुछ कैदियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चिकित्सा व्यवस्था में हर तरह के उन्नत उपकरण रखना संभव नहीं है और निर्देश दिया कि जेलों में स्वास्थ्य देखभाल के उच्च मानक सुनिश्चित किए जाएं।

महिला चोरों ने उड़ाई 25 लाख की ज्वेलरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सेंट्रल दिल्ली के करोलबाग इलाके में ई-रिक्शा सवार दो भाईयों से लगभग 25 लाख कीमत की ज्वेलरी चुरा ली गई। इस वारदात के समय ई-रिक्शा में दो महिलाएं भी सवार थी। उन्होंने कान में रुई लगा रखी थी, जिसमें उठ रही दुर्गंध के कारण पीड़ित सुधबुध खो बैठे। उसी का फायदा उठाकर महिलाएं ज्वेलरी लेकर फरार हो गई।

- करोलबाग इलाके में दिया वारदात को अंजाम
- ई-रिक्शा में सवार थे दो भाई

पुलिस के अनुसार यह वारदात शुक्रवार शाम लगभग चार बजे हुई। बीड़नपुरा में ज्वेलरी का बिजनेस करने वाले प्रवेश कुमार और सुरेश कुमार 25 लाख से ज्यादा की गोल्ड ज्वेलरी लेकर ई-रिक्शा से बापा नगर जा रहे थे। इस रिक्शा में पहले से कई महिलाएं सवार थी। एक भाई आगे की सीट पर बैठ गया, जबकि दूसरा पीछे। रास्ते में पीछे वाली सीट पर महिलाओं के बीच बैठे एक भाई ने तेज आ रही दुर्गंध को लेकर शिकायत भी की लेकिन ई-रिक्शा चालक ने उसकी बात को अनसुना कर दिया। कुछ देर में दोनों भाई बापा नगर पहुंच ई-रिक्शा से उतर गए। बाद में जब इन्होंने बैग चैक किया तो गोल्ड ज्वेलरी गायब थी। ई-रिक्शा में पीछे बैठे पीड़ित के पास बैठी महिलाओं ने कान में रुई लगा रखी थी, उससे उठ रही दुर्गंध के कारण वह सुधबुध खो बैठे। कब उनका बैग खोल महिलाओं ने ज्वेलरी चोरी की इस बात का उन्हें आभास ही नहीं हो सका। पुलिस अब इस घटना को लेकर पीड़ित भाईयों से जानकारी जुटा रही है। साथ ही घटनास्थल व रूप के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

कांग्रेस दिल्ली की सत्ता में आते ही सबसे पहले सभी अनुबंधित कर्मचारियों को करेंगी नियमितः लवली

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार आते ही सबसे पहले सभी अस्थाई, अनुबंधित और ठेके पर कार्य करने वाले कर्मचारियो को नियमित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से

दलितों, पिछड़ों, वंचितों, मजूदरों, कर्मचारियों सहित मध्यम व निम्न वर्ग की आवाज बनकर लड़ाई लड़ती आई है। लवली दिल्ली कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में सफाई कर्मचारी यूनियनों की एक कोर कमेटी की बैठक में बोल रहे थे। इस मौके पर लवली के अलावा प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष व दलित नेता जयकिशन, एआईसीसी एस.सी. विभाग के चेयरमैन राजेश लिलोठिया सहित दलित संगठनों के नेता मौजूद थे। बैठक का आयोजन कोर कमेटी के सलाहकार पूर्व विधायक जय किशन ने किया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों की कोर कमेटी ने दिल्ली में समस्त कांटेक्ट, अनुबंधित, अस्थाई व नियमित कर्मचारियों को समय पर वेतन न मिलने, पेंशन, खाली पदों को भरने, स्वास्थ्य संबधी सुविधाऐं व रिटायर्ड कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ दिलाने की मांग का ज्ञापन प्रदेश अध्यक्ष लवली को सौंपा।

कांग्रेस ने हमेशा दलितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ीः जय किशन

इस अवसर पर दलित नेता जय किशन ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा दलितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी है। कांग्रेस शासन में कभी भी सफाई कर्मचारियों सहित निगम और दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को वेतन न मिलने के कारण हडताल नही करनी पड़ी। जयकिशन ने कहा कि अगर निगम कर्मचारियों की कोर कमेटी की मांग नही मानी गई तो सभी यूनियने मिलकर 10 जनवरी को सिविक सेन्टर का घेराव करेगे। जिसमें कांग्रेस पार्टी भी बढ़ चढ़कर शामिल होगी।

उत्तर प्रदेश को शराब की नगरी बनाने की तैयारी में योगी सरकार : आप

नई दिल्ली। योगी सरकार उत्तर प्रदेश को शराब की नगरी बनाने की तैयारी में हैं। रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन व बस स्टैंड पर खुलेआम शराब बेचने की अनुमति दी गई है। यह बात शनिवार को आप विधायक संजीव झा ने कही। उन्होंने कहा कि अगर 100 वर्ग फुट के अंदर शराब की दुकान है तो 20 मीटर की परिधि में बारशाला बना सकते हैं। यानी अब लोग अपनी दुकानों में खुलेआम शराब पिला सकते हैं।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल इंजीनियर – चतुर्थ, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1	**कार्य का नाम : 1.** सहायक मंडल अभियंता रोहतक के आधीन रोहतक–पानीपत लाइन पर सीमित ऊंचाई सबवे के निर्माण किलोमीटर 59/12 नजदीक नोलौथा स्टेशन हेतु कार्य। (निविदा संख्या 46-W-IV-23-24) **2.** सहायक मंडल अभियंता जींद के आधीन रेलवे कॉलोनी और रेलवे फाटकों पर पीने योग्य पानी के आपूर्ति कार्य हेतु कार्य। (निविदा संख्या 47-W-IV-23-24) **3.** सहायक मंडल अभियंता जाखल के आधीन रेलवे कॉलोनी और रेलवे फाटकों पर पीने योग्य पानी के आपूर्ति कार्य हेतु कार्य। (निविदा संख्या 49-W-IV-23-24)
2	**अनुमानित लागत : (1)** रु. 5,07,65,530.08, **(2)** रु. 39,99,811.71, **(3)** रु. 39,99,968.50
3	**धरोहर राशि : (1)** रु. 4,03,800.00, **(2)** रु. 80,000.00, **(3)** रु. 80,000.00
4	**ई-निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय :** ई–निविदा भरने का समय कार्य 02.01.2024 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 16.01.2024 को 15:00 बजे
5	**निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है : www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

सं.: 128-डब्लू/260/निविदा सूचना/NIT 46,47&49-डब्लू-4-23-24 दिनांक: 21.12.2023 4025/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

पुनःई-टेंडरिंग द्वारा निविदा आमंत्रण (ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली)

	GeM बोली संख्या	GEM/2023/B/4361517 दिनांक: 18.12.2023
1	कार्य का नाम व स्थान	GeM पोर्टल के माध्यम से 03 वर्ष की अवधि के लिए (03) वाहनों (एसयूवी), 2500 किमी तक 24 X 7, आउटस्टेशन, मासिक आधार पर ब्रिज लाइन अधिकारियों DY.CE/BL/TKJ, AXEN/BL/TKJ और AXEN/BL/MB आधिकारिक उपयोग के लिए किराए पर लेना।
2	कार्य की अनुमानित लागत	₹ 57,17,874.24
3	अग्रिम धन	लागु नहीं
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	(03) तीन वर्ष
5	निविदा जमा करने व खुलने की दिनांक	28.12.2023
6	वेबसाइट का विवरण जहा उपरोक्त निविदा व्याख्या उपलब्ध है	उपरोक्त निविदा प्रपत्र GeM की साइट www.GeM.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदा बोली संख्या GEM/2023/B/4361517 दिनांक: 18.12.2023 4015/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कई खेल प्रतियोगिताओं का किया जा रहा है आयोजन

सांसद ने किया चौथे सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के तहत दक्षिणी दिल्ली सांसद रमेश बिधूड़ी ने प्रति वर्ष की भांति सांसद खेल महोत्सव का आयोजन करवाया। जिसमें दक्षिणी दिल्ली की सभी 10 विधान सभाओं में 17 दिसम्बर से खेले गए क्रिकेट, वॉलीबॉल, खो-खो व कबड्डी टूर्नामेन्ट के लीग मैचों के बाद शनिवार 23 दिसम्बर से 25 दिसम्बर 2023 तक डीडीए स्पोर्टस

ग्राऊंड, महरौली-बदरपुर रोड़ तुगलकाबाद में लोक सभा स्तर पर आयोजित सैमीफाइनल व फाइनल क्रिकेट, खो-खो, वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता का शुभांरभ भारत सरकार में ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने किया। इस प्रतियोगिता में दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र से क्रिकेट की 32 टीम, वॉलीबॉल की 38, खो-खो की 33 व कबड्डी महिला-पुरूष की कुल 63 टीमों ने भाग लिया है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने टीमों के बीच टॉस करवाकर मैच प्रारंभ करवाए। इस अवसर मंत्री ने टीम के खिलाड़ियों को सम्बोधित कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेलों के प्रति उनका मनोबल बढ़ाया।

खेल किसी भी इंसान के विकास में निभाते हैं अहम भूमिका

इस दौरान सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि खेल किसी भी इंसान के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं, व्यक्तित्व और सामूहिक प्रयासों की भावना को विकसित करते हैं और मुख्य रूप से व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ व फिट बनाए रखते हैं। इसी उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री ने देश में खेलों के विकास व प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आर्थिक समस्या के बिना आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन हेतु 'खेलो इंडिया' की शुरूआत की थी जिसके तहत दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में गरीब, ग्रामीण क्षेत्र से आये युवाओं को खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढने के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस खेल स्पर्धा के फाइनल मुकाबले 25 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती 'सुशासन दिवस' पर खेले जाएगें।

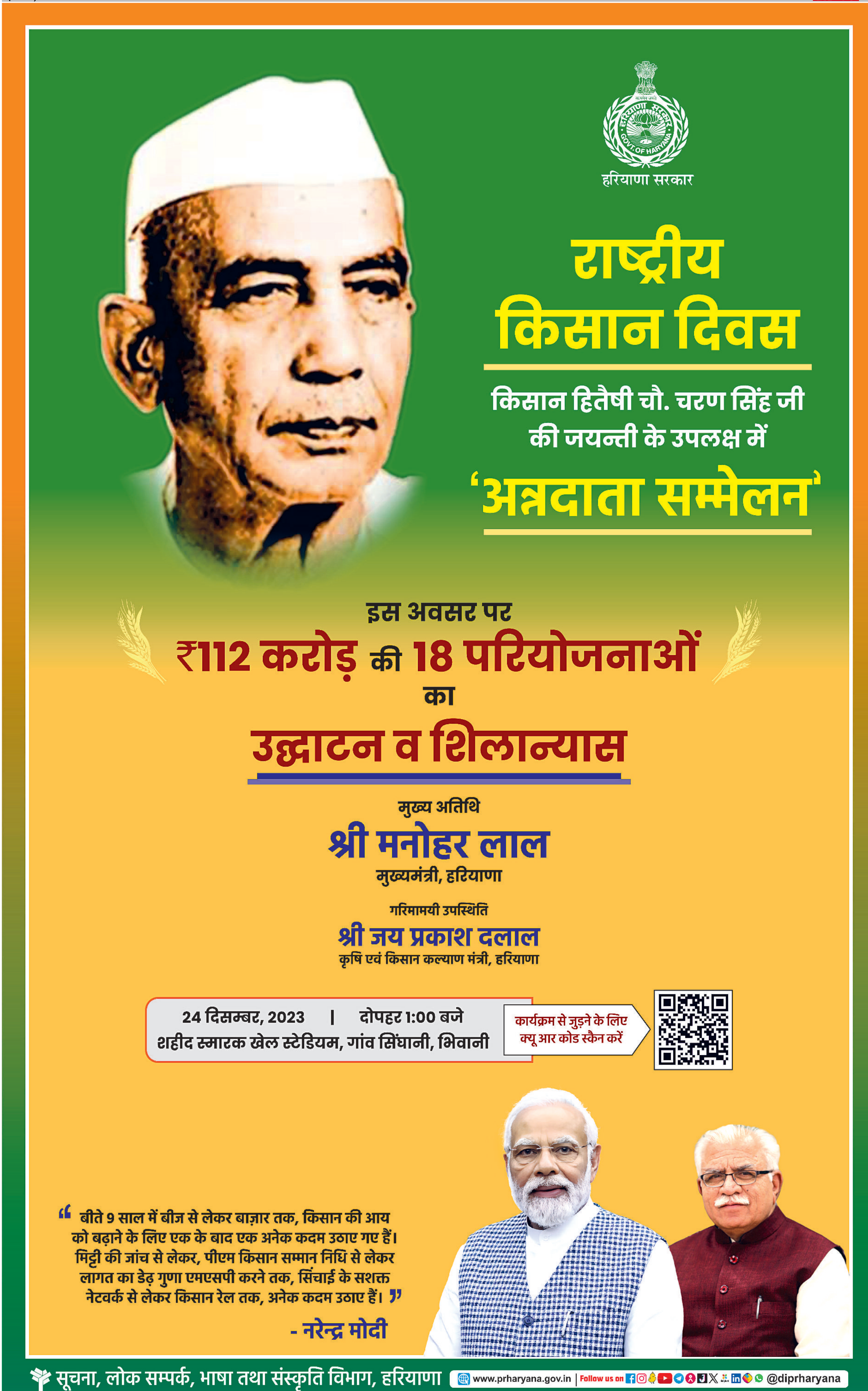
हरियाणा सरकार
राष्ट्रीय
किसान दिवस
किसान हितैषी चौ. चरण सिंह जी
की जयन्ती के उपलक्ष में
'अन्नदाता सम्मेलन'
इस अवसर पर
₹112 करोड़ की 18 परियोजनाओं
का
उद्घाटन व शिलान्यास
मुख्य अतिथि
श्री मनोहर लाल
मुख्यमंत्री, हरियाणा
गरिमामयी उपस्थिति
श्री जय प्रकाश दलाल
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, हरियाणा
24 दिसम्बर, 2023 | दोपहर 1:00 बजे
शहीद स्मारक खेल स्टेडियम, गांव सिंघानी, भिवानी
कार्यक्रम से जुड़ने के लिए
क्यू आर कोड स्कैन करें
"बीते 9 साल में बीज से लेकर बाज़ार तक, किसान की आय को बढ़ाने के लिए एक के बाद एक अनेक कदम उठाए गए हैं। मिट्टी की जांच से लेकर, पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर लागत का डेढ़ गुणा एमएसपी करने तक, सिंचाई के सशक्त नेटवर्क से लेकर किसान रेल तक, अनेक कदम उठाए हैं।"
- नरेन्द्र मोदी
सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

खबर संक्षेप

विजय यादव क्रिकेट अकादमी गोल्ड टू जीती

फरीदाबाद। अभिषेक यादव की शतकीय पारी व मनीषा तीन व वेदार्थ तीन की घातक गेंदबाजी की

बदौलत विजय यादव क्रिकेट अकादमी की गोल्ड टू टीम ने गोल्ड ए टीम को 145 रनों के अंतर से हरा दिया। कैपिटल क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गए इस मैच में गोल्ड ए की टीम ने टॉस जीता तथा पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया। गोल्ड टू टीम के स्कोर को निर्धारित 45 ओवर में 292 पर पहुंचा दिया।

घरों में चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच बदरपुर बोर्डर प्रभारी जितेन्द्र की टीम ने घरों में चोरी करने वाले आरोपी

को गिरफ्तार किया है। आरोपी श्याम सुन्दर फरीदाबाद अपने भाई के पास आया था। आरोपी को क्राइम ब्रांच टीम ने गस्त के दौरान पल्ला एरिया से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने भाई के पड़ोसी के घर में 4000 रुपए व एक फोन चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।

लिव-इन पार्टनर ने लगाया रेप का आरोप

गुरुग्राम । सदर थाना एरिया में युवती ने लिव-इन पार्टनर द्वारा रेप किए जाने का रिपोर्ट दर्ज करवाई

है। मेट्रीमोनियल साइट पर दोनों की दोस्ती हुई थी। नागालैंड मूल की 30 वर्षीया युवती ने बताया कि उसकी अपूर्वा शर्मा से दोस्ती के बाद एक फ्लैट किराए पर लेकर लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। उनके बीच कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

हाइवे पर कैब चालक की गोली मारकर हत्या

गुरुग्राम । जयपुर-दिल्ली हाइवे पर एक कैब ड्राइवर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही

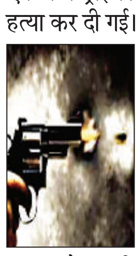

पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर रंजिश में वारदात को अंजाम देना प्रतीत हो रहा है। जांच के बाद ही वारदात के असल कारण पता लग पाएंगे। शनिवार दोपहर को मृतक की पहचान यूपी के औरेया निवासी 32 वर्षीय उदयवीर के रूप में हुई है।

दो लुटेरे मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक घायल

गजियाबाद। महिला के गले से चैन झपटकर भर रहे लुटेरे को नन्दग्राम पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान

गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गोली से लुटेरा घायल हो गया। उसे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। एसीपी नन्दग्राम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि सोनिका कुशवाहा पुलिस को सूचना दी कि मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात बदमाश उनकी चेन छीनकर भाग गए थे।

धमकी देने वाला आरोपी को पुलिस ने किया काबू

फरीदाबाद। थाना सुरजकुण्ड प्रभारी रामबीर की टीम पुलिस चौकी अनखीर ने लड़ाई-झगड़े के

मामले में पीड़ित नईम को घर पर जाकर देसी कट्टे से धमकाने वाले को गिरफ्तार किया है। आरोपी समीम खान नूंह का रहने वाला है। उसे पुलिस चौकी अनखीर प्रभारी विनोद कुमार की पुलिस टीम ने बडखल झील चौक से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयोग देसी कट्टा को बरामद किया गया है।

राजनीतिक दलों ने किसानों के मसीहा की 121 जयंती मनाई

ग्रामीण विकास के सच्चे पैरोकार थे चौधरी चरण सिंह

देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री किसानों के मसीहा दिवंगत चौधरी चरण सिंह की जयंती पर मेरठ मोड़ नया बस अड्डा स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा व अन्य स्थानों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

राजनीतिक दलों ने देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री किसानों के मसीहा दिवंगत चौधरी चरण सिंह की जयंती पर मेरठ मोड़ नया बस अड्डा स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा व अन्य स्थानों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में तमाम भाजपा कार्यकर्ता मेरठ रोड पर एकत्र हुए तथा उनकी प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया। इस अवसर पर संजीव शर्मा ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने जमींदारी प्रथा को समाप्त किया। उन्होंने किसानों के लिए जो कार्य किया, वह भुलाया नहीं जा सकता।\ चौधरी चरण सिंह जैसे व्यक्ति कम ही जन्म लेते हैं। उन्होंने हमेशा कमजोरों का साथ दिया। किसानों की समस्याओं के निदान के लिए वह हमेशा आगे रहते थे।

लघु एवं विकेंद्रित उद्योगों के हिमायती भी थे

मेरठ रोड स्थित राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय पर किसान मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 121 जयंती मनाई गई चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर फूल माला पहना कर उनको याद किया गया। नेताओं ने कहा कि लघु एवं विकेंद्रित उद्योगों के हमायती भी थे चौधरी चरण सिंह। मौके पर संगठन द्वारा हवन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। जिसमें प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष अमित त्यागी, महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ इंद्रजीत सिंह टीटू प्रदेश महासचिव रविंद्र चौहान, प्रदेश सचिव ऑडी त्यागी, युवा नेता लोकेश चौधरी, शुभेंदु कौशिक, राहुल चौधरी खानपुर अरविंद तेवतिया, बॉबी चौधरी, अमित राठी, शेर सिंह मौर्य, ऋषि पाल सिंह किशन सिंह राघव, वीर सलेमाबादउपस्थित थे।

चित्तौड़ा गांव में मूर्ति पर हवन और माला अर्पण कर चौधरी चरण सिंह का जन्मदिन मनाया गया। लोगों ने चौधरी चरण सिंह के कृषि क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा करते हुए उनकी जयंती को गर्व से मनाया। उनकी मूर्ति के सामने गांववालों व रालोद कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से इकट्ठा होकर उनको आदर्श मानते हुए उनकी नीतियों पर चलने का संकल्प लिया चौधरी साहब की महानता की चर्चा ने एक उत्साह जनक और समृद्धि भरा माहौल बनाया। चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा व्यक्ति नहीं विचारधारा का नाम है चौधरी चरण सिंह। उन्होंने कहा चौधरी साहब जातिवाद को भारतीय समाज के लिए सबसे घातक समस्या मानते थे । समाजवादी पार्टी की जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन व महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के नेतृव में चरण सिंह की जयंती मनाई गई।

लाभार्थियों को गैस सिलेंडर और चूल्हा भेंट कर किया जनसंवाद

पीएम मोदी ने भारतीय संस्कृति और विरासत का विश्व में फहराया परचम

कृष्ण पाल गुर्जर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गारंटी वाले विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ का गर्मजोशी से स्वागत किया। कहा कि प्रधानमंत्री ने भारतीय संस्कृति और सामाजिक संस्कारों की विरासत का विश्व में परचम फहराया है। विदेशों में भारतीयों का सम्मान पिछले साढ़े नौ वर्षों में दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

भारत सरकार के भारी उद्योग और उर्जा विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 40 करोड़ लोगों का और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का पौने तीन करोड़ लोगों का बड़ा परिवार है। कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संस्कृति और सामाजिक संस्कारों की विरासत का विश्व में परचम फहराया है। विदेशों में भारतीयों का सम्मान पिछले साढे नौ वर्षों में दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और विधायक राजेश नागर सेक्टर-37 के सामुदायिक भवन और अशोका इन्क्लेव की मैन मार्किट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गारंटी वाले विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ का गर्मजोशी से स्वागत कर लोगों को संबोधित कर रहे थे।

खास बातें

- पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति को सशक्त बनाना है विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य
- 25 जन. तक जारी रहेगी प्रत्येक गांव व शहरों के कोने-कोने में विकसित भारत संकल्प यात्रा

प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिलना चाहिए योजनाओं का लाभ

मौके पर केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और विधायक नागर ने लाभार्थियों को गैस सिलेंडर और चूल्हा भेंट कर लोगों के साथ जन संवाद भी किया। उन्होंने लोगों को विकसित भारत संकल्प शपथ दिलाई। कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सीधा लाभ मिले। उन्होंने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को आम जनता के लिए सुनिश्चित करना है। इन योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को शत प्रतिशत मिलना चाहिए और कोई इससे छूटना नहीं चाहिए।

स्वास्थ्य जांच कैंप भी लगाया जाएगा

विधायक राजेश नागर ने कहा कि उन्होंने कहा कि इस संकल्प की पूर्ति के लिए पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति को सशक्त बनाना है व उसको मजबूत कर मुख्य धारा में लाना है। उन्होंने कहा कि इसीलिए देश के हर गांव और शहरों के हर कोने में विकसित भारत संकल्प यात्रा चल रही है और 25 जनवरी तक लगातार चलनी है। विधायक राजेश नागर ने बताया कि इस यात्रा के दौरान योजनाओं से संबंधित अधिकारी तीन से चार घंटे लोगों के बीच रहेंगे और योजना से संबंधित हर जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा एक स्वास्थ्य जांच कैंप भी लगाया गया। इस मौके पर एमसीएफ की ज्वाइंट कमीशनर शिखा अन्तिल, विनोद गुप्ता, हरीश बैसला, आरडब्लूए सेक्टर 37 के प्रधान आईडी शर्मा, आरडब्लूए पदाधिकारी गणों में आशा शर्मा, संजय गर्ग, मीना गर्ग, महेंद्र गर्ग, रजनी गुप्ता, सारिका गुप्ता और भाजपा के गणमान्य नागरिक व अन्य विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारियों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कैमरों के लिए प्रक्रिया लगभग पूरी

गाजियाबाद में जगह-जगह लगेंगे कैमरे, सेफ सिटी की बनेगी पहचान

नगर निगम ने डीपीआर स्वीकृत और और निविदा आमंत्रित करने के बाद टेक्निकल बेड भी खोल दी है ताकि कैमरा इंटीग्रेशन का कार्य जल्द शुरू हो सके। नगर आयुक्त परियोजना पर खुद नजर रखे हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

गाजियाबाद महानगर को सुरक्षित बनाने के लिए नगर निगम ने डीपीआर स्वीकृत और और निविदा आमंत्रित करने के बाद टेक्निकल बेड भी खोल दी है ताकि कैमरा इंटीग्रेशन का कार्य जल्द से जल्द शुरू हो सके।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक इस बड़े प्रोजेक्ट पर खुद नजर रखे हुए हैं। इस पूरे प्रोजेक्ट में 6 करोड़ 30 लाख रुपए की लागत आएगी और 1500 कैमरे इंटीग्रेटेड किए जाएंगे।

शहर को सुरक्षित रखने के क्रम में कैमरा इंटीग्रेशन का कार्य तेजी से चल रहा है, जिसके लिए डीपीआर स्वीकृति के बाद निविदा भी आमंत्रित की जा चुकी है तकनीकी बिड भी खुल गई है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने बताया कि कैमरा इंटीग्रेशन की नियम अनुसार कार्यवाही को पूर्ण करने के लिए समय-समय पर शासन द्वारा भी कार्यवाही रिपोर्ट देखी जाती है। महानगरवासियों की सुरक्षा के लिए कैमरा इंटीग्रेशन का कार्य बहुत जल्द प्रारंभ किया जाएगा।

5200 कैमरे के लिए जगह चिन्हित

उन्होंने बताया कि एक ही कंट्रोल सेंटर में महानगर के सभी कैमरा को जोड़ा जाएगा। इसी के साथ सेफ लूप का कार्य भी तेजी से चल रहा है जिसमें लगभग 5200 कैमरे के लिए स्थलों को चिन्हित किया गया है। निजी प्रतिष्ठान, संस्थाओं द्वारा लगाए गए कैमरा को उसमें शामिल किया गया है। जिसमें आरडब्ल्यूए पदाधिकारी की अहम भूमिका रहेगी। जिनके साथ निगम की टीम लगातार समन्वय कर कैमरो पर निगरानी रखेगी।, जिसके लिए वह खुद लगातार शहर के अलग-अलग आरडब्ल्यूए पदाधिकारी से संपर्क कर कार्य योजना बना रहे हैं।

रेप में फंसाने की धमकी देकर युवती ने दोस्त से मांगे 5 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-50 थाना एरिया में केस में फंसाने की धमकी देकर युवती द्वारा अपने दोस्त से 5 लाख रुपए मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित की दोस्ती युवती से एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में यमुनानगर के एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी दोस्ती एक युवती से एसले ऐप के जरिए अक्तूबर 2023 में हुई थी। 22 दिसंबर को दोनों गुरुग्राम के लतासा होटल में मिलने आए थे। यहां युवती ने उससे 10 हजार रुपए अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कराए और बाद में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोप

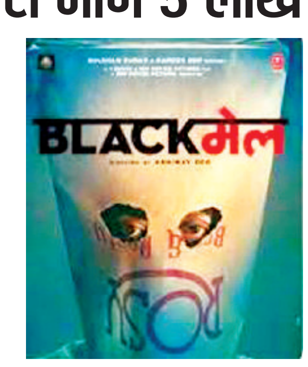

है कि युवती ने इस दौरान कुछ फोटो भी खींची और बाद में इन फोटो को वायरल करके उसे केस में फंसाने की धमकी देने लगी। आरोप है कि युवती ने इन फोटो के जरिए उसे ब्लैकमेल करके 5 लाख रुपए की मांग की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेरोजगार युवाओं के लिए ड्रोन प्रशिक्षण संस्थान शुरू

सेल्स एक्जीक्यूटिव, आईटी व मेकअप आर्टिस्ट कोर्स की नि:शुल्क पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ स्थित कुम्हार वाड़ा में प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र में ड्रोन प्रशिक्षण संस्थान का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष लाजर रंजीत सेन, पूर्व पार्षद दीपक चौधरी व दीपक यादव द्वारा किया गया। अतिथियों व किसानों को जानकारी देते हुए सोनिया शर्मा ने बताया कि हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अध्यक्ष आदित्य देवीलाल चौटाला ने प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप चाणक्यपुरी, लीला पैलेस, बल्लभगढ़ में ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र के डिजिटल उद्घाटन किया है।

बड़े ग्रामीण उद्यमिता और कृषि पर राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का हिस्सा है, जहां विभिन्न केंद्रीय मंत्री देश भर में एक साथ 66 ड्रोन प्रशिक्षण केंद्रों का उद्घाटन किया है। इस मौके पर केंद्र की इंचार्ज सोनिया शर्मा ने

बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य फसल पूर्व और फसल कटाई के बाद की गतिविधियों में ड्रोन के अनुप्रयोगों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में कौशल के प्रभाव और परिणाम पर विचार-विमर्श करना है। केन्द्र में सोशल मीडिया, सेल्स एक्जीक्यूटिव, आईटी और मेक अप आर्टिस्ट कोर्स के एडमिशन भी ओपन है साथ ही सरकार की तरफ से सभी कोर्स बिलकुल निशुल्क है, इसके बाद कंपनीज में नौकरी की भी सुविधा है।

दो आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहे

द्वारका एक्सप्रेसवे पर पुलिसकर्मी पर नुकीली वस्तु से हमला, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

बजघेड़ा थाना एरिया में नाकाबंदी के दौरान बाईक सवार बदमाशों द्वारा पुलिसकर्मी पर हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस बदमाशों को काबू करने के प्रयास में थी, इसी बीच एक आरोपी ने पुलिसकर्मी पर नुकीली वस्तु से वार कर दिया। इसके बाद भी पुलिस ने दो आरोपियों को काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत में एएसआई पदम ने कहा कि वह अपने साथी के साथ गस्त पड़ताल पर थे। उन्हें सूचना मिली कि किसी वारदात की फिराक में चार युवक बाइक पर सवार होकर

सराय अलावर्दी की तरफ से बजघेड़ा की तरफ आ रहे हैं। जिस पर वह सिपाही प्रवीण, एसपीओ वेद प्रकाश के साथ नाकाबंदी करने लगे। इस दौरान उन्हें एक बाईक पर चार युवक आते दिखाई दिए। बाइक सवार ने जब पुलिसकर्मियों को देखा तो द्वारका एक्सप्रेसवे की तरफ भागने लगे। द्वारका एक्सप्रेसवे पर बाइक स्लिप हो गई। जिसके बाद चारों आरोपी अलग-अलग दिशा में भागने लगे। इस पर वह सभी इन चारों को पकड़ने के लिए भागे तो एक आरोपी ने सिपाही प्रवीण के सिर पर किसी नुकीली वस्तु से वार कर दिया। इस दौरान उन्होंने दो आरोपियों को काबू कर लिया, जबकि दो अन्य आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब हो गए।

पूछताछ में आरोपियों की पहचान जींद के रहने वाले बिजेंद्र उर्फ कोकी व दूसरे की पहचान रोहतक के रहने वाले कर्मबीर के रूप में हुई। आरोपियों के कब्जे से एक बैग मिला जिसमें पेचकस, लोहे की रॉड व कुछ सिक्के मिले। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नीलम रेलवे फ्लाईओवर 24 दिसंबर से वाहनों के लिए बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मरम्मत कार्य के चलते नीलम रेलवे फ्लाईओवर कल 24 दिसंबर रात्रि 10 बजे से नीलम चौक से नेशनल हाईवे अजरौंदा की तरफ जाने वाली साइड वाली सड़क पर वाहनों की एंट्री पूर्ण रूप से बंद रहेगी। नीलम चौक से नेशनल हाईवे अजरौंदा की तरफ जाने वाली नीलम रेलवे फ्लाईओवर की एक साइड एफएमडीए द्वारा निर्माण कार्य किया जाएगा।

नेशनल हाईवे अजरौंदा से नीलम चौक की तरफ जाने वाला सड़क मार्ग केवल हल्के वाहनों के लिए पूर्व की तरह सुचारू रूप से चालू रहेगा। सड़क को दो भागों में हल्के वाहनों के आने और जाने के लिए डिवाइड किया गया है।

नीलम चौक से अजरौंदा जाने वाले भारी वाहन बीके चौक से हार्डवेयर चौक से बाटा फ्लाईओवर का उपयोग करेंगे। अजरोंदा से नीलम चौक की तरफ जाने वाले भारी वाहन बाटा चौक से दाएं मुड़कर बाटा रेलवे फ्लाईओवर होते हुए हार्डवेयर चौक की तरफ जाएंगे।

डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देश पर यातायात पुलिस की तरफ से जारी एडवाइजरी के मुताबिक सभी वाहन चालक से अपील है कि सड़क निर्माण के चलते यात्रा को सुगम बनाने के लिए यातायात पुलिस के द्वारा जारी कि गई एडवाईजरी का पालन करें।

यात्री अपनी सुविधा अनुसार मेवला महाराजपुर, एनएचपीसी, ओल्ड फरीदाबाद अंडरपास का उपयोग करें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

ई-खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 16.01.2024 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं. ए. कार्य का नाम : सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–III के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/बड़ौदा हाउस में वाणिज्यिक शाखा बड़ौदा हाउस के ग्राहक संपर्क एवं मीटिंग कॉन्फ्रेंस हॉल का नवीनीकरण एवं विस्तार कार्य हेतु।

अनुमानित लागत	रुपये 5384876.54
धरोहर राशि	रुपये 107700.00
समापन अवधि	06 महीने

क्रम सं. ब. कार्य का नाम : सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा–III के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/डी के जेड–II में मुख्य द्वार के साथ ग्रिल/बाड़ लगाने सहित क्षतिग्रस्त चारदीवारी की मरम्मत। रेलवे कॉलोनी डी के जेड–II में ब्लॉक नंबर 87 से 95, 104 से 126, 178 से 182, 77 से 85 पर जी–20 शिखर सम्मेलन के संबंध में अन्य विविध कार्य हेतु।

अनुमानित लागत	रुपये 7499995.3
धरोहर राशि	रुपये 150000.00
समापन अवधि	06 महीने

1. निविदा दिनांक 16.01.2024 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी। **पत्र संख्या :– 128–डब्लयू/269/निविदा सूचना/22–23/डब्लयू–ई/टेंडर. न: 38 (ए. ब) दिनांक : 21.12.2023** 4024/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/इंजी0/गतिशक्ति दिल्ली मंडल उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। **ई निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रण (ईप्रोक्योरमेंट सिस्टम)**

क्रं. सं.	NIT No	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु.)	धरोहर राशि (रु.)
1	CPM-GSU-DLI-NIT 09D-23-24	बी.जी. रेलवे ट्रैक, पॉइंट और क्रासिंग, ट्रैप को जोड़ने, बिछाने और हटाने जैसे अन्य संबद्ध कार्य जैसे बीजी पी.वे को जोड़ने का शेष कार्य। रास्ते सामग्री और PRC और अन्य विविध की लीडिंग, लोडिंग और अनलोडिंग। शकूरबस्ती दिल्ली सराय रोहिल्ला, किशन गंज और सब्जी मंडी में c/w व अतिरिक्त ट्रैन हैंडलिंग सुविधाओं में काम करता है।	₹2,12,20,086.81	₹2,56,100.00
2	CPM-GSU-DLI-NIT-15-23-24	टपरी में बुकिंग हॉल, एसी और स्लीपर क्लास प्रतीक्षालय, द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय वीआईपी कक्ष, यात्री कैंटीन और पार्किंग की सुविधाओं का विकास और मेरठ कैंट में द्वितीय प्रवेश द्वार का विकास। रेलवे स्टेशन और दिल्ली डिवीजन के ए.डी.ई.एन.एम/यू.टी. के तहत एस.एस.ई.एम/डब्ल्यू/टी.सी. के अनुभाग में एम.यू.टी. में पीएफ पर शेड का 2 और 1 प्रावधान हेतु कार्य।	₹4,42,86,749.37	₹3,71,400.00
3	समापन अवधि (CPM-GSU-DLI-NIT-09D-23-24)			12 महीने
4	समापन अवधि (CPM-GSU-DLI-NIT-15-23-24)			6 महीने
5	Bidding Start Date			02.01.2024
7	ई–निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	16.01.2024 को 15.00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 16.01.2024 को 15.00 बजे		
8	निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है		

पत्रसंख्या:–CPM-GSU-DLI-NIT (09D and 15)-23-24
दिनांक : 23.12.2023 4029/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बढ़ते प्रदूषण के चलते ग्रेप तीन लागू, निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर लगी रोक : राय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली में ग्रेप तीन को शनिवार से लागू कर दिया गया है। इस बात की जानकारी दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को दी है। राय ने प्रेसवार्ता में कहा कि बढ़ते प्रदूषण की समस्या को देखते हुए सीएक्यूएम के आदेश पर दिल्ली में ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया गया है। सभी सम्बंधित विभागों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। दिल्ली में निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर रोक लगा दी गई है। साथ ही बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल एलएमवी (4 पहिया वाहन) के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है। निर्माण कार्यों पर रोक की निगरानी के लिए सम्बंधित विभाग की टीमें लगातार निरीक्षण करेंगी। गोपाल राय ने कहा कि सर्दियों में हवा की गति कम होती है। जब मेट्रोलॉजिकल कंडीशन में बदलाव होता है, तब हवा की स्पीड कम होती है और तापमान में कमी के कारण दिल्ली के प्रदूषण में वृद्धि होती है। जिसकी वजह से दिल्ली और एनसीआर में एक्यूआई 400 से ज्यादा है , जो सिवियर कैटेगरी है। इसलिए सीएक्यूएम ने आदेश जारी किया है कि ग्रेप के तीसरे चरण को लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम के आदेश के अनुसार

दिल्ली में ग्रेप के तीसरे चरण की पाबंदियों को लागू करने का निर्णय लिया है। उसके क्रियान्वयन के लिए एक मजबूत मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया है। बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल एलएमवी (4 पहिया वाहन) के संचालन पर प्रतिबंध लागू किया गया है अगर इसका कोई उल्लंघन करता है तो मोटर व्हीकल एक्ट -1988 के तहत जुर्माना लगाया जाएगा। दिल्ली के अंदर निर्माण तथा विध्वंस की गतिविधियों पर बैन लगाया जा रहा है। जिसकी निगरानी डीपीसीसी और राजस्व विभाग की टीमें करेंगी। निर्माण तथा विध्वंस पर बैन से कुछ विभागों को छूट दी जा रही है लेकिन उन्हें निर्माण तथा विध्वंस के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना पड़ेगा।

- बीएस 3 पेट्रोल और बीएस चार डीजल एलएमवी (4 पहिया वाहन) के संचालन पर प्रतिबंध
- निर्माण कार्यों पर रोक की निगरानी के लिए सम्बंधित विभागों के अधिकारी लगातार करेंगे निरीक्षण

इन विभागों को मिली छूट

रेलवे स्टेशन, मेट्रो, हवाई अड्डे, राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित निर्माण तथा विध्वंस साइट, अंतर्राज्यीय बस अड्डे, अस्पताल, सड़क एवं राजमार्ग, फ्लाईओवर, बिजली, सीवर लाइन, स्वच्छता परियोजनाओं पर निर्माण संबंधी छूट रहेगी। इसके साथ-साथ दिल्ली के अंदर जो इंटीरियर वर्क है, जैसे प्लंबिंग का कार्य, बिजली फिटिंग का कार्य, फर्नीचर का काम पर छूट रहेगी।

इन पर रहेगा प्रतिबंध

निर्माण तथा विध्वंस स्थलों पर बोरिंग, ड्रिलिंग, खुदाई तथा भराई के काम पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। निर्माण एवं बिल्डिंग संचालन सहित तमाम संरचनात्मक निर्माण कार्य हैं, उसपर पूरी तरह बैन रहेगा। विध्वंस के कार्य पर पूरी तरह बैन रहेगा। निर्माण तथा विध्वंस साईट पर लोडिंग अनलोडिंग पर बैन रहेगा। कच्चे माल के स्थानांतरण मैनुअल तथा फलाईएस सहित बैन रहेगा। कच्ची सड़कों पर वाहनों के आने जाने पर बैन रहेगा। टाइलों पत्थरों के काटने पर बैन रहेगा, फर्श सामग्री के काटने पर बैन रहेगा, पीसने की गतिविधियों पर बैन रहेगा।

वायु प्रदूषण का लेवल पहुंचा गंभीर श्रेणी में, अभी राहत की उम्मीद नहीं, बारिश का इंतजार

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। जबकि सुबह के समय कोहरे की चादर भी गहराने लगी है, वहीं पारा अभी भी सिंगल डिजिट में ही दर्ज हो रहा है। कहा जा सकता है कि दिल्ली तीहरी मार झेल रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में एक्यूआई 447 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। हालांकि हालात बिगड़ते देख वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) राजधानी एनसीआर में कई पाबंदियां लगा चुकी है। जिसमें दिल्ली एनसीआर क्षेत्र बीएस-तीन पेट्रोल एवं बीएस-चार डीजल चालित चार पहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगाना प्रमुख कदम है। इसमें तीसरे चरण के तहत प्रतिबंधों को फिर से लागू करते हुए दिल्ली-एनसीआर में गैर-जरूरी निर्माण कार्यों, पत्थर तोड़ने और खनन पर प्रतिबंध लगाने का भी आदेश दिया है। इस बारे में पर्यावरण जानकारों का कहना है कि दिल्ली में जब तक बारिश नहीं होगी तब तक वायु प्रदूषण का ग्राफ नीचे नहीं आएगा। बेशक सरकार प्रतिबंध पर प्रतिबंध लगाती रहे। वहीं दूसरी तरफ भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में सुबह न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत से दो डिग्री अधिक है।

खबर संक्षेप

गणतंत्र दिवस से पहले चमकेगी पीडब्ल्यूडी की सभी सड़कें : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला करते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सभी सड़कों को गणतंत्र दिवस से पहले चमकाने की घोषणा की है। इस बात की जानकारी पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने दी है। आतिशी ने कहा कि गणतंत्र दिवस की भव्यता को और बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार दिल्ली में पीडब्ल्यूडी के अन्तर्गत आने वाली सभी सड़कों को चमकाने का काम करेगी। इस बाबत उन्होंने विभाग को निर्देश दिए है कि युद्धस्तर पर शहर में पीडब्ल्यूडी के अन्तर्गत आने वाली सभी सड़कों का मेंटेनेंस किया जाए। वहीं आतिशी ने विभाग को निर्देश देते हुए कहा है कि गणतंत्र दिवस देश के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। यह देश के सभी नागरिकों के लिए गर्व का दिन है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है कि दिल्ली के निवासी अपने शहर पर गर्व महसूस करें। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी दिल्ली के प्रमुख सड़कों के बुनियादी ढांचे के मेंटेनेंस की इंचार्ज है। ऐसे में ये जरूरी है कि पीडब्ल्यूडी युद्धस्तर पर इन सड़कों के मरम्मत और मेंटेनेंस का काम शुरू कर दे, ताकि 26 जनवरी तक पूरे शहर को चमकाया जा सके।

डीजेबी दिल्ली में दर्जनों जगह लगाएगा जन संपर्क शिविर

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा सभी जोन के विभिन्न क्षेत्रों में 26-30 दिसंबर 2023 से जन संपर्क शिविर लगाने जा रहा है। जहां इन जन संपर्क शिविरों में उपभोक्ताओं की समस्याओं, नए कनेक्शन संबंधित जानकारी, गलत बिल संबंधी सवाल जबाव आदि पूछ सकते है। इन शिविरों में डीजेबी के जेड आर ओ स्तर से लेकर अन्य अधिकारी मौजूद होगें। इस बारे में डीजेबी के एक अधिकारी ने बताया कि इन शिविरों में भारी संख्या में लोगों के आने की संभावना के मद्देनजर सभी तैयारियां की जा रही है। शिविरों में उपभोक्ताओं द्वारा विभिन्न जानकारी लेने व अपनी समस्या के समाधान के लिए पहुंचेंगे, जहां हर संभव मौके पर ही उनका निदान करने की कोशिश की जाएगी। अधिकारी का कहना है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा लगातार उपभोक्ताओं को सुविधाएं देने की कोशिश की जा रही है। इसी के तहत उपभोक्ताओं को उनके घरों के नजदीक उनकी समस्याओं के निदान के लिए ऐसे शिविरों को लगाया जा रहा है। डीजेबी का कहना है कि दिल्ली के लोगों को 365 दिन 24 घंटे सेवाएं देने की हमारी कोशिश रहती है। इसी दिशा में यह शिविर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगें।

दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाओं को लेकर सतर्कता विभाग ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी एलजी

विनय कुमार सक्सेना ने फिर बढ़ाई केजरीवाल की मुसीबत

उपराज्यपाल ने नकली दवा खरीद को लेकर सीबीआई जांच का दिया आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व आप पार्टी की परेशानियां समाप्त होने की बजाए बढ़ती ही जा रही है। ताजा मामले में एक बार फिर उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने सीएम केजरीवाल की परेशानियां बढ़ाने वाले निर्देश दिए है। एलजी ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाएं खरीदने के एक मामले में सीबीआई जांच के आदेश दे दिए है। नकली दवा खरीद के मामले सीधे रूप में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ ही सीएम केजरीवाल की भी दिक्कतें बढ़ जाएगी। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाओं को लेकर सतर्कता विभाग ने अपनी रिपोर्ट एलजी सक्सेना को सौंपी थी, जिसके बाद शनिवार को महामहिम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुख्य सचिव नरेश कुमार को पत्र लिखकर मामले की जांच और सीबीआई जांच के निर्देश दिए

हैं। एलजी द्वारा नकली दवा खरीद मामले की सीबीआई जांच को हरी झंडी के बाद दिल्ली की राजनीति में और गर्मी आ गई है।

इस मामले पर सबसे पहले भाजपा ने मोर्चा खोलते हुए केजरीवाल सरकार को आड़े हाथों लेते हुए सीएम अरविंद व स्वास्थ्य मंत्री भारद्वाज के खिलाफ तीखे हमले करने शुरू कर दिए है। हालांकि देर रात तक कांग्रेस की तरफ से खुलकर कोई तीव्र प्रतिक्रिया नहीं आई। लेकिन दबी जुबान में कांग्रेसियों ने भी नकली दवा खरीद मामले की सीबीआई जांच को सही ठहराया है। बता दें कि इससे पहले सीबीआई दिल्ली शराब घोटाला मामले की जांच कर रही है। इस मामले में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया महीनों से जेल में बंद हैं। दूसरी तरफ आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी काफी समय से जेल में समय बिताने को मजबूर है। इनके अलावा पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन करीब एक साल से ज्यादा समय से तिहाड़ में बंद रहे, फिलहाल वह चिकित्सा ग्राऊंड पर पैरोल पर बाहर है और इलाज करवा रहे है। जबकि खराब घोटाले मामले में ईडी तीसरी बार केजरीवाल को समन कर चुकी है। जाहिर है ऐसे में एलजी द्वारा नकली दवा खरीद मामले में सीबीआई जांच के निर्देश देना केजरीवाल के लिए नया सिरदर्द पैदा हो गया है।

प्रदेश भाजपा ने उपराज्यपाल का जताया आभार

अस्पतालों में घटिया मेडिकल स्टैंडर्ड पर फेल दवाएं बांटती रही है केजरीवाल सरकार : सचदेवा

नई दिल्ली। यह शर्मनाक एवं दर्दनाक है कि दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार आम आदमी की जिंदगी से खेलते हुए सरकारी अस्पतालों एवं क्लीनिकों में घटिया मेडिकल स्टैंडर्ड पर फेल दवाएं बांटती रही है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं सांसद मनोज तिवारी ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता में उक्त बातें कहीं। सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली की जनता आज उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की आभारी है जिन्होंने जानकारी मिलते ही इस स्टैंडर्ड विहिन या यूं कहें नकली दवाओं के स्कैम की सघन जांच कराई। उपराज्यपाल के आदेश पर हुई जांच में एड्रिओट फार्मास्यूटिकल्स सहित लगभग 5 कंपनियों के सैंपल जांच में फेल हुए हैं और अधिकांश ने बिना बहस अपनी दवाएं ना सिर्फ सरकार के अस्पतालों से बल्कि बाजार से भी वापस लेने के परिपत्र जारी कर दिये हैं। प्रेस वार्ता में दिल्ली भाजपा सचिव हरीश खुराना उपस्थित थे।

सीएम केजरीवाल ने आम आदमी के जीवन में घोल दिया है जहर : तिवारी

सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली सरकार के इस घटिया दवाएं बांटने के प्रकरण ने केजरीवाल सरकार के विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल दी है। आम आदमी पार्टी नाम की पार्टी चलाने वाले केजरीवाल ने आम आदमी के जीवन में जहर घोल दिया है। सांसद तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी विपासना से वापस आयें और मरीजों के जीवन से हुए इस खिलवाड़ पर जवाब दें और स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज को बर्खास्त करें।

अपने 24 नवम्बर 2012 के कथन अनुसार केजरीवाल कब देंगे इस्तीफा : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आरोप लग चुका है, समन भी कई बार आ चुके हैं और वह पेश नहीं हो रहे हैं तो अपने 24 नवम्बर 2012 के कथन अनुसार सीएम अरविंद केजरीवाल इस्तीफा कब देंगे। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं सांसद मनोज तिवारी ने भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का 24 नवम्बर 2012 का एक ट्वीट रख कर सीएम केजरीवाल से यह प्रश्न किया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि केजरीवाल के इस ट्वीट में तत्कालीन कांग्रेस नेताओं के लिए जो शब्द लिखे वह एक एक शब्द आज खुद मुख्यमंत्री पर लागू हो रहे हैं। सचदेवा ने कहा कि अपने 24 नवम्बर 2012 के ट्वीट में अरविंद केजरीवाल ने अंग्रेजी के ट्वीट में लिखा कि 'एक राष्ट्र भक्त भारतीय होने के नाते मेरा सिर शर्म से झुक जाता है जब भ्रष्ट नेता ई डी एवं सी बी आई जांच एजेंसियों के सामने बार बार समन आने पर भी पेश नहीं होते जबकि उन्हे आरोप लगते ही इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रेस वार्ता में प्रदेश सचिव हरीश खुराना उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार की जांच में दोहरा रवैया एलजी की नेक नियत पर लगाता है प्रश्न चिन्ह : भारद्वाज

नई दिल्ली। नकली दवाओं के मामले की उपराज्यपाल द्वारा सीबीआई जांच के आदेश पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह बेहद ही हैरान करने वाली बात है कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की ओर से केवल दवाइयों के विषय में सीबीआई जांच के आदेश दिए गए हैं। भ्रष्टाचार की जांच में यह दोहरा रवैया उनके नेक नियत पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। दवाइयों की खरीद फरोख्त से संबंधित जानकारी देते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया की दिल्ली में भी और शायद अन्य राज्यों में भी अस्पतालों में जो दवाई की खरीद फरोख्त होती है, वह सीपीए (सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी) द्वारा की जाती है। उन्होंने बताया कि इस सीपीए की जिम्मेदारी डीएचएस की होती है, तथा सर्वोच्च जिम्मेदारी स्वास्थ्य सचिव की होती है। भारद्वाज ने कहा कि एक समय पर दिए गए अलग-अलग वस्तुओं के सैंपलों में पाई गई अनियमितताओं के संबंध में सीबीआई जांच मामले में यह दोहरा व्यवहार केवल और केवल इस कारण से है, क्योंकि अस्पतालों के लिए जो अन्य उपभोग्य वस्तुएं खरीदी गई थी, वह केंद्र सरकार की वेबसाइट जीईएम (गवर्नमेंट ई मार्केटिंग) के जरिए खरीदी गई थी। भारद्वाज ने कहा क्योंकि यदि दोनों ही प्रकार की वस्तुओं के संबंध में सीबीआई जांच के आदेश दिए जाते तो सीधे तौर पर उंगली केंद्र सरकार पर उठ रही थी, इसीलिए यह दोहरा रवैया अपनाते हुए केवल और केवल दवाइयों के मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए गए। प्रैसवार्ता में सौरभ ने कहा कि जुलाई-अगस्त के महीने में कुछ दवाइयां एवं अस्पताल में इस्तेमाल होने वाली

अन्य उपभोग्य वस्तुओं जैसे पट्टी, रुई आदि के लगभग 43 सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। उन्होंने कहा कि आज कुछ न्यूज चैनलों पर यह खबर देखने को मिली कि जांच रिपोर्ट आ गई है और उनकी जांच में 43 में से 5 के सैंपल तय मानकों के अनुसार सही नही पाए गए। भारद्वाज ने कहा कि जब यह सैंपल जांच के लिए भेजे गए तो उसके लगभग एक से डेढ़ महीने बाद एक बैठक में चर्चा के दौरान मुझे इसकी जानकारी मिली। मीडिया में सैंपलों की जांच मामले में सीबीआई जांच की खबर देखकर मुझे लगा कि शायद दवाइयां और अन्य उपभोग्य वस्तुओं के मामले में जांच की जाएगी।

21 मार्च को दवाइंयों की ऑडिट करने के दिए थे निर्देश, आज तक नहीं हुई

इस संबंध में एक और जानकारी देते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 9 मार्च को स्वास्थ्य मंत्री बनने के तुरंत बाद 21 मार्च 2023 को एक बैठक कर मैंने यह आदेश जारी किया था, कि जो भी दवाइयां और अन्य उपभोग्य वस्तुएं दिल्ली सरकार के अस्पतालों में खरीदी गई है शीघ्र अति शीघ्र उनकी ऑडिट की जाए। हैरानी की बात यह है कि स्वास्थ्य सचिव एसबी दीपक कुमार ने उस डायरेक्शन को भी आज तक नहीं माना है।

स्वास्थ्य सचिव एसबी दीपक कुमार और तत्कालीन डीएचएस नूतन मुंडेजा को किया जाए बर्खास्त

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा आज से लगभग दो महीने पहले 23 अक्टूबर 2023 को हमने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जरिए उपराज्यपाल को यह शिकायत की थी कि स्वास्थ्य सचिव एसबी दीपक कुमार और तत्कालीन डीएचएस नूतन मुंडेजा को बर्खास्त किया जाए और उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाए। केंद्र सरकार से प्रश्न पूछते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब खुद दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने इन दोनों अधिकारियों को बर्खास्त करने एवं उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही करने की सिफारिश की है तो क्यों नहीं केंद्र सरकार ने अब तक इन अधिकारियों के खिलाफ कोई कठोर कदम उठाया है। भारद्वाज ने केंद्र सरकार से यह अपील की, कि अब तो आपकी जांच में भी यह पाया गया है कि दवाइयां की खरीद फरोख्त में धांधली की जा रही है तो तुरंत प्रभाव से इन दोनों जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

मंत्री ने संदिग्ध नकली दवाओं के वितरण को रोकने के लिए कुछ नहीं किया : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज की प्रेस वार्ता से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वह जानते थे कि कुछ दवाएं संदेह के घेरे में हैं, फिर भी मंत्री के रूप में उन्होंने इन संदिग्ध नकली दवाओं के वितरण को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। दिल्ली भाजपा सचिव हरीश खुराना एवं बांसुरी स्वराज ने शनिवार को बयान जारी कर कहा है कि दिल्ली के लोग, जिनके स्वास्थ्य के साथ दिल्ली सरकार ने नकली दवाओं को बांटने की अनुमति देकर खिलवाड़ किया है वे आज भारद्वाज को दोषारोपण का खेल खेलते देखकर हैरान हैं और चाहते हैं कि सौरभ भारद्वाज नकली दवाओं के वितरण की जिम्मेदारी लें और इस्तीफा दें। दिल्ली भाजपा सचिव हरीश खुराना एवं बांसुरी स्वराज ने कहा है कि यह शर्मनाक है कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों में चिकित्सकीय रूप से मानक से नीचे या नकली दवाओं के वितरण की जिम्मेदारी लेने के बजाय दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज सरकारी अधिकारियों पर दोषारोपण करने की कोशिश कर रहे हैं।

रामवीर सिंह विधूड़ी ने उपराज्यपाल द्वारा सीबीआई जांच के आदेश का किया स्वागत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली सरकार के सरकारी अस्पतालों में घटिया दवाइयों की सप्लाई के मामले की सीबीआई जांच के आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने शनिवार को कहा कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने यह आदेश देकर दिल्ली की जनता के गुनाहगार को सामने लाने की दिशा में कार्यवाही की है। इस मामले की जांच शीघ्रातिशीघ्र पूरी होनी चाहिए ताकि इन घटिया दवाइयों का कहां-कहां असर हुआ, वह सामने आ सके। बिधूड़ी ने कहा कि घटिया दवाइयों की सप्लाई केवल भ्रष्टाचार का मामला नहीं है बल्कि यह किसी की जान से खिलवाड़ करने जैसा है। जो भी व्यक्ति इसके लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

एनडीएमसी ने दो दिवसीय अखिल भारतीय शीतकालीन गुलाब प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष अमित यादव ने शनिवार को चाणक्यपुरी में भारत-अफ्रीका मैत्री रोज गार्डन में 'द रोज़ सोसाइटी ऑफ़ इंडिया' के सहयोग से एनडीएमसी द्वारा आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय शीतकालीन गुलाब प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। रोज़ शो में 25 श्रेणियों में 85 ग्रुप के माध्यम से गुलाब की 70 किस्मों को प्रदर्शित किया गया है। देशभर से लगभग 200 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर गुलाब की थीम पर 'ऑन स्पॉट पेंटिंग' प्रतियोगिता में 50 से अधिक बच्चों ने भी भाग लिया। एनडीएमसी अध्यक्ष ने सर्वश्रेष्ठ निर्णायक पेंटिंग के विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र और ट्राफियां प्रदान कीं। इस अवसर पर अध्यक्ष ने रोज़ सोसाइटी ऑफ इंडिया की एक स्मारिका का विमोचन भी किया। बता दें कि आम जनता के लिए यह गुलाब प्रदर्शनी आज, 24 दिसंबर 2023 को सुबह 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक खुली रहेंगी।

महापौर करती रही शांति बनाए रखने की अपील

दिल्ली नगर निगम की विशेष सदन बैठक में हुआ हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम मुख्यालय में आयोजित सदन की विशेष बैठक में उस समय हंगामा शुरू हो गया जब दिल्ली नगर निगम की महापौर डॉ. शैली ओबरॉय दिल्ली नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाली संपत्तियों की डी-सीलिंग मामले पर चर्चा कराना चाहती थी। बैठक दस मिनट स्थगित होने के बाद जब दोबारा महापौर ने आसन संभाला तो फिर से हंगामा शुरू हो गया और इस हंगामे के बीच ही संपत्तियों को डी-

सीलिंग करने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया और इस विशेष बैठक को अगली सदन बैठक तक के लिए स्थगित कर दिया। बता दें कि शनिवार को निगम मुख्यालय में सदन की विशेष बैठक करीब ढाई बजे शुरू हुई और इसके करीब 20 सेकंड बाद ही निगम में नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने यह कहा कि न्यायिक समिति के आदेश के 100 घंटे बीत जाने के बाद भी एक भी दुकान एमसीडी प्रशासन ने डी-सील नहीं की और जबकि इसकी जगह दुकानों को सील किया जाने लगा है। जिसका जवाब महापौर और निगमायुक्त को देना चाहिए। इसे लेकर नेता विपक्ष के नेतृत्व में भाजपा के अन्य पार्षदों ने भी हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान हंगामा काफी बढ़ गया। पार्षदों ने महापौर आसन के पास वेल में आकर व अपने आसनों पर चढ़कर केजरीवाल सरकार की मनमानी के विरोध में जमकर नारेबाजी की।

बैठक में महापौर डॉ. शैली ओबरॉय और नेता सदन मुकेश गोयल ने पार्षदों से शांति बनाए रखने और चर्चा कराने की अपील की लेकिन पार्षदों के हंगामें के बीच किसी की नहीं चल सकी और बैठक को स्थगित करना पड़ा। बैठक स्थगित होने के बाद भाजपा पार्षद व पूर्व महापौर कमलजीत सहरावत व सत्या शर्मा ने बताया कि एमसीडी में आम आदमी पार्टी डी-सीलिंग को लेकर दोहरा मापदंड अपना रही है। दुकानों और शापिंग काम्प्लेक्स की दुकानों की सील नहीं खोली जा रही है। कारोबारी पहले कोरोना की वजह से परेशान रहे फिर मॉनिटरिंग कमेटी की वजह से और अब एक साल आम आदमी पार्टी के कार्यकाल में कारोबारी परेशान हैं और उनका व्यापार बंद पड़ा है।

कोरोना योद्धा के परिवार को सौंपी एक करोड़ की सम्मान राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- हिंदू राव अस्पताल के सीएमओ डॉ. अनिल वहाल की कोविड ड्यूटी के दौरान संक्रमित होने के कारण हो गई थी मृत्यु

दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने शनिवार को कोविड-19 की ड्यूटी के दौरान कोरोना की चपेट में आकर अपनी जान गंवाने वाले कोरोना योद्धा डॉ. अनिल वहल के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें दिल्ली सरकार की तरफ से एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि का चेक सौंपा। इस दौरान समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने बताया कि हिंदू राव हॉस्पिटल के सीएमओ डॉ. अनिल वहाल ने कोविड ड्यूटी के दौरान संक्रमित होने के कारण अपने प्राण गवा दिए थे। उनके परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए केजरीवाल सरकार द्वारा एक करोड़ की सहायता राशि सौंपी गई। डॉ. अनिल कुमार वहल हिंदू राव हॉस्पिटल के एनेस्थीसिया विभाग में सीएमओ के तौर पर कार्यरत थे। अस्पताल में कोरोना से लड़ते हुए वह जिंदगी की जंग नहीं जीत पाए और 11 मई 2021 को उनकी मृत्यु हो गई। 1981 से चिकित्सा क्षेत्र में डॉक्टर रहते हुए उन्होंने एसडीएन शाहदरा, कस्तूरबा अस्पताल दरियागंज व हिंदू राव अस्पताल में बतौर चिकित्सक अपनी सेवाएं दी और अपने मरीजों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार कायम किया। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटे हैं। मंत्री ने कहा कि स्वर्गीय अनिल वहल की जान की कीमत नहीं लगाई जा सकती है लेकिन दिल्ली सरकार की ओर से दी गई यह राशि उनके परिवार की कुछ जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। केजरीवाल सरकार कोविड में जान गंवाने वाले परिवारों को आर्थिक मदद दे रही हैं, ताकि उनके परिजनों को अपने जीवन यापन और भविष्य को संवारने में मदद मिल सके। केजरीवाल सरकार की यह योजना कोरोना योद्धाओं के परिवार को आत्मविश्वास देती है कि दिल्ली सरकार हमेशा उनके साथ है।

क्रिसमस स्पेशल

ईसा मसीह का जन्मदिन सदियों से क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि लगभग सभी धर्मों के लोग दुनिया भर में इसे उल्लास से मनाते हैं। इस पर्व में निहित प्रेम और भाईचारे का संदेश ही वास्तव में सभी को एक-दूसरे से जोड़ता है, विश्व बंधुत्व की भावना के लिए प्रेरित भी करता है।

प्रेम-उल्लास का वैश्विक पर्व क्रिसमस

कवर स्टोरी / धीरज बसाक

हर वर्ष 25 दिसंबर को दुनिया के हर कोने में क्रिसमस का पर्व मनाया जाता है। क्रिसमस का यह पर्व यूं तो ईसाई धर्म के प्रवर्तक ईसा मसीह के जन्मदिन की खुशी के रूप में ईसाई धर्म के अनुयायियों के द्वारा मनाया जाता है, लेकिन बहुत से गैर ईसाई लोग भी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले इस पर्व को खुशी-उल्लास से मनाते हैं। अपने देश भारत में भी बड़े पैमाने पर सभी धर्मों के लोग क्रिसमस मनाने लगे हैं।

अरबों लोग मनाते हैं यह पर्व

अगर आंकड़ों के हिसाब से देखें तो दुनिया में करीब 2.20 अरब क्रिश्चियन हैं। वे सब तो भरपूर उल्लास के साथ क्रिसमस को सेलिब्रेट करते ही हैं, साथ ही करीब 50 करोड़ दूसरे धर्म के मानने वाले लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। इस तरह दुनिया में क्रिसमस अकेला ऐसा पर्व है, जिसे करीब पौने तीन अरब से अधिक लोग मनाते हैं। दूसरे नंबर पर ईद का पर्व है, जिसे दुनिया भर के करीब 2 अरब लोग मनाते हैं।

शुरुआत के संदर्भ में मान्यता

क्रिसमस ईसाईयों का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। माना जाता है कि 25 दिसंबर को ही बैतलहम में मैरी और जोसेफ के घर जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था। सन् 221 में एक ईसाई यात्री सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस ने पहली बार 25 दिसंबर यानी जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाया था। तभी से धीरे-धीरे ईसाई धर्म के अनुयायियों के बीच जीसस के जन्मदिन को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाना शुरू हुआ। सेक्सटस जूलियस अफ्रीकनस नामक इस ईसाई यात्री ने दूसरी सदी के अंत और तीसरी सदी की शुरुआत तक का इतिहास भी लिखा है।

होता है उमंग-उल्लास का माहौल

कई यूरोपीय देशों में 25 दिसंबर यानी क्रिसमस के दिन प्रभु यीशु से संबंधित वैसे ही झांकियां निकलती हैं, जैसे अपने देश में रामलीला के अवसर पर या गुरुपर्व पर झांकियां निकलती हैं। क्रिसमस एक ऐसा धार्मिक उत्सव है, जिसका आनंद सभी धर्मों के लोग लेते हैं, क्योंकि क्रिसमस को लेकर कट्टर धार्मिक आग्रह नहीं है। इसलिए यह त्योहार गैर ईसाई लोग भी पूरे मन से मनाते हैं। इस दिन लोग शाम के समय गिरिजाघर जाते हैं और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करते हैं। बच्चों को खासतौर पर क्रिसमस का इंतजार इसलिए भी रहता है, क्योंकि 24 दिसंबर की रात में सांता क्लॉज की वेशभूषा में उनका कोई अपना या अंजान व्यक्ति आकर उन्हें चॉकलेट और दूसरे गिफ्ट्स देता है। इस दिन लोग 'क्रिसमस कैरोल' नामक एक खास तरह का गीत गाते हैं। इस मौके पर कई लोग एरोकेरिया नामक पौधे को छोटे-छोटे रंगीन गेंदों, बल्ब और खिलौनों से सजाते हैं, जिसे क्रिसमस ट्री कहा जाता है।

प्रेम-भाईचारे का देता है संदेश

वैसे तो यह पर्व प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। लेकिन यीशु ने अपने अवतारी जीवन में प्रेम और करुणा के जिन उच्च मानवीय मूल्यों की महत्ता को स्थापित किया, वो उस काल में ही नहीं आज के दौर और हर युग में प्रासंगिक हैं। आज जब हर ओर हिंसा, दुख और तनाव का माहौल है, ऐसे में हम प्रभु यीशु के संदेशों को अपने जीवन में अगर अपना लें, तो ही वैश्विक शांति स्थापित हो सकती है और तभी क्रिसमस पर्व मनाने की सार्थकता होगी। *

जमकर की जाती है खरीदारी

जिस तरह से भारत में दीपावली का त्योहार खरीदारी का बहुत बड़ा मौका होता है, उसी तरह अमेरिका और यूरोप के देशों में सबसे ज्यादा शॉपिंग क्रिसमस के मौके पर होती है। बिग डे शॉपिंग जैसे कॉन्सेप्ट वास्तव में क्रिसमस पर होने वाली शॉपिंग की वजह से ही पॉपुलर हुए हैं। माना जाता है कि विश्व के उपभोक्ता बाजार को गति देने में और उसे महत्वपूर्ण बनाने में क्रिसमस शॉपिंग का बहुत बड़ा योगदान है। अनुमान के मुताबिक समूची दुनिया में क्रिसमस के मौके पर इतनी शॉपिंग होती है, जितनी समूचे अफ्रीकी देशों का वार्षिक बजट भी नहीं होता। इसलिए ना सिर्फ लोगों की खुशियों से बल्कि कारोबार की खुशियों से भी क्रिसमस का बहुत गहरा नाता है, इसलिए यह आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति का सबसे पसंदीदा पर्व भी है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड / शिखर चंद जैन

क्रिसमस पर लाखों लाइट्स से जगमगाता है यह अमेरिकी घर

अगर किसी गांव का कोई घर अपनी जगमगाहट के कारण गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो जाए तो अचरज होना स्वाभाविक ही है। यही नहीं इस अनूठे प्रकाशमान घर के कारण एक छोटा-सा अमेरिकी गांव क्रिसमस के अवसर पर चर्चित पर्यटन स्थल बन जाता है। इस गांव की आबादी तो लगभग 4,600 लोगों की है, लेकिन क्रिसमस के दौरान, इस अनोखे घर को देखने यहां 60,000 से अधिक पर्यटक आ जाते हैं।

जी हां, हम बात कर रहे हैं न्यूयॉर्क (अमेरिका) के ग्रामीण इलाके डचेज काउंटी के नियनवाले गांव में रहने वाले दंपति टिमोथी और ग्रेस गे के घर की। नियनवाले गांव के अंधेरे माहौल में उनका यह अनूठा घर दूर से किसी प्रकाश स्तंभ की तरह चमकता हुआ दिखता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि क्रिसमस के मौके पर टिमोथी-ग्रेस गे के इस घर में 7,20,420 बल्ब जलते हैं। ये बल्ब एक साउंड ट्रैक से जुड़े हुए होते हैं, जो करीब ढाई सौ गीतों की धुन पर बार-बार रंग बदलते हैं। इससे जगमगाहट से पूरा माहौल जादुई और बहुत आकर्षक लगता है। यहां एक तालाब भी है, दोनों किनारे पर लगे पेड़ों पर बंधी रस्सी में बड़ा सा ग्लोब, हार्ट, सितारे और इंद्रधनुष लटकाए जाते हैं। ये सभी आकृतियां भी रंग-बिरंगे बल्बों से बनी होती हैं। इनकी छाया जब तालाब के जल में पड़ती है तो देखने वाले को लगता है, मानो वह किसी मायालोक में आ गया है।

ऐसे हुई सजावट की शुरुआत: टिमोथी और ग्रेस गे (पति-पत्नी) ने सबसे पहली बार अपने इस घर को वर्ष 1995 में छोटे बल्बों से रोशन किया था। यह मौका था, उनके पहले बच्चे के जन्मोत्सव का। अपनी खुशी का इजहार करने के लिए इस दंपति ने अपने घर को 600 रंग-बिरंगे बल्बों से सजाया था। कुछ वर्षों बाद अपने शौक को बढ़ाते हुए उन्होंने अपने 1.7 एकड़ में फैले आवासीय परिसर के सामने तालाब के आस-पास मौजूद पेड़ों और झाड़ियां को भी मिनी बल्बों की झालर से सजा दिया।

बना दिया वर्ल्ड रिकॉर्ड: हर साल घर सजाने के क्रम में वर्ष 2011 में टिमोथी-ग्रेस गे को पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक दंपति भी अपने घर को लाइटों से सजाते हैं और उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। उस दंपति से टिमोथी और ग्रेस गे सिर्फ कुछ बल्ब कम लगाते थे। यह जानकारी मिलते ही टिमोथी और ग्रेस गे ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने की ठान ली। इस तरह अगले ही साल वर्ष 2012 में उन्होंने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल कर लिया। 2013 में वे पिछड़ गए थे, लेकिन उसके बाद 2014 से अब तक उनका ही नाम गिनीज बुक में दर्ज है। अपने इस अनूठे शौक के कारण इस दंपति की ख्याति राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है। टिमोथी-ग्रेस गे के साथ-साथ उनका गांव भी दुनिया भर में चर्चित हो गया है। *

अमेजिंग

वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च

क्रिसमस के पर्व पर चर्च को बहुत शानदार तरीके से सजाया जाता है। इस अवसर पर प्रभु यीशु के जन्मोत्सव की खुशी में चर्च में बड़ी संख्या में लोग जुटकर प्रेयर करते हैं, कैरोल्स गाते हैं और एक-दूसरे को क्रिसमस विश करते हैं।

वैसे तो दुनिया भर में ईसाई धर्म के लोगों के लिए बड़ी संख्या में चर्च मौजूद हैं। लेकिन उनमें से कुछ चर्च अपनी विशिष्ट संरचना के कारण दुनिया भर में चर्चित हैं। इनमें से ही एक वर्ल्ड हाइएस्ट वूडेन चर्च भी है। यह चर्च रोमानिया देश के मारामुरेस काउंटी में सापांता गांव के पास सापांता पेरी मोनेस्ट्री में स्थित है। इस चर्च का नाम दुनिया के सबसे ऊंचे वूडेन चर्च के तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

इस चर्च की ऊंचाई 78 मीटर यानी करीब 256 फीट है। चर्च की इमारत इतनी ऊंची है कि इसे पांच किलोमीटर की दूरी से देख सकते हैं। चर्च का निर्माण मारामुरेस शैली में हुआ है। चर्च के निर्माण में ऑक वुड (बतूल की लकड़ी) का इस्तेमाल हुआ है। ऑक वुड सबसे मजबूत मानी जाती है और लंबे समय तक टिकी रहती है। सापना पेरी मोनेस्ट्री में बना यह चर्च, वर्तमान में रोमानिया देश में ईसाई धर्मावलंबियों के सबसे लोकप्रिय स्थानों में शामिल है। *

प्रस्तुति : देवेंद्र पांडे

फेस्टिवल स्टोरी
योगेश कुमार गोयल

क्रिसमस वाले दिन बच्चों को सांता क्लॉज का खासतौर से इंतजार रहता है। इस दिन वे बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और तरह-तरह के खिलौने लेकर आते हैं। सांता क्लॉज की वास्तविकता से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं।

दयावान-बच्चों के प्यारे सांता क्लॉज

क्रिसमस का नाम सुनते ही बच्चों के मन में सफेद-लंबी दाढ़ी वाले लाल-सफेद रंग की ड्रेस और सिर पर फुनगी वाली टोपी पहने पीठ पर खिलौनों उपहारों का झोला लादे बूढ़े बाबा 'सांता क्लॉज' की तस्वीर उभर आती है। बच्चे प्यार से सांता क्लॉज को 'क्रिसमस फादर' भी कहते हैं। सांता क्लॉज के प्रति ना केवल ईसाई समुदाय के बच्चों का बल्कि दुनिया भर में अन्य समुदायों के बच्चों का आकर्षण भी पिछले कुछ समय में काफी बढ़ा है। इसका एक कारण यही है कि विभिन्न शहरों में 25 दिसंबर के दिन सांता क्लॉज बने व्यक्ति विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर खड़े हर समुदाय के बच्चों को बड़े प्यार से उपहार बांटते देखे जा सकते हैं।

कौन है सांता क्लॉज : सांता के बारे में ढेरों कहानियां पढ़-सुनकर अधिकांश बच्चों के दिमाग में यह सवाल जरूर उमड़ता है कि उन्हें उपहार देने और इतना प्यार करने वाला यह सांता क्लॉज आखिर है कौन, यह कहां से आता है और बच्चों को उपहार क्यों देकर जाता है? बच्चों का दिल रखने के लिए कुछ माता-पिता उन्हें कह देते हैं कि वह एक देवदूत है, जो क्रिसमस की रात अपने 8 रेंडियर वाले स्लेज पर बैठकर स्वर्ग से आता है और बच्चों को उपहार बांटकर स्वर्ग वापस चला जाता है। जबकि कुछ बच्चों के पैरेंट्स यह कहकर उनकी जिज्ञासा शांत करते हैं कि सांता क्लॉज, बहुत दूर स्थित एक बर्फीले देश से आता है। वास्तव में सांता क्लॉज, चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर (जो अब तुर्किए के नाम से जाना जाता है) में जन्मे संत निकोलस का ही रूप है।

संत निकोलस बने सांता क्लॉज : प्राचीन कथा के अनुसार, संत निकोलस के पिता एक बहुत बड़े व्यापारी थे, जिन्होंने निकोलस को अच्छे संस्कार देते हुए दूसरों के प्रति सदा दयाभाव रखने और जरूरतमंदों की सहायता करने को प्रेरित किया। निकोलस पर इन सब बातों का इतना असर हुआ कि वह हर समय जरूरतमंदों की सहायता करने को तत्पर रहते। बच्चों से तो उन्हें खास लगाव था।

प्रचलित हैं कई कहानियां : सांता क्लॉज के बारे में कई अन्य कथाएं भी प्रचलित हैं। कहा जाता है कि एक बार निकोलस को मायरा के एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली, जो बहुत धनवान था लेकिन कुछ समय पहले व्यापार में भारी घाटा हो जाने से वह कंगाल हो चुका था। उस व्यक्ति की चार बेटियां थीं लेकिन उनके विवाह के लिए उसके पास कुछ नहीं बचा था। यहां तक कि उसके परिवार के लिए तो खाने के भी लाले पड़ गए थे। जब उससे अपने परिवार की इतनी बुरी हालत नहीं देखी गई और लड़कियां विवाह योग्य हो गईं तो उसने फैसला किया कि वह इनमें से एक लड़की को बेच देगा और उससे मिले पैसे से अपने परिवार का पालन-पोषण करेगा तथा बाकी बेटियों का विवाह करेगा। अगले दिन अपनी एक बेटी को बेचने का विचार करके वह रात को सो गया लेकिन उसी रात संत निकोलस उसके घर पहुंचे और चुपके से खिड़की में से सोने के सिक्कों से भरा एक थैला घर में डालकर चले गए। सुबह जब उस व्यक्ति ने सोने के सिक्कों से भरा थैला पड़ा देखा तो वह बहुत आश्चर्यचकित हुआ। उसने ईश्वर का धन्यवाद करते हुए थैला अपने पास रख लिया और एक-एक कर धूमधाम से अपनी चारों बेटियों की शादी की। बाद में उसे पता चला कि यह थैला संत निकोलस ही उसके घर छोड़ गए थे। *

जुराब टांगने से जुड़ी कहानी

क्रिसमस के दिन कई बच्चे रात के समय अपने-अपने घरों के बाहर अपनी जुराबें टांग देते हैं। इसके पीछे मान्यता यह है कि सांता क्लॉज रात के समय आकर उनकी जुराबों में उनके मनपसंद उपहार भर जाएंगे। इस बारे में भी एक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सांता क्लॉज ने देखा कि कुछ गरीब परिवारों के बच्चे आग पर सेंक कर अपनी जुराबें सुखा रहे हैं। जब बच्चे सो गए तो सांता क्लॉज ने उनकी जुराबों में सोने की मोहरें भर दीं और चुपचाप वहां से चले गए।

लघुकथाएं

गरीब

रेलगाड़ी चल पड़ी थी। सभी यात्री कुछ ना कुछ करने लगे। कोई लेट गया, कोई मोबाइल देखने लगा तो कुछ आपसी गपशप में मशगूल हो गए। तभी दो युवक चना, गजक, रेवड़ी आदि बेचने के लिए आए। कुछ लोग उनसे मोल-भाव कर रहे थे, 'दो रुपए कम कर दो, पांच रुपए कम कर दो।' इस चक्कर में एक बूढ़ी महिला ने अपना सौ का नोट नीचे गिरा दिया। सामान बेचने वाले युवक रुपया उठाकर बूढ़ी महिला को देते हुए बोले, 'अम्मा, अपना पैसा संभाल कर रखो।' बूढ़ी महिला सहित बाकी लोग दोनों युवकों की ईमानदारी देखकर हतप्रभ थे। युवक अपना सामान बेचने के साथ रेलगाड़ी की सीट के नीचे अपनी पैनी नजर भी गड़ाए हुए थे। रेलगाड़ी जब एक स्टेशन पर रुकी तो दोनों युवकों ने सीट के नीचे पड़ा कचरा फटाफट एक थैले में भर लिया। 'ओह, कितने गरीब हैं दोनों। बेचारे कचरा जाकर बेचेंगे। इससे चार पैसों की और कमाई हो जाएगी।' एक यात्री ने दूसरे यात्री से कहा। तभी यात्रियों ने देखा, वे दोनों युवक रेलगाड़ी के डिब्बे से बाहर उतरे और सारा कचरा जाकर उन्होंने एक कूड़ेदान में डाल दिया। गाड़ी में बैठे खिड़की से देख रहे यात्रियों का चेहरा फक रह गया। वे सोच रहे थे, 'ये गरीब युवक तो बेहद समझदार निकले। नासमझ तो हम हैं, जो रेलगाड़ी के डिब्बे में गंदगी फैलाए हुए थे।' *

-हरीशचंद्र पांडे

गिफ्ट

आज क्रिसमस था। स्कूल में काफी चहल-पहल थी। तरह-तरह की प्रतियोगिताएं हो रही थीं। फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन में छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लॉज बनकर रेड कारपेट पर आते और अपनी झोली से टॉफियां निकालकर दर्शकदीर्घा में बैठे बच्चों की ओर उछाल देते। बच्चे टॉफियां कैच करके गप्प से मुंह में रख लेते। सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिले थे। लेकिन इन बच्चों के बीच बैठी नन्ही नीतू के चेहरे पर उदासी थी। स्कूल प्रिंसिपल की नजरों से वह बची नहीं।

कुछ देर बाद ही बच्चों के बीच में एक बड़ा सांता क्लॉज आया। वह सीधा नीतू के पास गया और बोला, 'हैलो नीतू, अपना गिफ्ट लो!' अपने सामने सांता क्लॉज को देखकर नीतू के चेहरे पर मुस्कान आ गई। लेकिन अगले ही पल नीतू के चेहरे की मुस्कान गायब हो गई। गिफ्ट लेने के लिए उसने बढ़ाए अपने हाथ पीछे कर लिए। यह देख सांता क्लॉज ने प्यार से नीतू के सिर पर हाथ रखकर कहा, 'नीतू बेटा, यह तुम्हारा ही गिफ्ट है।'

नीतू एकाएक रो पड़ी, बोली, 'नहीं.. नहीं.. मैं यह गिफ्ट नहीं ले सकती। घर पर मेरी मां बीमार हैं। मुझे गिफ्ट नहीं, मां के लिए दवाइयां चाहिए।' सांता क्लॉज बने प्रिंसिपल यह सुनकर मन ही मन बहुत दुखी हो गए। उन्होंने तुरंत जेब से अपना पर्स निकाला और नीतू को पांच-पांच सौ के चार नोट पकड़ा कर बोले, 'ये लो नीतू तुम्हारा नया गिफ्ट। अब जाकर मां के लिए दवाइयां खरीद लेना। हमारी प्रभु से प्रार्थना है, तुम्हारी मां जल्दी ठीक हो जाएं।' नीतू की आंखें खुशी से चमक उठीं। वह स्कूल गेट की ओर भागी ताकि सांता क्लॉज से मिले रुपयों से अपनी मां के लिए दवाएं खरीद सके। वहां बैठे लोग यह दृश्य देखते ही रह गए। *

-भूपसिंह 'भारती'

पूर्व लोकसभा स्पीकर महाजन ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर बोला हमला

सम्मान व्यक्ति का नहीं, पद का है, सांसदों ने गलत किया, संसद में सुरक्षा चूक पर अध्यक्ष ने कार्रवाई की

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मजाक उड़ाने पर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सम्मान व्यक्ति का नहीं, पद का होता है। संसद चर्चा की जगह है हंगामे की नहीं। यह बात पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने संसद भवन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री मामले में कही। उन्होंने कहा कि संसद में जो भी हुआ वह ठीक नहीं है। संसद के परिसर में उपराष्ट्रपति का मजाक उड़ाना अच्छी बात नहीं है, जिन्होंने भी यह किया गलत किया। यह सम्मान व्यक्ति का नहीं पद का होता है। नेताओं को सावधानी से काम करना चाहिए, क्योंकि उनकी बातों को कार्यकर्ता फॉलो करते हैं। संसद की सुरक्षा में सेंधमारी को लेकर महाजन ने कहा कि संसद की सुरक्षा स्पीकर के अंतर्गत आती है और उन्होंने कार्रवाई भी की है। इसके साथ ही महाजन ने कहा कि विपक्ष बेवजह की मांग करके संसद की कार्यवाही को भी ठप्प करते हैं जो कि बिल्कुल भी ठीक नहीं है। हंगामा संसद में नहीं होना चाहिए।

क्या है मामला?

कुछ दिन पहले कुछ युवक और एक युवती संसद में घुस गए। इस मुद्दे पर दोनों सदनों में हंगामा हुआ। हंगामे के चलते 78 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। निलंबित सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। परिसर में ही तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति धनखड़ की नकल की। वीडियो वायरल किया। इसी मामले में पूर्व लोकसभा स्पीकर ने बयान दिया है।

दिग्विजय ने कहा- फैसले के बाद कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष बहुत सकारात्मक है

राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन, सोनिया गांधी खुद जाएंगी या फिर भेजेंगी प्रतिनिधिमंडल

पूर्व सीएम सिंह ने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष को आमंत्रित किए जाने की रिपोर्टों की पुष्टि की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को अयोध्या राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को आमंत्रित किए जाने की रिपोर्टों की पुष्टि की। दिग्विजय ने कहा कि वे इस मामले पर बहुत सकारात्मक हैं। या तो सोनिया गांधी जाएंगी या उनकी ओर से एक प्रतिनिधिमंडल समारोह में शामिल होगा। इसमें क्या आपत्ति हो सकती है। सोनिया गांधी इस मामले पर

बहुत सकारात्मक हैं। बता दें कि 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। दिग्विजय से उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि भाजपा वाले मुझे आमंत्रित नहीं करेंगे। क्योंकि वे सच्चे भक्तों को आमंत्रित नहीं कर रहे हैं।

रजनीकांत, अमिताभ भी आएंगे

राजनीतिक और धार्मिक नेताओं के अलावा अभिनेता अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, चिरंजीवी, मोहनलाल, धनुष और ऋषभ शेट्टी, माधुरी दीक्षित, अनुपम खेर, अक्षय कुमार और जाने-माने निर्देशक राजकुमार हिरानी, संजय लीला भंसाली और रोहित शेट्टी के साथ-साथ निर्माता महावीर जैन को आमंत्रित किया गया है। ट्रस्ट ने समारोह के लिए सभी संप्रदायों के 4,000 संतों को भी आमंत्रित किया है।

8 माह के बजट में कितना हुआ खर्च, विभागों में बची राशि के आधार पर बनेगा पुनरीक्षित बजट

चार माह के सरकारी खर्च और योजनाओं की गति के लिए मोहन सरकार लेकर आएगी लेखानुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लाड़ली बहना योजना, गेहूं और धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी सहित तमाम योजनाओं के लिए बचे हुए फंड से की जाएगी राशि की व्यवस्था, प्रदेश सरकार ने पुनरीक्षित बजट तैयार करने की शुरुआत की।

मप्र सरकार योजनाओं को गति देने और विकास कार्य के प्रोजेक्ट पूरे करने के लिए लेखा अनुदान लेकर आएगी। नए साल में आने वाले 4 महीने के लिए मोहन सरकार ने पुनरीक्षित बजट तैयार करने की शुरूआत कर दी है। वित्त विभाग ने इस संबंध में सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्हें जल्द से जल्द वित्तीय बजट साल 2023 24 में की गई घोषणाओं के मुताबिक खर्च की जानकारी देनी होगी। किन योजनाओं में कितना पैसा खर्च हो चुका है।

इसके अलावा सरकार की तरफ से चलाई जा रही लाड़ली बहना योजना, गेहूं और धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी सहित तमाम योजनाओं के लिए राशि की व्यवस्था बचे हुए फंड से की जाएगी। वही संकल्प पत्र के वचन के मुताबिक योजनाओं को गति देने के लिए भी राशि की सरकार के पास जरूरत है। इस बात का आकलन करने के निर्देश जारी किए गए हैं कि आखिर सरकार विकास कार्यों के लिए कितना चार महीने के लिए बजट जारी कर सकती है। जानकारों का कहना है कि सरकार अगर 100 करोड़ रुपए किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए बजट का प्रावधान करती है। अगर वित्तीय स्थिति प्रोजेक्ट के मुताबिक बेहतर नहीं है तो योजना को गति देने के लिए 20 से 30 फीसदी फंड जारी कर विकास कार्य को जारी रखा जा सकता है। ऐसे ही कोई नई स्कीम की शुरूआत लेखानुदान में नहीं होगी, क्योंकि नई योजना के लिए सालाना वित्तीय बजट जरूरी होता है।

पुरानी योजनाओं को गति देने के लिए राशि में ही होगा संशोधन

केंद्र के फंड से राज्य सरकार तय करती है बजट

लोकसभा चुनाव के चलते केंद्र सरकार भी आम बजट पेश नहीं करेगी। हर साल फरवरी महीने में केंद्र सरकार की ओर से बजट जारी किया जाता है। इसके बाद ही राज्य सरकार तय करती है कि योजनाओं में कितना फंड दिया जा सकता है। केंद्र की ओर से मिलने वाली राशि के आधार पर ही राज्य सरकार की प्राथमिकता होती है कि योजनाओं को गति दी जाए। हालांकि लोकसभा चुनाव पूरे होने के बाद मौजूदा सरकार केंद्र में अपना बजट जून या फिर जुलाई में पेश करेगी। इसके बाद ही मध्य प्रदेश सरकार सालाना वित्तीय बजट अगस्त में जारी करेगी।

वेतन, कार्यालयीन जरूरी खर्च और योजनाएं रहेगी प्रथमिकता

वित्त विभाग के अधिकारी ने बताया कि कर्मचारियों की सैलरी, वेतन वृद्धि और ऑफिस से जुड़े हुए खर्चों को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा मध्य प्रदेश में चल रही योजनाओं को जारी रखना प्राथमिकता में शुमार किया गया है। संविदा कर्मचारियों की वेतन भत्ते सहित अन्य विकास कार्यों को शामिल किया गया है करीब तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी लेखानुदान में की जाएगी। सूत्रों कहना है कि पूर्व में कई योजनाओं का ऐलान किया था, जो भाजपा के संकल्प पत्र में शामिल नहीं थी। उन्हें फिलहाल लेखानुदान में शामिल नहीं किया जाएगा। उन पर बाद में विचार होगा।

केंद्र से मप्र सरकार के खाते में आए 5727 करोड़

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने मध्यप्रदेश को 5727 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि जारी की है। यह राशि शुक्रवार को सीएम मोहन यादव के दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात और विकास कार्यों के लिए तय प्राथमिकताओं पर चर्चा के बीच जारी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि कई राज्यों की अपेक्षा मध्यप्रदेश में जीएसटी कलेक्शन में ग्रोथ हुई है। राशि से विकास कार्यों के साथ ही सरकार को गरीब कल्याण योजनाओं को गति के लिए फंड ज्यादा मददगार साबित होगा। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि केंद्र ने सामाजिक कल्याण उपायों और बुनियादी ढांचे के विकास योजनाओं के वित्त पोषण के लिए यह राशि दी है। इससे राज्य सरकारों को मजबूती मिलेगी।

राज्य सरकार का बढ़ाया लाभांश

सरकारी योजनाओं में केंद्र सरकार ने भले ही 10 फीसदी की कटौती की है। पहले 75 फीसदी केंद्र सरकार राशि जारी करता था। अब 65 फीसदी ही केंद्र की ओर से राज्य सरकार को केंद्रीय योजनाओं के तहत दी जा रही है। वहीं राज्य लाभांश में भी केंद्र सरकार ने बढ़ोतरी की है। 32 फीसदी राज्य के लाभांश को 42 प्रतिशत कर दिया है।

कई अफसरों को फील्ड से मंत्रालय में किया जाएगा अटैच

30 जून तक एक ही जिले में पदस्थ अफसरों का करना होगा तबादला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिए जाने के बीच अफसरों की पदस्थापना को लेकर भी गाइडलाइन जारी की है।

आयोग ने कहा है कि मुख्य सचिव 30 जून 2024 को एक ही जिले में तीन साल की पदस्थापना पूरी करने वाले अफसरों को हटाते हुए रिपोर्ट देंगे। हालांकि इसकी प्रक्रिया जनवरी के पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगी। इसका कारण है कि जनवरी में कई अफसरों के प्रमोशन का समय भी है।

डॉक्टर सूरज मृदुल अभिनंदन ग्रंथ का लोकार्पण

नई दिल्ली। आज हिंदी भवन दिल्ली में वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर सूरज मृदुल अभिनंदन ग्रंथ का लोकार्पण किया गया। इस शुभ अवसर पर समारोह के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार अतुल प्रभाकर, मुख्य अतिथि डॉक्टर मुक्ता पूर्व निदेशक हरियाणा साहित्य अकादमी, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर सविता चड्ढा, ओम प्रकाश सप्रा पूर्व न्यायाधीश एवं श्रम आयुक्त, श्री राही राज उपस्थित हुए मंच संचालन कवयित्री डॉक्टर कल्पना पांडेय ने की। इस शुभ अवसर वरिष्ठ कवि निरंजन कुमार निर्भय, कमलेश दिव्यदर्शी, वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुशील श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ कवि साहित्यकार को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के उपरांत

कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया जिसमें कई कवियों ने अपनी रचनाएं सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

खबर संक्षेप

आईसीजेएस अवॉर्ड में मध्यप्रदेश अभियोजन को मिला तीसरा स्थान

भोपाल। मध्यप्रदेश अभियोजन संचालनालय ने आईसीजेएस प्रोजेक्ट को बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए संचालक एवं महानिदेशक सुषमा सिंह के नेतृत्व में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा नई दिल्ली में सरदार वल्लभ भाई पटेल सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में ये पुरस्कार अमित शुक्ला एडीपीओ को प्रदान किया गया। जनसम्पर्क अधिकारी अभियोजन मनोज त्रिपाठी ने बताया कि आईसीजेएस प्रोजेक्ट के तहत प्रतिदिन की आपराधिक कार्रवाई को सीसीटीइनएस आईसीजेएस के अंतर्गत दर्ज किया जाता है। पुलिस, अभियोजन एवं न्याय पालिका सभी अपनी प्रतिदिन की कार्रवाई को उक्तप्रोजेक्ट के तहत दर्ज करते हैं।

कोर्ट ने कांग्रेस नेता आसिफ के खिलाफ सुनाया फैसला

जमीन फर्जीवाड़ा मामले में कोर्ट ने जमीन रजिस्ट्री को किया शून्य, वारंट किया जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

शहर के मोवा क्षेत्र में स्थित करोड़ों रुपए की जमीन को हड़पने की नीयत रखने के मामले में शुक्रवार को कोर्ट ने कांग्रेस नेता आसिफ मेमन के खिलाफ अहम फैसला सुनाया है। सप्तम अपर जिला न्यायाधीश वंदना दीपक देवांगन ने उस जमीन की रजिस्ट्री को शून्य घोषित कर दिया है। इस मामले में पीड़िता नूर बेगम की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने दो साल पहले आसिफ के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। तब से वह फरार है। न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार ई-68, ऐश्वर्या किंग्डम कचना रोड निवासी नूर बेगम (56) की मोवा में 0.704 हेक्टेयर जमीन है। इस जमीन को खरीदने का सौदा राजा तालाब निवासी युवा कांग्रेस के पूर्व ग्रामीण अध्यक्ष एसडी आसिफ मेमन ने परिचित नूर बेगम से वर्ष 2018 में तीन करोड़ नौ लाख 76 हजार रुपए में तय किया। 26 जून 2018 को जमीन की रजिस्ट्री कराते समय आरोपी ने सौदे के मुताबिक तयशुदा रकम का सात चेक नूर बेगम को दिया था। बैंक में जमा करने पर सातों चेक एक-एक करके बाउंस होते गए। पीड़िता ने इसकी जानकारी देते हुए आसिफ से पूरे पैसे की मांग की तो उसने देने से साफ इन्कार कर दिया।

परेशान होकर नूर बेगम न्यायालय में परिवाद पत्र दायर किया। न्यायालय के आदेश पर ही सिविल लाइन थाना पुलिस ने आसिफ के खिलाफ धोखाधड़ी का केस तो दर्ज कर लिया लेकिन उसकी गिरफ्तारी नहीं की। पिछले दो साल से वह पुलिस की फाइल में फरारी काट रहा है। उसके खिलाफ न्यायालय ने स्थाई गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो चुका है। वहीं नूर बेगम ने कांग्रेस नेता से अपनी जान का खतरा बताते हुए पुलिस से लिखित शिकायत भी कर चुकी हैं। मामले में सप्तम अपर जिला न्यायाधीश वंदना दीपक देवांगन ने नूर बेगम के पक्ष में फैसला सुनाते हुए आसिफ के नाम पर रजिस्ट्री हुई बेशकीमती जमीन को शून्य घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री साय ने पीएम मोदी से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास के साथ मंत्रिमंडल गठन सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस दौरान राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी थे। इससे पहले सीएम साय शनिवार सुबह नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति निवास पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने उपराष्ट्रपति धनखड़ से छत्तीसगढ़ की योजनाओं के साथ कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की। बताया जा रहा है कि कैबिनेट विस्तार के बाद विभागों का बंटवारा किया जाना है। संगठन महामंत्री पहले से ही दिल्ली में हैं। बतादें कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा शुक्रवार को दिल्ली रवाना हो गए थे।

गुरुग्राम में जाएगीः पांच दिवसीय जीवन कौशल कार्यशाला के तीसरे फेज का समापन

गुरुग्राम। गुरुग्राम ज़िले के 2 ब्लॉक गुरुग्राम और फारुख नगर ब्लॉक में जीवन कौशल पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हो गया। कार्यक्रम की शुरूआत डीपीसी द्वारा रीबन काटकर की गई। इसके बाद डीपीसी मनीराम ने सरस्वती माता के सामने दीपक जलाकर पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन किया। हरियाणा सरकार शिक्षा विभाग और मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन कि और से दीपक विजयवर्गीय ने सभी अध्यापकों और डीपीसी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। यह कार्यक्रम पंचकूला, यमुनानगर और गुरुग्राम के सरकारी स्कूलों में जीवन कौशल की शिक्षा बच्चों को दी जाएगी। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के सर्वांगिण विकास के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जीवन कौशल के सिद्धांतों से रूबरू करवाया जाएगा। गुरुग्राम में दो ब्लॉक में ये टीचर्स ट्रैनिंग 5 बैंच में लगातार पांच दिन तक सुचारू रूप से चली इस ट्रैनिंग में ट्रेनर के रूप में शुभोमोय, आकाश,माला, पूजा, सायली, दीपिका, सुशील, देव रहे दोनो ब्लॉक में लगभग 150 टीचर्स इस जीवन कौशल की ट्रैनिंग में शामिल रहे। डीपीसी मनीराम ने बताया कि 2020 की नई पॉलिसी के अंतर्गत जीवन कौशल को एक मौलिक अधिकार के रूप में माना गया है! मैजिक बस संस्था से प्रोजेक्ट मैनेजर दीपक विजयवर्गीय

सर ने सभी को अपने अनुभव से बताया की जीवन कौशल सत्रों से किस तरह से बच्चे नई चीजे सीख पाएंगे जिससे बच्चे अपने जीवन को उद्देश्यपुर्ण जी सकेंगे।इन दृष्टिपुर्ण बातों से सभी को प्रोत्साहित किया कि वे इस प्रोजेक्ट के सफल क्रियान्वयन में अपना सहयोग करें। बच्चों को समय प्रबंधन, अनुशासन, संयम, सात्विक चिंतन, आपसी संबंधों और अपने कौशल में विकास करने आदि बिंदुओं के बारे में अवगत करवाया जाएगा।इस कार्यक्रम में परियोजना के अंतर्गत तीन सालों में क्या क्या कार्य होगा और कैसे होगा इस पर बारीकी से चर्चा की गई एवं सभी के सुझाव भी लिए गए । इस कार्यक्रम का मंच संचालन मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन की तरफ से दीपक विजयवर्गीय ने किया एवं उनके साथ उनकी पूरी टीम लोकित, शुभ्रा, कविता,शुभम, विकास,शिवम , गुंजन, नेहा,चितरांशू, उत्सव, सुनिता, शब्बीर ,अंकित,अरूद ,आशा, अनुज, शिवानी, सरस्वती, पियूष, सरिता भी मौजूद रहे।

जिला अभिभाषक संघ चुनाव के उम्मीदवारों की अंतिम सूची घोषित

30 पदों के लिए 95 उम्मीदवारों के बीच रोचक चुनावी मुकाबला

अध्यक्ष पद पर पांच और उपाध्यक्ष पद पर छह उम्मीदवारों के बीच होगा चुनाव

8 जनवरी को होंगे जिला अभिभाषक संघ के द्विवार्षिक चुनाव

अध्यक्ष पद पर खरे, राठौर, पाठक, टंडन और व्यास में होगा मुकाबला

विधिक संवाददाता ▶▶ भोपाल

जिला अभिभाषक संघ के 8 जनवरी को होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए उम्मीदवारों की अंतिम सूची मुख्य चुनाव अधिकारी रवीन्द्र तिवारी ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं, चुनाव अधिकारियों और स्टेट बार कौंसिल के पर्यवेक्षकों की बैठकके बाद शुक्रवार को घोषित कर दी है। एसोसिएशन के प्रवक्ता खालिद हफीज के अनुसार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, कोषाध्यक्ष और पुस्तकालय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ तथा कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों के 30 पदों के लिए 95 उम्मीदवारों के बीच रोचक मुकाबला होगा।

अध्यक्ष पद पर दीपक खरे, जितिन राठौर, प्रियनाथ पाठक, राजेश टंडन और राजेश व्यास। उपाध्यक्ष पद पर फतेह सिंह डागा, हेमांगी अरोरा, मीरा चरार, प्रवीण कुमार द्विवेदी, राजेश कुमार यादव और संजय कुमार श्रीवास्तव। सचिव पद पर अनिल कुमार जैवार, मनोज कुमार श्रीवास्तव, मयूर चालीसगांवकर, प्रकाश कुमार रावत, सपना चौधरी और यूपी शुक्ला। सहसचिव पद पर अर्जुन सिंह, असलम अली, किरण गहलोत, नयन शर्मा राहुल सिंह, राम स्वरूप अहिरवार और सोनल नायक। कोषाध्यक्ष पद पर बृज बिहारी रघुवंशी, प्रदीप कुमार दुबे, राजेन्द्र सिंह चौहान, राजवंश त्यागी और संजय जैन। पुस्तकालय अध्यक्ष पद पंकज कुलश्रेष्ठ, समय लाल पटेल, सतीश कुमार धनोरिया, सुधीर दुबे और योगेश कुमार जैन।

वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पुरुष अभिमन्यु यादव, अजय राय, अमित सिंह छारी, अमित ठाकुर, अनिल पाटिल, अनुराग दुबे, बद्री प्रसाद यादव, देवेन्द्र कुमार नेगी, हीरू प्रसाद शर्मा, हेमराज नागले, कैलाश चंद्र दिवाकर, लखन लाल खाती, मनीष कुमार नेमा, मनोहर लाल पाठक, मनोहर सिंह, मो. शाकिर खान, प्रदीप कुमार त्रिवेदी, प्रमोद कुमार वर्मा, राधेश्याम शर्मा, राहुल नामदेव, राजेश कुमार, राजकुमार अग्रवाल, राजकुमार गोस्वामी, रामेश्वर सुगंधी, सरमन सिंह राजपूत, सुरेन्द्र सिंह राजपूत, सुरेश कुमार पबरा, उमेश शिरोमणि द्विवेदी। वरिष्ठ महिला कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु अंजना बनखेड़े, बबीता श्रीवास्तव, गोपी धानक, रेखा जैन, संजू मिश्रा, शुभांगी शर्मा और विभा श्रीवास्तव। कनिष्ठ पुरूष कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु अभिषेक मेहरा, आकाश साहू, अक्षय केमकुरिया, अनन्त संजर, अनिल जाट, अंजोर चतुर्वेदी, अनुराग गोस्वामी, अरूण कुमार मिश्रा, आशीष शुक्ला, हर्षित यादव,मोहन दीक्षित, मुशीर अहमद, नरेन्द्र कुमार शिल्पी, नरेन्द्र सिंह सलूजा, प्रमोद शर्मा, राहुल यादव, शाहबाज उद्दीन, सोनू कुशवाह, उमेश कुमार तिवारी, विनोद कुमार।

कनिष्ठ महिला कार्यकारिणी सदस्य पद हेतु अभिलाषा धाकड़, कमला जैन, पूनम मगरे, प्रियंका जोशी, रचना खंगार (ठाकुर), ऋ चा पाण्डेय और संध्या चौबे सहित 96 उममीदवार जिला अभिभाषक संघ के चुनाव में अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक कार्यालय
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली–110 001
Mail ID : salenr365@gmail.com

नीलामी सूचना सं. – फरवरी–2024

संख्याः 117–एस/सेल/ऑक्शन प्रोग्राम/2023–24 दिनांक : 21.12.2023

रद्द लोहा, अलोह, अन्य विविध स्क्रैप, कन्डम लोको कोचेज तथा वैगन्स, स्क्रैप रेल एवं अन्य रेल पथ सामग्री के निस्तारण हेतु ई–नीलामी की जायेगी। लैड एसिड बैटरीज/यूज्ड ऑयल/ रियूज्ड ऑयल केवल उन्हीं सम्भारणकर्ताओं को ब्रिक्री किया जायेगा जो कि राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधीन पंजीकृत होंगे।

फरवरी 2024 की ई–नीलामी

क्र. सं.	नीलामी करने वाला डिपो	समय	प्रथम चरण	द्वितीय चरण	तृतीय चरण	चतुर्थ चरण	पंचम चरण	षष्ठ चरण	सप्त चरण	अष्ठ चरण
1	आलमबाग/लखनऊ 0522-2451257	10.00	3	5	10	12	17	22	26	29
2	शकुरबस्ती 011-27015387	10.00	3	6	10	13	17	21	27	29
3	जगाधरी 01732-252388	10.00	3	6	10	13	17	20	27	29
4	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/ लखनऊ 0522-2234756	10.00	2	6	8	13	16	20	27	29
5	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/ फिरोजपुर 01632-244154	11.00	2	7	9	14	19	23	28	29
6	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/ अम्बाला 0171-2611203	11.00	2	5	8	12	16	21	26	29
7	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/ मुरादाबाद 0591-2413141	10.00	2	7	9	14	19	23	28	29
8	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/ दिल्ली 011-23365311	11.00	2	5	8	12	16	22	26	29

नोट : नीलामी में बेचे जाने वाले सामग्री का विवरण www.ireps.gov.in पर दिये कैटलॉग पर उपलब्ध होंगे। 1. इच्छुक खरीददार उपरोक्त वर्णित सामग्री को नीलामी के पूर्व नामित स्थान पर कार्य दिवस में देख सकते हैं। 2. पूर्व नीलामी में बेचे गये सामग्री का विवरण www.nr.railnet.gov.in पर उपलब्ध है। 3. ई–नीलामी में भाग लेने के लिए क्रेता को ireps पर रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है। ई–नीलामी की विस्तृत जानकारी, रजिस्ट्रेशन एवं अन्य नियम व शर्तों के लिए कृपया रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in देखें।

(अनिल कुमार राय)
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/एस एवं पी

4012/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संसद के शीतकालीन सत्र का सत्रावसान हो गया है, लेकिन इस सत्र के दौरान घटित 'कृत्य' ने कई सवाल छोड़ गए हैं। इस सत्र के दौरान संसद पर हमले की बरसी के दिन धुआं कांड हुआ, जिससे संसद की सुरक्षा पर सवाल उठे। स्मोक बम के अलावा अगर सच में कोई विस्फोटक होता तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। खैर, आरोपी गिरफ्तार हैं व जांच जारी है। धुआं कांड को विपक्ष ने इस कदर मुद्दा बनाया और संसद में हांगामा किया कि संसद की कार्यवाही चलानी मुश्किल होती गई। विपक्षी सांसदों ने गृहमंत्री से बयान व इस्तीफे की मांग को लेकर संसद की शांति को भंग किया और आसन का अपमान किया। इसके बाद लोकसभा व राज्यसभा से दो दिन में 132 से अधिक सांसद निलंबित किए गए। इससे पहले भी 14 सांसद निलंबित किए गए थे। इस सत्र के दौरान कुल 146 विपक्षी सांसद सस्पेंड हो गए, जो किसी एक सत्र के दौरान निलंबन का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके बाद से विपक्ष सरकार पर हमलावर है। इस विषय पर पेश है आजकल...

संसद की गरिमा से खिलवाड़ अस्वीकार्य

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

विपक्ष की प्रभावी मौजूदगी के बिना संसद 'विकलांग' लगती है। चुनावी जनादेश सभी निर्वाचित सांसदों ने हासिल किए थे। वे अपने क्षेत्र की जनता के प्रतिनिधि हैं। यदि उन्हें ही लंबे समय के लिए संसद से बाहर निकाल देंगे, तो जनता से प्रतिनिधित्व का अधिकार छीनने जैसा है। एक सांसद औसतन 15 लाख लोगों का जन-प्रतिनिधि होता है। सदन में विरोध-प्रदर्शन करना या अवरोध पैदा करना भी लोकतंत्र का हिस्सा है। यह नेता विपक्ष रहे अरुण जेटली और सुषमा स्वराज अक्सर कहा करते थे। आज दोनों दिवंगत हैं, लेकिन विपक्ष उनके कथनों को आज भी उद्धृत करता है। दोनों सदनों से 146 सांसद बाहर निकाल दिए गए, तो सदन खाली, विपक्ष-मुक्त लग रहे थे। यह अधूरा संसदीय लोकतंत्र है।

नया संसद भवन और नया, अभूतपूर्व आदेश...एक ही दिन में, एक साथ, लोकसभा और राज्यसभा के 78 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। उससे पहले 14 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया जा चुका था। इस तरह संसद के शीतकालीन सत्र में ही कुल 92 विपक्षी सांसदों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। यदि सिलसिला यहीं थम जाता, तो गनीमत होती, लेकिन अगले ही दिन 49 सांसदों की बारी आई, जिन्हें निलंबित किया गया। इस तरह कुल मिला कर लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 46, यानी 146, सांसदों को सत्र भर के लिए निलंबित किया गया। बेशक लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति को कुछ विशेषाधिकार हासिल हैं। मैं 1997 से लोकसभा कवर करता रहा हूं। सदन में हंगामा, नारेबाजी, पोस्टरबाजी और अध्यक्ष के आसन तक जाने का विरोध-प्रदर्शन कब नहीं किए गए? जब भाजपा विपक्ष में थी, तो कई घोटालों पर, कई दिन तक, संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी थी। हंगामे इतने उग्र और बुलंद होते थे कि मीडिया में ऐसे संपादकीय छपा करते थे-संसद को अखाड़ा मत बनाएं। यह संसद है या कोई मंडी...! संसद का औचित्य ही क्या है, लेकिन ऐसे अतिवादी आदेश कभी नहीं दिए गए कि विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए ही निलंबित कर दिया गया हो। जैसा इस बार हुआ है।

1989 में केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर ठक्कर आयोग की रपट पर विपक्ष ने हंगामा मचाया था, तो पीठासीन अध्यक्ष ने 63 लोकसभा सांसदों को निलंबित किया था, लेकिन कुछ ही दिनों में सभी सांसद सदन में दिखाई दे रहे थे। सांसदों का निलंबन अनुचित जरूर है, लेकिन निलंबित सांसदों को भी अपने गिरेबान में झांकना होगा कि वे अपने आचरण के पैमाने पर कहां टिकते हैं? लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा सभापति को निष्पक्षता से दायित्व निभाना चाहिए।

सबसे ज्यादा सांसद निलंबित

1989 में केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर ठक्कर आयोग की रपट पर विपक्ष ने हंगामा मचाया था, तो पीठासीन अध्यक्ष ने 63 लोकसभा सांसदों को निलंबित किया था। वह भी पराकाष्ठा थी, लेकिन कुछ ही दिनों में सभी सांसद सदन में दिखाई दे रहे थे। उसके बाद 2004-मई, 2014 के दौरान कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के 10 सालों में भी 50 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया, लेकिन 2014-23 के कालखंड में मोदी सरकार के दौरान करीब 250 विपक्षी सांसदों का निलंबन किया जा चुका है। शीतकालीन सत्र ही मौजूदा लोकसभा का अंतिम सत्र था। उसके बाद बजट सत्र जरूर होगा, लेकिन लेखानुदान पारित करने के लिए ही होगा, ताकि सरकारी खर्च के लिए वित्तीय संसाधन मिलते रहें। संपूर्ण बजट जुलाई, 2024 में नई सरकार पेश करेगी। बेशक विपक्ष ने अमर्यादित आचरण किए थे। हंगामा ही नहीं, आक्रोश और गुस्से में, राज्यसभा में, नियमों की किताब तक फाड़ दी गई। आसन के माइक उखाड़ने तक की हरकतें की गईं। मेजों पर चढ़कर सांसदों ने नृत्य किए, हुड़दंग मचाए। इस तरह नियम 374ए का लगातार उल्लंघन होता रहा। यहां तक कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति जगदीप धनखड़ का निर्देश मानने से इनकार कर दिया। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता, एक किस्म के नेता प्रतिपक्ष, अधीर रंजन चौधरी तक को निलंबित कर दिया गया। क्या निलंबन भी एक राजनीतिक मुद्दा बनाया गया? अथवा कई विपक्षी उन्हें निलंबित कर बाहर भेजने के आग्रह भी कर रहे थे? ऐसा संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का आरोप है कि खुद विपक्षी निलंबित होकर बाहर जाने के इच्छुक थे।

दमदार विपक्ष जरूरी

दरअसल मैं कोई न्यायाधीश नहीं हूं, लेकिन संसद और लोकतंत्र का सजग प्रहरी जरूर हूं। विपक्ष की प्रभावी मौजूदगी के बिना संसद 'विकलांग' लगती है। चुनावी जनादेश सभी निर्वाचित सांसदों ने हासिल किए थे। वे अपने क्षेत्र की जनता के प्रतिनिधि हैं। यदि उन्हें ही लंबे समय के लिए संसद से बाहर निकाल देंगे, तो जनता से प्रतिनिधित्व का अधिकार छीनने जैसा है। एक सांसद औसतन 15 लाख लोगों का जन-प्रतिनिधि होता है। सदन में विरोध-प्रदर्शन करना या अवरोध पैदा करना भी लोकतंत्र का हिस्सा है। यह नेता विपक्ष रहे अरुण जेटली और सुषमा स्वराज अक्सर कहा करते थे। आज दोनों दिवंगत हैं, लेकिन विपक्ष उनके कथनों को आज भी उद्धृत करता है। दोनों सदनों से 146 सांसद बाहर निकाल दिए गए, तो सदन खाली-खाली, विपक्ष-मुक्त लग रहे थे। यह अधूरा संसदीय लोकतंत्र है। हंगामी सांसदों को कुछ देर के लिए, बेशक एक दिन के लिए, निलंबित कर सदन से बाहर किया जा सकता था। सत्र समापन की ओर था, जब यह कार्रवाई की गई। ध्वनि-मत से तीन आपराधिक कानून पारित किए गए,जबकि ये संशोधन ऐतिहासिक हैं। आईपीसी, सीआरपीसी सरीखे ब्रिटिशकाल के कानूनों को खत्म किया गया है और नई 'न्याय प्रणाली'बनाई गई है, लेकिन विपक्ष इन संशोधन-कानूनों की बहस में हिस्सा नहीं ले सका, यह संसदीय विडंबना से कम नहीं है। हमारे संविधान और लोकतंत्र में 'विपक्ष-मुक्त' संसद की कोई भी कल्पना नहीं है।

बेमानी तर्क

चूंकि लोकसभा में दो युवकों ने 'दर्शक-दीर्घा' से छलांग लगाकर संसद की कार्यवाही में घुसपैठ की थी, लिहाजा विपक्ष की यह मांग जायज थी कि गृह मंत्री अमित शाह सदन में वक्तव्य दें। यह तर्क बेमानी है कि संसद परिसर लोकसभा के स्पीकर के अधीन काम करता है, लिहाजा स्पीकर ही बयान देंगे। वह जो कुछ कह सकते थे, उन्होंने कहा और लोकसभा में विभिन्न दलों के नेताओं से विमर्श भी किया, लेकिन देश की आंतरिक सुरक्षा के प्रभारी गृह मंत्री ही होते हैं। उन पर समूचे देश का दायित्व है, जिसमें संसद परिसर भी शामिल है। यदि गृह मंत्री लोकसभा में बयान देते, तो उनसे सुरक्षा-व्यवस्था पर कुछ सवाल भी किए जा सकते थे। मसलन-नये संसद भवन में प्रवेश को तीन माह बीत चुके है, लेकिन संसदीय सुरक्षा के प्रभारी, आईपीएस अधिकारी, संयुक्त सचिव की नियुक्ति क्यों नहीं की गई? संसद परिसर की 4-परतीय जांच धातु पर ही आधारित है। उसके रडार पर जूते,प्लास्टिक, रबड़ की वस्तुएं नहीं आतीं। हवाई अड्डे की सुरक्षा-जांच में सब कुछ सामने आ जाता है, तो संसद परिसर में क्या दिक्कत है? अब बताया जा रहा है कि फुल बॉडी स्कैनर स्थापित किए जाएंगे, जिसमें व्यक्ति की आदमकद छाया आईने की तरह साफ़ दिखाई देगी। कुछ पुराने सुरक्षा-उपकरणों को भी बदला जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज सांसद का सिफारिशी पत्र होता है, जिसके आधार पर किसी को भी संसद की 'दर्शक-दीर्घा' में प्रवेश की अनुमति मिलती है। सांसदों के लिए भी आचार-संहिता तय की जानी चाहिए। विपक्ष ने संसद की सुरक्षा में ऐसी आक्रामक घुसपैठ पर ही अपनी चिन्ता और अपने सरोकार जताए थे। हालांकि विपक्ष गृह मंत्री का इस्तीफा भी मांग रहा था। संसद सत्र का समापन हो गया, लेकिन गृह मंत्री ने इस संबंध में कोई बयान तक नहीं दिया। जांच-रपट की प्रतीक्षा की जा रही है। न जाने रपट कब तक आएगी? तीन महीने बाद तो आम चुनाव हैं।

विपक्ष की कोशिश

सांसदों के निलंबन पर विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन ने जंतर-मंतर पर और देश के प्रमुख शहरों में विरोध-प्रदर्शन किए हैं। वे इसे राजनीतिक मुद्दा बनाना चाहते हैं, लिहाजा निलंबन को 'लोकतंत्र की हत्या' तक करार दे रहे हैं। विपक्ष ने एक भद्दी राजनीति भी की है, जब संसद के परिसर में ही, संसद के प्रवेश द्वार पर बैठ कर निलंबित सांसदों ने उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की 'मिमिक्री' की, मज़ाक उड़ाया। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उप राष्ट्रपति की भाव-भंगिमाओं की नकल की और अन्य सांसद ठहाके लगाते रहे। संसद परिसर में सांसदों का यह व्यवहार अक्षम्य है। उप राष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। प्रथम दोनों संवैधानिक पदों पर आसीन चेहरे का कॉर्टून बनाना भी गलत है। यह संविधान और लोकतंत्र दोनों का अपमान है।

संस्कारों पर सवाल

संसद परिसर किसी विदूषक, कॉमेडियन, जोकर या नकलची का मंच नहीं है। निलंबित सांसदों को विरोध-प्रदर्शन करना था, तो वे 'विजय चौक' अथवा 'राष्ट्रपति भवन' तक पहले भी मार्च निकाल सकते थे। क्या संसद में सांसदों के इतने उथले और आपत्तिजनक संस्कार होने चाहिए? उप राष्ट्रपति का ऐसा अपमान संसद परिसर में मैंने कमोबेश नहीं देखा, लेकिन इसे जाट और किसान से जोड़ना इस पद की गरिमा को कम करना होगा। निलंबित सांसद सभापति और स्पीकर के फैसलों से असहमत और असंतुष्ट हो सकते हैं, लेकिन संवैधानिक गरिमा से खिलवाड़ करना अस्वीकार्य है। संसद की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाना सत्ता पक्ष का दायित्व है, लेकिन उसमें विपक्षी सांसदों का भी सहयोग अपेक्षित है। विपक्षी सांसद विरोध के लिए विरोध भाव से वशीभूत होकर संसद में अव्यवस्था नहीं फैला सकते। आसन के पास जाकर हुड़दंग मचाना, माइक तोड़ना, तख्ती लहराना, वेल में हंगामा करना, भाषण के दौरान हूटिंग व नारेबाजी करना आदि अशोभनीय आचरण सांसद के नहीं होने चाहिए। क्या हमारे सांसद अपने ही कार्यस्थल की गरिमा का ध्यान नहीं रख सकते। क्या शांति से अपने स्थान से अपनी बात नहीं रखी जा सकती है? विपक्षी सांसद अपने आचरण से आवाम को क्या संदेश दे रहे हैं? सांसद सदन को अखाड़ा न बनाएं, इसे संसद ही रहने दें। सांसदों का निलंबन अनुचित जरूर है, लेकिन निलंबित सांसदों को भी अपने गिरेबान में झांकना होगा कि वे अपने आचरण के पैमाने पर कहां टिकते हैं? लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा सभापति को राजनीतिक निष्ठा से ऊपर उठकर निष्पक्षता से सदन को चलाने का दायित्व निभाना चाहिए। पक्ष, विपक्ष व निष्पक्ष सभी अपने दायित्वों को समझें और संसद की प्रतिष्ठा कायम रखने में सहयोग करें।

क्या आप इस संसद को पहचानते हैं

जिरहनामा
कुमार प्रशांत
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेसमुक्त भारत बनाने की बदहवास होड़ को यही रास्ता पकड़नी था। देश भी तेजी से कांग्रेसमुक्त हो रहा है; संसद भी विपक्ष मुक्त हो गई है। संविधान में ऐसी मुक्ति की कोई कल्पना नहीं है। वहां तो संसदीय लोकतंत्र का आधार ही पक्ष-विपक्ष दोनों है। विपक्ष अपने कारणों से चुनाव न जीत सके तो वह जाने, लेकिन जो और जितने जीत कर संसद में पहुंचे हैं, उन्हें पूरे अधिकार व सम्मान के साथ संसद में रखना सत्तापक्ष का लोकतांत्रिक दायित्व है। लोकसभा का अध्यक्ष इसी काम के लिए रखा जाता है कि वह संसदीय प्रणाली व सांसदों की गरिमा का रक्षक बनकर रहेगा, लेकिन हम यह नया भारत देख रहे हैं। इसमें भारत कहां है यह भी खोजना पड़ता है, इस नए भारत की संसद में विपक्ष कहां है, यह भी खोजना पड़ता है। एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में हम अपने अस्तित्व की ऐसी शानदार जगह पर आ पहुंचे हैं जहां से वह हर कुछ खोजना पड़ रहा है, जिसकी दावेदारी तो बहुत हो रही है लेकिन दिखाई कुछ भी नहीं देता है।

पहली बार नहीं

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि विपक्ष ने संसद चलने में इतनी बाधा पैदा की कि उन्हें दंडित करना पड़ा। 60 के दशक से पहले अध्यक्ष की अपील व झिड़की काफी होती थी कि संसद के कामकाज में बाधा डालने वाला रास्ते पर आ जाता था। 60 के दशक में विपक्ष ने भी अपने अधिकारों की मांग शुरू की। उसका स्वर तीखा होता गया। 70 के दशक में कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के मनमाने रवैये के सामने गूंगे रह कर विपक्ष को संसद से बाहर कर दिया था, लेकिन वह आपातकाल का संदर्भ था। जब भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में थी, तब उसने संसद को अटकाने को हथियार की तरह बरतना शुरू किया। संसद की ऐसी-तैसी करते हुए भाजपा के अरुण जेटली व सुषमा स्वराज्य ने ऐसे बर्ताव को विपक्ष का जायज हथियार बताया था। उस वक्त के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने संसद को बंधक रखने जैसी प्रवृत्ति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया था, लेकिन जब आप फिसलन पर पांव धरते हैं तब गिरावट आपके काबू में नहीं रहती है।

सामान्य शील भी खत्म

2014 के बाद से संसद का सामान्य शील भी खत्म हो गया और इस बार इसे विपक्ष ने नहीं, सत्तापक्ष ने खत्म किया। अगर यह सत्ता पक्ष को पता हो कि जो सत्ता हाथ आई है, उसके पीछे आत्मबल नहीं, तिकड़में हैं। तिकड़म का चरित्र ही यह है कि वह कब छल कर जाए, आपको पता भी नहीं चले, इसलिए रणनीति यह बनती है कि हर विपक्ष व हर असहमति को इतना गिरा दो, पतित कर दो कि उसके उठने की संभावना ही न बचे। विपक्ष, संवैधानिक संस्थाओं, स्वतंत्र जनमत, मीडिया, राज्य सरकारों आदि का ऐसा श्रीहीन अस्तित्व पहले कभी नहीं था। विपक्ष, जिसने 60-65 सालों तक देश चलाया है, अगर देशद्रोही, भारत का दुश्मन, विभाजनकारी ताकतों का सफरमैना तथा भ्रष्टाचारियों का सरदार होता, तो क्या आपको वैसा देश मिलता जैसा मिला? आप

चुनाव जीत सके, प्रधानमंत्री बन सके, यही इस बात का प्रमाण है कि विपक्ष पर लगाए आपके आरोप बेबुनियाद हैं। विपक्ष दूध का धुला है, ऐसा कोई नहीं कहेगा लेकिन आपका दूध शुद्ध है, ऐसा भी तो कोई नहीं कहता है।

सत्तापक्ष की जिम्मेदारी

आप यह जरूर कह सकते हैं कि आजादी के बाद से अब तक विपक्ष ने जैसी सरकार चलाई, जैसा समाज बनाया उससे भिन्न व बेहतर सरकार व समाज हम बनाएंगे। लोकतंत्र में सार्वजनिक विमर्श का सुर व स्तर सत्तापक्ष निर्धारित करता है, विपक्ष उसका अनुसरण करता है। संसद जिस स्तर तक गिरती है, देश का सार्वजनिक विमर्श भी उतना ही गिरता है। संसद के दोनों सदनों में अध्यक्ष का पहला व अंतिम दायित्व एक ही है : सदस्यों का विश्वास हासिल करना तथा सदस्यों का संवैधानिक संरक्षण करना। प्रत्यक्ष या परोक्ष पक्षपात आपकी नैतिक पकड़ कमजोर करता जाता है। यह सच छिप नहीं सकता है कि विपक्ष संख्याबल में कमजोर है जिसे आप बराबरी का अधिकार व अवसर न देकर लगातार कमजोर करते जा रहे हैं। आपके ऐसे रवैये से विपक्ष का जो हो सो हो, सदन लगातार खोखला होता जा रहा है। वहां व्यक्तिपूजा, नारेबाजी, जुमलेबाजी तथा तथ्यहीनता का गुबार गहराता जा रहा है। ऐसी संसद न तो सदन के भीतर और न बाहर लोकतंत्र को मजबूत व समृद्ध कर सकती है। संविधान इस बारे में गूंगा नहीं है भले हम उसकी तरफ से मुंह फेर कर, निरक्षर व सूरदास बन गए हैं। संविधान के सामने सर झुकाना व संविधान का गला काटना इतिहास में कई बार हुआ है।

18 दिसंबर ऐतिहासिक दिन

18 दिसंबर 2023 एक ऐतिहासिक दिन बन गया है। इस दिन से एक सिलसिला शुरू हुआ है जो अब तक 146 सांसदों को दोनों सदन से बाहर निकाल चुका है। ये सारे निलंबन अनुशासन के नाम पर किए गए हैं। अचानक इतने सारे अनुशासनहीन सांसद कहां से आ गए? पहले से सब ऐसे ही थे तो अब तक सदन चल कैसे रहा था? पहले से नहीं थे तो इन्हें अनुशासनहीन बनाने की स्थिति किसने पैदा की? हर निलंबित सदस्य दोनों अध्यक्षों की क्षमता पर भी और उनकी मंशा पर भी सवाल खड़े करता है। संसदीय लोकतंत्र के प्रति आपकी प्रतिबद्धता कैसी है, यह कैसे आंकेंगे हम? आपके व्यवहार से ही न! विपक्ष के इतने सदस्यों को निलंबित कर देने के बाद संसद में संवेदनशील बिल पेश और पारित भी किए जाते रहे, तो यह मंजर ही घोषणा करता है कि संसदीय लोकतंत्र का शील आपको छू तक नहीं गया है।

नए सिरे से विमर्श

विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के अलावा कोई रास्ता ही नहीं था, सत्तापक्ष का ऐसा तर्क मान भी लें हम तो संसदीय लोकतंत्र की भावना के अनुरूप यह तो किया ही जा सकता था कि इतने निलंबन के बाद संसद की बैठक स्थगित कर दी जाती और विपक्ष के साथ नए सिरे से विमर्श किया जाता कि अब संसद का काम कैसे चलेगा? संसदीय लोकतंत्र का एकमात्र संप्रभु मतदाता है, जिसने वह संविधान रचा है जिससे आप अस्तित्व में आए हैं। उसने जैसे आपको चुनकर संसद में भेजा है वैसे ही उसने विपक्ष को भी चुन कर संसद में भेजा है। दोनों की हैसियत व अधिकार बराबर हैं और दोनों के संरक्षण की संवैधानिक जिम्मेदारी अध्यक्षों की है, इसलिए अध्यक्षों को यह भूमिका लेनी चाहिए थी कि भले किसी भी कारणवश इनका निलंबन हुआ हो, इनको चुनने वाले मतदाता का अपमान हम नहीं कर सकते, सो संसद स्थगित की जाती है। ऐसा होता तो दोनों अध्यक्ष इस परिस्थिति को एक सुंदर मोड़ दे सकते थे। क्या अब संसद में कौन रहेगा, इसका फैसला मतदाता नहीं, संसद का बहुमत करेगा? यह संविधान की लक्ष्मण-रेखा का उल्लंघन है। यह तो नई ही स्थापना हो गई कि विपक्षविहीन संसद वैध भी है और हर तरह का निर्णय करने की अधिकारी भी है। फिर संसद की कैसी तस्वीर बनती है और संविधान का क्या मतलब रह जाता है? इसका जवाब इस संसद के पास तो नहीं है।

सांसद अपने आचरण को आदर्श बनाएं

दो टूक
राज कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में, और बाहर भी, जैसी राजनीतिक गर्मी दिखाई दी, उससे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख बढ़ी तो हरगिज नहीं। भारत की आजादी के अमृतकाल में हमने देखा कि संसद के दोनों सदनों के दो-चार नहीं, 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस मुक्त भारत का नारा राजनीतिक माना जा सकता है, पर विपक्ष मुक्त संसद की बात कोई सोच भी नहीं सकता है। विपक्ष के बिना संसदीय लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। तब हमने अपने संसदीय लोकतंत्र की कैसी तस्वीर दुनिया के सामने पेश की? बेशक इससे पहले भी सांसद सदन से निलंबित किये जाते रहे हैं, पर इतनी बड़ी संख्या में पूरे सत्र के लिए निलंबन पहली बार हुआ। हर विवाद की तरह इसमें भी दो पक्ष हैं। सत्ता पक्ष का तर्क है कि विपक्ष तयशुदा रणनीति के तहत सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहा था, इसलिए लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति अथवा उनके प्रतिनिधि के रूप में आसन पर विराजमान पीठासीन अधिकारियों के पास कोई और विकल्प ही नहीं रह गया था। दूसरी ओर विपक्ष का आरोप है कि निलंबन पूरी तरह अवांछित था, जिसके मूल में सरकार की मंशा विपक्ष की अनुपस्थिति में मनमाने ढंग से विधायी कार्य निपटा लेना था। सच शायद इन दोनों तर्कों के बीच कहीं है, क्योंकि संख्या गणित सरकार के पक्ष में हो तो विपक्ष चर्चा के दौरान शाब्दिक तीर चलाने के अलावा कुछ और कर ही नहीं सकता।

तकरार विधायी कार्य पर नहीं

यह भी जगजाहिर है कि तकरार किसी विधायी कार्य को लेकर नहीं हुई। जिस मुद्दे पर तकरार इस हद तक पहुंच गई, वह संसद और सरकार ही नहीं, पूरे देश को शर्मसार करने वाला रहा है। 13 दिसंबर, 2001 को भारत की संसद पर किए गए हमले से तो सबक सीखना दूर, विदेश में बैठे एक अलगाववादी द्वारा इस साल उसी दिन हमले की धमकी के बावजूद हम संसद की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाए। ऐसे में सवाल तो उठेंगे ही। संसद की सुरक्षा में चूक पर ही विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री से बयान चाहता था, पर सत्ता पक्ष ने उसे अनावश्यक रूप से नाक का सवाल बना लिया। तर्क दिया कि संसद की सुरक्षा लोकसभा सचिवालय के अधिकार क्षेत्र में है, और लोकसभा अध्यक्ष बयान दे चुके हैं, जांच के लिए समिति गठित की जा चुकी है। तकनीकी रूप से तर्क सही हो सकता है, पर क्या संसद देश के अंदर ही नहीं है, और क्या देश की सुरक्षा के लिए गृह मंत्री जिम्मेदार और जवाबदेह नहीं हैं? यह भी कि अजीब-सी गैस के साथ दर्शक दीर्घा से लोकसभा में कूदने वाले दोनों युवा आये तो संसद भवन के बाहर से ही थे। जाहिर है, इस कार्रवाई को अंजाम देने की साजिश भी संसद भवन के बाहर ही बनी होगी। तब उस सबसे गाफिल रहने के लिए कौन जिम्मेदार और जवाबदेह है?

सवाल भटकाना सुशासन नहीं

दरअसल हर मुश्किल सवाल को तकनीकी गलियों में भटका देना राजनीतिक चातुर्य तो हो

सकता है, पर सुशासन नहीं, इसलिए सदन के बाहर बोलने के बजाय गृह मंत्री को सदन में वही बात कह देनी चाहिए थी, जो सत्ता पक्ष उनके बयान न देने के पक्ष में तर्क के रूप में कहता रहा। गृह मंत्री बयान दे देते तो जाहिर है कि विपक्ष को हंगामा करने का मौका ही नहीं मिलता। हां, इतना अवश्य होता कि उस बयान के बाद बोलने का मौका मिलने पर विपक्षी सदस्य संसद की सुरक्षा में चूक के लिए सरकार को कटघरे में खड़ा करते, पर अब तो सरकार संसद की सुरक्षा में चूक और विपक्षी सांसदों के रिकॉर्ड संख्या में निलंबन दोनों मुद्दों पर कटघरे में खड़ी नजर आ रही है। सवाल पूछने वाले विपक्षी सांसदों को आनन-फानन में निलंबित किया जाता रहा, पर उस भाजपा सांसद से कोई पूछताछ भी नहीं हुई, जिसके नाम पर जारी पास पर वे युवा आए थे। ऐसा क्यों? संसदीय लोकतंत्र की प्रचलित मान्यता है कि सदन चलाना सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है। बेशक, सदन तभी सुचारू रूप से चल पाएगा, जब दोनों पक्ष गंभीरता से अपनी-अपनी भूमिका का निर्वाह करेंगे, लेकिन उसके लिए गंभीर और ईमानदार पहल करने की जिम्मेदारी निश्चय ही सत्ता पक्ष की है। संसदीय लोकतंत्र का तकाजा भी यही है।

राजनीति की गरिमा गिरी

उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की सदन के बाहर निलंबित तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा नकल उतारने के प्रकरण से भी भारतीय राजनीति की गरिमा गिरी ही है। कल्याण बनर्जी के उस अवांछित कृत्य को हास-परिहास के नजरिये से लेकर नजरअंदाज भी किया जा सकता था, लेकिन उसे न सिर्फ उपराष्ट्रपति, बल्कि जाट व किसान समुदाय का अपमान बताकर बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है। इस नजरिये से तो भाजपा सांसद रमेश विधूड़ी द्वारा सदन के अंदर ही बसपा सांसद दानिश अली के लिए सांप्रदायिक आधार पर आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल से पूरे मुस्लिम समुदाय का अपमान हुआ। उसके लिए क्या दंड और प्रायश्चित तय किया गया है? एक तरफ तो जातिवाद मिटाने की बातें की जाती हैं, दूसरी ओर एक उच्च संवैधानिक पद आसीन व्यक्ति की जातीय पहचान के जरिये, संभवतः अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर, चुनावी मुद्दे को धार दी जा रही है। बिहार में जातीय सर्वे के आंकड़ों के जरिये विपक्ष ने हाल में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जातीय जनगणना को मुद्दा बनाना चाहा, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी नजर में गरीब, महिला, किसान और युवा को ही जाति मानते हुए विपक्ष की तीखी आलोचना की थी। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिला शानदार बहुमत बताता है कि मतदाताओं ने मोदी की सोच को मान्यता भी दी है। फिर उन्हीं की सरकार और पार्टी की ओर से, विपक्ष के एक निलंबित सांसद द्वारा उप राष्ट्रपति की सदन के बाहर उतारी गई नकल को उनकी जाति का अपमान बताना कई प्रतिकूल, मगर स्वाभाविक सवालों को ही जन्म देता है। क्या कभी सत्ता पक्ष के नेताओं-प्रवक्ताओं ने विपक्ष के नेताओं की संसद के अंदर या बाहर नकल नहीं उतारी? क्या नकल उतारने या अशोभनीय टिप्पणियां करने से विपक्ष के नेताओं का अपमान नहीं होता? क्या सिर्फ पद की गरिमा होती है, व्यक्ति की कोई गरिमा नहीं? बेशक चुनावी जंग संसदीय लोकतंत्र का अंग है, पर सदैव जंगी मानसिकता से संसदीय लोकतंत्र नहीं चलाया जा सकता। समय-समय पर दलों-नेताओं की भूमिकाएं बदलती भी रहती हैं, इसलिए याद रखना चाहिए कि असहमति की गुंजाइश और राजनीतिक विरोधी का भी सम्मान, संसदीय लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त हैं। राजनीति संसद के अंदर नहीं होनी चाहिए। विपक्ष को संसद में हर कार्य अपनी राजनीति चमकाने की सोच के साथ नहीं करना चाहिए। सत्ता पक्ष का दायित्व जरूर ज्यादा है, पर विपक्षी सांसद अपने संसदीय कृत्य से भाग नहीं सकते। हमें संसदीय भाषा, सांसदों के आचरण, संसद में विमर्श का स्तर, पक्ष व विपक्ष के बीच संवाद आदि को श्रेष्ठ बनाने की जरूरत है। संविधान व लोकतंत्र का संरक्षण आवश्यक है।

‘समर्पित वाहनों’ को दिखाई हरी झंडी, पुलिस भर्ती का नियुक्ति पत्र भी दिया

गृहमंत्री शाह ने 400 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ में 368 करोड़ रुपए की नौ विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने 32 करोड़ की तीन अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखी। गृहमंत्री ने बताया कि 400 करोड़ लागत वाली इस परियोजना में स्वच्छता, शिक्षा, सुरक्षा, आवासीय सुविधाओं और उच्च शिक्षा जैसे अहम मुद्दों को शामिल किया गया है। शाह ने 744 युवाओं को सहायक उप निरीक्षक और कांस्टेबल के रूप में नियुक्ति पत्र जारी किया। उन्होंने चंडीगढ़ की सुरक्षा बढ़ाने के लिए समर्पित वाहनों को हरी झंडी भी दिखाई।

पुलिस की बीट प्रणाली को सराहा

शाह ने कई राज्यों में पुलिस बलों को प्रभावित करते हुए जमीनी स्तर पर बीट प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए चंडीगढ़ पुलिस की सराहना की इसके तहत पुलिस अफसर अपने इलाकों में सुरक्षा की निगरानी के लिए पेट्रोलिंग करते हैं। तकनीकी प्रगति पर जोर देते हुए गृहमंत्री ने पुलिस के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों खासकर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, उन्होंने युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए एक हैकथॉन की शुरुआत का जिक्र किया।

देश में आपराधिक न्याय प्रणाली जल्द

उन्होंने बताया कि ई-फोरेंसिक जो 17 लाख फोरेंसिक विवरणों तक पहुंच प्रदान करता है, 90 लाख से अधिक फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड, आतंकवाद की एकीकृत निगरानी, अपराधियों का नार्को डेटा और मानव तस्करी अपराधियों का राष्ट्रीय डेटाबेस ऑनलाइन उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि क्राइम मल्टी एजेंसी सेंटर, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और बायोमेट्रिक कैदी डेटा के एकीकरण के साथ भारत विश्व स्तर पर सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणालियों में से एक बन जाएगा।

पहले पीएम मोदी फिर शाह से मिले सीएम विष्णुदेव

उपराष्ट्रपति धनखड़ से भी की मुलाकात

नई दिल्ली। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ कैबिनेट का विस्तार हो गया। 9 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है। कैबिनेट विस्तार के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा दिल्ली दौरे पर पहुंचे। शनिवार को सीएम ने पीएम मोदी, अमित शाह समेत पार्टी के कई सीनियर नेताओं से मुलाकात की। माना जा रहा है कि इस बैठक के बाद मंत्रियों के विभागों का बंटवारा हो जाएगा। हाईकमान से चर्चा

के बाद ही मंत्रियों को उनके विभाग दिए जाएंगे। सीएम ने उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ से भी मुलाकात थी। सीएम बनने के बाद विष्णुदेव साय का यह दूसरा दिल्ली दौरा है।

खबर संक्षेप

राज्यसभा की 4 सीटों के लिए 19 को होगा चुनाव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने राज्यसभा की 4 सीटों के लिए चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया। दिल्ली की तीन और सिक्किम की एक राज्यसभा सीट के लिए 19 जनवरी को चुनाव होगा।

नामांकन प्रक्रिया 2 जनवरी को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू होगी। उम्मीदवार 9 जनवरी तक पर्चा दाखिल कर सकते हैं। मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। गिनती शाम 5 बजे होगी।

रैट होल माइनर्स ने लौटाया 50 हजार का चेक

देहरादून। पिछले महीने उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों की जान बचाने वाले रैट होल माइनर्स ने सीएम पुष्कर सिंह धामी द्वारा इनाम में दिए गए 50 हजार के चेक को लौटा दिया है। उनकी टीम के सदस्य ने सीएम की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री धामी के इस कदम की प्रशंसा करते हैं, लेकिन जो राशि हमें दी गई है उससे संतुष्ट नहीं हैं। इसलिए हम लौटा रहे हैं।

फेमस यूट्यूबर कामिया के मंदिर प्रवेश पर बवाल

नई दिल्ली। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर पर एक वीडियो बनाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और फेमस यूट्यूबर कामिया जानी के मंदिर में प्रवेश करने को लेकर बवाल हो गया है। जगन्नाथ मंदिर से जुड़े वीडियो पर ऐसा विवाद खड़ा हो गया है कि जानी की गिरफ्तारी की मांग होने लगी है। बीजद- भाजपा में तकरार हो गई है। अब दोनों आमने-सामने हैं।

ईडी ने धनशोधन में तीन लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को जानकारी दी है। तीनों को धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है। तीनों गिरफ्तार किए गए लोगों की अब तक पहचान नहीं की गई है। नाम जाहिर नहीं किया गया है।

अनंतपुरामु में टक्कर में 4 लोगों की मौत

अनंतपुरमु। आंध्र के अनंतपुरामु जिले के कल्लूर गांव के पास शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर एक निजी बस और बोरियों से लदे ट्रैक्टर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई।सागर के गार्लाडिन पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर ने यह जानकारी दी है। मृतकों के शवों को सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है।

पायलट को दी जिम्मेदारी

छग में सैलजा पर फूटा हार का ठीकरा, ‘प्रभारी’ से हटाई गईं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

आखिरकार छत्तीसगढ़ में कांग्रेसी हार का ठीकरा प्रभारी कुमारी सैलजा पर फूट ही गया। उन्हें प्रभार से हटा दिया गया। सचिन पायलट राज्य के नए प्रभारी बनाए गए हैं। सैलजा को उत्तराखंड का प्रभारी बनाया गया है।

एआईसीसी के दर्जन भर महासचिवों, प्रभारियों को कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने नए सिरे से काम का बंटवारा किया है। उसमें कई महासचिवों, प्रभारियों के पास पुराने प्रभार ही हैं। कई को इधर उधर किया गया है। बिहार का प्रभार भक्त चरण दास से लेकर मोहन प्रकाश को दिया गया है। मध्यप्रदेश के चुनाव तक कर्नाटक के साथ रणदीप सिंह सुरजेवाला को एमपी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था अब जितेंद्र सिंह को प्रभारी बनाया गया है। दीपक बाबरिया को दिल्ली और हरियाणा का प्रभार दिया गया है। पायलट बेहतर सांगठनिक क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी बेहतर प्रदर्शन छत्तीसगढ़ में करे, सचिन के लिए बड़ी चुनौती होगी। प्रदेश में न केवल संगठन को चुस्त दुरुस्त करना है बल्कि विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले पीएल पुनिया से प्रभार लेकर कुमारी सैलजा को दिया गया था। पुनिया के प्रभार में कांग्रेस पार्टी ने पंद्रह साल पुरानी भाजपा सरकार को उखाड़ फेंका था।

उदयनिधि का ‘बाप का पैसा’ वाला कमेंट

निर्मला सीतारमण बोलीं जुबान पर लगाम लगाइए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उदयनिधि स्टालिन के ‘बाप के पैसे’ वाले तंज पर पलटवार किया है। सीतारमण ने स्टालिन को अपनी ‘जुबान पर कंट्रोल’ रखने की सलाह दी है। असल में उदयनिधि ने सरकार द्वारा तमिलनाडु को कथित तौर पर धनराशि नहीं दिए जाने पर आपत्ति जताई थी। उदयनिधि ने कहा था कि हम किसी के बाप का पैसा नहीं मांग रहे हैं। हम सिर्फ और सिर्फ तमिलनाडु के लोगों द्वारा भुगतान किए गए कर का हिस्सा मांग रहे हैं। सीतारमण ने कहा,जब वे हैं तो उन्हें जिम्मेदारी से बोलना चाहिए। जुबान पर नियंत्रण रखें।

■ वे मंत्री हैं तो उन्हें जिम्मेदारी से बोलना चाहिए

कर्नाटक में हिजाब बैन विवाद पर सत्तापक्ष कांग्रेस और विपक्ष भाजपा में तकरार

सिद्धारमैया का यू-टर्न, पहले लगाया फिर हटाया...भाजपा ने इसे शरिया कानून बताया

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक में हिजाब बैन को लेकर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि अभी तक ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि किसी ने मुझसे हिजाब पर प्रतिबंध हटाने को लेकर सवाल पूछा जिसके जवाब में मैंने उन्हें जवाब दिया कि सरकार इसे रद्द करने पर विचार कर रही है। मैसुरु में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि सरकार राज्य में हिजाब पर लगे बैन को हटाने जा रही है।

सीएम का कहना है कि सभी को पसंद के मुताबिक कपड़े पहनने का अधिकार है। ऐसे में महिलाएं हिजाब पहनकर बाहर जा सकती हैं। सीएम ने कहा कि इस बारे में अधिकारियों को आदेश वापस लेने के निर्देश दे दिए हैं। इसके बाद भाजपा ने सीएम पर धर्म का जहर बोने का आरोप लगाया था। सीएम सिद्धरमैया ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा था कि पीएम सबका साथ, सबका विकास की बात करते हैं, लेकिन टोपी, बुर्का पहनने वालों और दाढ़ी रखने वालों को किनारे कर देते हैं।

भाजपा ने सीएम पर धर्म का जहर बोने का आरोप लगाया था

कर्नाटक के मैसुरु में सीएम सिद्धारमैया ने शुक्रवार को शैक्षिक संस्थान पर लगे हिजाब बैने को वापस लेने की बात कही थी, जिसके बाद भाजपा ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

कर्नाटक सरकार ने मैसुरु में दिया था यह विवादास्पद बयान

भाजपा ने इसे फूट डालो, शासन करो की नीति बताया

राजनीतिक पारा चढ़ा

गिरिराज बोले- देश में इस्लामिक कानून लागू कर रहे

सिद्धारमैया के बयान के बाद से देश भर में इसे लेकर राजनीति शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध हटाने से राज्य में शरिया कानून लागू होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो पूरे देश में इस्लामिक कानून लागू कर दिया जाएगा।गिरिराज सिंह ने कहा, यह महज हिजाब पर प्रतिबंध हटाना ही नहीं है, बल्कि राज्य में शरिया कानून की स्थापना है। अगर राहुल गांधी, कांग्रेस और इंडिया गंठधन की देश में सरकार बनी तो इस्लामी कानून लागू हो जाएगा। यह सुनियोजित योजना का हिस्सा है। यह सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश है।

सीएम ले सकते हैं फैसला: सुले

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने हिजाब विवाद पर कहा कि यह कर्नाटक का आंतरिक मामला है। वहां के सीएम फैसला ले सकते हैं।

मंत्री खरगे ने किया फैसले का स्वागत

खरगे ने राज्य सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। प्रियांक खरगे का कहना है कि कर्नाटक सरकार जो कुछ भी कर रही है वो कानून और संविधान के मुताबिक ही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा के पास करने के लिए कोई काम नहीं है।

पूर्व सीएम येदियुरप्पा ने साधा निशाना

मुस्लिमों को खुश करने के लिए अब हटाई पाबंदी

कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने भी सीएम सिद्धारमैया के हिजाब फैसले पर सवाल खड़े किए हैं। येदियुरप्पा का कहना है कि सीएम ने ये फैसला मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए लिया गया है जिसे फौरन वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

भाजपा के अध्यक्ष विजयेंद्र बोले

सिद्धारमैया धर्म के आधार पर लोगों को बांट रहे

कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सिद्धारमैया पर धर्म के आधार पर बांटने का आरोप लगाया। राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगे प्रतिबंध को वापस लेने के मामले पर कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस फूट डालो और शासन करो वाली ब्रिटिश सरकार की नीति को आगे बढ़ा रही है। राज्य सरकार को कम से कम बच्चों को अपनी गंदी राजनीति से बचाना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ कांग्रेस हिजाब पर प्रतिबंध हटाना चाहती है।

शांति के बागीचे में धर्म का जहर बो रहे

विजयेंद्र ने सिद्धारमैया के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, सिद्धारमैया शांति के बागीचे में धर्म का जहर बो रहे। वे तुष्टिकरण की राजनीति कर युवाओं को धार्मिक आधार पर बांट रहे हैं। विभाजनकारी गतिविधियों के बजाए उन्हें शिक्षा पर जोर देना चाहिए।

पीएम से लेकर रेलमंत्री तक बात मुलाकात का दौर

सीएम बनते ही छत्तीसगढ़ के लिए ‘विष्णु’ बन जुट गए साय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के सीएम पद पर बैठते ही रायपुर से लेकर दिल्ली तक विष्णु देव साय ने सुबाई जनता के हितों की रक्षा के लिए बात, मुलाकात और निर्णय के दौर को शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीएम सहित दो डिप्टी सीएम अरुण साव व विजय शर्मा ने मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के विकास व जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की तथा मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लिए गए त्वरित निर्णय व पहल की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार गठन होते ही 18 लाख से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत की गई है। वहीं, राज्य के किसानों से किये वादे पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 1 नवंबर 2023 से ही 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान 3100 रुपये की दर से खरीदने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सुशासन दिवस पर 13 लाख से अधिक किसानों को दो साल का बकाया धान की बोनस राशि 3716 करोड़ 38 लाख रुपये का भुगतान भी किया जाएगा।

कई योजनाओं के लिए राशि का प्रावधान किया गया

मुख्यमंत्री ने बताया कि अनुपूरक बजट में महतारी वंदन योजना, जल जीवन मिशन, कृषक जीवन ज्योति योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन आदि योजनाओं के लिए भी राशि का प्रावधान किया गया है। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा छग को 2485.79 करोड़ की राशि जारी करने व सेंट्रल पूल में 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लिए जाने की अनुमति देने पर पीएम नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा केंद्र सरकार से मिली इस राशि से समाज कल्याण की योजनाओं तथा अधोसंरचना विकास की योजनाओं के वित्तीय पोषण में मजबूती मिलेगी। सीएम और दो डिप्टी सीएम, सूबे के तीनों प्रमुख नेताओं ने रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलकात कर राज्य में चलने वाली ट्रेनों का बार बार परिचालन रोके जाने के कारण आम यात्रियों की दिक्कत को उठाया। राज्य के लिए जनहित की अन्य रेल परियोजनाओं को जल्द लागू करने की भी गुहार लगाई।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले सजेगी राम की पैड़ी, हो रहा सौंदर्यीकरण

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

राम भक्तों में मंदिर को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारी अब अंतिम चरण में है। रामपथ, भक्ति पथ और सुग्रीव किला की आसपास का सौंदर्यकरण का काम भी अंतिम दौर में है।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस पूरे मंदिर परिसर में भगवान राम के मंदिर के साथ ही और भी 6 मंदिर बनाए जा रहे हैं। मंदिर के मुख्य द्वार को सिंह द्वार के नाम से जाना जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद जब आम जनता के लिए मंदिर को खोला जाएगा तो हर दिन डेढ़ लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद की जा रही हैं।

पापियों को पाप से है तारती

राम की पैड़ी सरयू नदी के किनारे स्थित घाटों की एक श्रंखला है। पूर्णिमा के दिन यह स्थान बहुत ही सुंदर लगता है। श्रद्धालुओं में ऐसी मान्यता है कि यहां स्नान करने से पाप धुल जाते हैं। पैड़ी शब्द का अर्थ है ‘सीढ़ियां’, जो सरयू की तरण ले जाती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम भी इसी पैड़ी पर स्नान करने आते थे और स्नान करने के बाद ब्राह्मणों को दान दिया करते थे। राम की पैड़ी के तट पर नाथ नागेश्वर मंदिर, चंद्र हरि मंदिर, विष्णु हरि मंदिर और सरयू मंदिर भी स्थित हैं। वर्ष 1984-1985 राम की पैड़ी का पुनर्निर्माण कराया गया था।

गुमशुदा/अपहृत लड़की की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की (फोटो में दिखाई गई) जिसका नाम मानसी D/o स्व. बादल बॉस R/o मकान नंबर 10/370, ललिता पार्क, लक्ष्मी नगर, दिल्ली **उम्र** 16 साल जो कि 16.12.2023 को अपने घर से लापता/अपहृत है। इस बाबत **FIR No.711/23 u/s 363 IPC दिनांक 17.12.2023** थाना लक्ष्मी नगर, दिल्ली में दर्ज है। इसका शारीरिक ब्यौरा इस प्रकार है:

मानसी

रंग: गोरा, **कद:** 4'10", **शरीर:** मध्यम, **पहचान:** दाहिनी कलाई पर पुराने घाव का निशान, जिसने गहरा नीले रंग की जींस पैंट, स्लेटी रंग का स्वेटर और स्लेटी रंग के जूते पहने हैं।

अगर किसी व्यक्ति को इस लापता/अपहृत लड़की के बारे में कोई जानकारी/सूचना मिले तो थानाध्यक्ष लक्ष्मी नगर, दिल्ली को ई-मेल: cic@cbi.gov.in और वेबसाइट : http://cbi.nic.in पर सूचित करने की कृपा करें।

हस्ता/-
थानाध्यक्ष: लक्ष्मी नगर, दिल्ली
फोन: 011-22542441, 22542992
मो.: 8750870622

फोन नं.: 011-24368638, 24368641
फैक्स नं.: 011-24368639
दि.पु./14589/पूर्वी जिला/2023

‘सरस्वती मंडपम’ को नवकेरल सदासु को आवंटित करने का मामला

भाजपा ने काले गुब्बारे के साथ किया विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने छोड़ी पानी की बौछारें, घायल कई नेता अस्पताल में भर्ती

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल से एक के बाद एक विरोध प्रदर्शन की खबर सामने आ रही है। कांग्रेस के बाद भाजपा समर्थकों को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया।

पूजापुरा के सरस्वती मंदिर से सटे ‘सरस्वती मंडपम’ को नवकेरल सदासु के आयोजन समिति कार्यालय को आवंटित किए जाने से भाजपा समर्थक खफा हैं। ऐसे में उन्होंने काले गुब्बारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया।

कांग्रेस का भी प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

कांग्रेस के सुधाकरन जख्मी

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कथित पुलिसिया कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सुधाकरन सहित अन्य नेताओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

क्या है यह मामला?

यह घटना राज्य पुलिस मुख्यालय के सामने हुई जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिसिया कार्रवाई और माकपा कैडरों को खुली छूट देने के लिए सीएम पिनराई विजयन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। सुधाकरन ने कहा कि ऐसी हरकत पहले कभी नहीं हुई है। मैंने प्रदर्शनकारियों से अपनी बात समाप्त कर ली थी और विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने अभी बोलना शुरू ही किया था कि आंसू गैस के गोले छोड़े गए। वाटर कैनन का इस्तेमाल किया।

थरूर ने कहा

18 आंसू गैस के गोले छोड़े, यह अतिवादी कदम

विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसिया कार्रवाई को अतिवादी कदम करार देते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि 18 आंसू गैस के गोले छोड़े गए। आम तौर पर जब नेता विरोध प्रदर्शन में बोलते हैं तो कोई कार्रवाई नहीं होती है। जब पुलिसिया कार्रवाई हुई तब सब कुछ शांति से चल रहा था। मैंने राज्य पुलिस प्रमुख से बात की और उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति, (चित्र में दर्शाया गया), जिसका नाम: चौ. दिलबाग मलिक, पुत्र: स्व. ओम प्रकाश मलिक, निवासी एफ-4/107, दूसरी मंजिल सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली उम्र: लगभग 64 वर्ष जो उपरोक्त पते से दिनांक 08.12.2023 से गुम है। इस बाबत DD No.89-A, दिनांक 13.12.2023 से थाना के एन काटजू मार्ग, दिल्ली में दर्ज है। गुमशुदा व्यक्ति का ब्योरा इस प्रकार है:

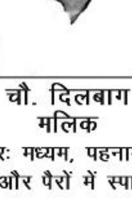
चौ. दिलबाग मलिक

कद: 6'' फीट, रंग: गोरा, चेहरा: अण्डकारा, शरीर: मध्यम, पहनावा: धारीदार सफेद रंग की शर्ट और भूरे रंग की पैंट और पैरों में स्पार्क कंपनी के क्रीम रंग के जूते पहने हुए।

अगर इस गुमशुदा व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी मिले तो इसकी सूचना निम्नलिखित को सूचित करने की कृपा करें ई-मेल: email: cic@cbi.gov.in फैक्स सं0: 011-24368639, फोन: 011-24368638, 24368641.

थानाध्यक्ष
थाना के एन काटजू मार्ग, दिल्ली
फोन: 8750870327

DP/14393/RD/2023

रोलर कोस्टर बाजार का तोड़ हैं मल्टी एसेट फंड

बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में अच्छे दिन नहीं चल रहे दिखते हैं। किसी दिन बाजार झूम जाता है तो किसी दिन बिकवाल हावी हो जाते हैं। शेयर बाजार की इस अस्थिरता से ज्यादातर निवेशक खुश नहीं होते हैं। हालांकि निवेशक चाहे तो इससे अपने इनवेस्टमेंट को एक तरह से शील्ड दे सकते हैं। ऐसी स्थिति से बचने का उपाय है एसेट क्लास में महत्वपूर्ण डायवर्सिफिकेशन। एसेट क्लास अपने खुद के चक्रों का पालन करते हैं, और उनके उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन, मल्टी एसेट फंड के जरिए इस स्थिति से निबटने में ज्यादा आसानी होगी। हालांकि मल्टी एसेट फंड से भी सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए इनवेस्टर्स को कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम इन्हीं सावधानी की चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

छोटे या रिटेल इनवेस्टर ऐसी स्थिति में डर जाते हैं। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि ऐसे में निवेशकों को सीजन एसेट क्लास के फ्लेवर के झांसे में नहीं आना चाहिए। इसके बजाय अपने पोर्टफोलियो के लिए एक संतुलित एसेट एलोकेशन स्ट्रेटेजी का पालन करना चाहिए। यही वह जगह है जहां मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड फिट बैठते हैं और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। यह देखते हुए कि इक्विटी बाजारों में सुधार जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा अच्छा हो सकता है।

सेबी का नियम क्या कहता है

बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक, फंड हाउसों को अपने फंड का न्यूनतम 10% कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करना होगा। इन तीन एसेट क्लास में घरेलू और इंटरनेशनल इक्विटी, डेट और कमोडिटी का मिला जुला क्लास हो सकता है। इस तरह की रणनीति के लिए सभी एसेट क्लास में निवेश की जरूरत होती है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद इस निवेश को स्थिर रखा जाना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

जानकारों के मुताबिक मल्टी एसेट फंड से सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए निवेशकों को इन 3 बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान प्राप्त कर पाएंगे।

- पहला यह कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि फंड लेबल के अनुरूप है और एसेट आवंटन मिश्रण में बदलाव नहीं है। उदाहरण के तौर पर निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड घरेलू और विदेशी इक्विटी, कमोडिटी और डेट में 50:20:15:15 के निवेश अनुपात को कभी नहीं बदला है।। इस तरह का अनुशासित निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक हमेशा लाभ में रहें।
- दूसरा, ऐसा फंड चुनना चाहिए जिसका अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में भी निवेश हो। उदाहरण के लिए निप्पॉन मल्टी एसेट फंड जो चार परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है और कॉर्पस का 20% हिस्सा अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में जाता है। सुंदरम, इनवेस्को और एक्सिस जैसे अन्य मल्टी एसेट फंड भी वैश्विक बाजारों में निवेश करते हैं।
- तीसरा-मल्टी एसेट फंड में निवेश करने का तीसरा फायदा निवेशकों को मिलने वाला इंडेक्सेशन का लाभ है। इंडेक्सेशन आपको फंड से ज्यादा प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि निवेश के मूल्य की गणना महंगाई जैसे कारकों को ध्यान में रखकर की जाती है और इससे आपको अधिक लाभ मिलता है।

एक साल में क्या रहा रिटर्न

पिछले एक साल में मल्टी एसेट फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड 15.72% रिटर्न के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 13.85% के साथ मोतीलाल ओसवाल और 13.74% के साथ एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड है। टाटा मल्टी एसेट फंड का रिटर्न इस दौरान 12.71% रहा है। मतलब कि सभी फंड हाउस ने 12 फीसदी से ज्यादा का ही रिटर्न दिया है।

इंडेक्स फंड्स भी दे सकते हैं फायदा, ध्यान से करें निवेश

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार बाजार पर भी नजर डाल लें और सावधानी पूर्वक पूरी जानकारी जुटाकर और अपने रिस्क को ध्यान में रखकर निवेश की ओर कदम बढ़ाए। बाजार में आपको हर तरह के शेयर मिलेंगे, लेकिन आप ध्यान से एक बार सभी अध्ययन कर उतरेंगे तो आसानी मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसलिए जब भी बाजार में उतरें, पहले अपने लक्ष्य तय करें और रिस्क को देखकर ही पैसे लगाएं। वरना आप फायदे की जगह नुकसान का भी सामना कर सकते हैं। बाजार के जानकारों की मानें तो इस समय निवेशकों के लिए इंडेक्स फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जो निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश करके कम से कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए इंडेक्स फंड सबसे बढ़िया विकल्प माने जाते हैं, पिछले एक साल में इन फंडों ने 20 से 24 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इस कैटेगिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 21% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% बढ़त देखने को मिल सकती है। ऐसे में निफ्टी 50 या सेंसेक्स 30 में भी अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे इंडेक्स फंड के बारे में जो निवेशकों के लिए समय पहली पसंद साबित हो रहे हैं। इन दिनों इंडेक्स फंड में आप भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं।

इन फंड्स ने दिया बेहतर रिटर्न

फंड का नाम	1 साल	3 साल	5 साल
यूटीआई निफ्टी			
इंडेक्स फंड एक्सिस 50 निफ्टी	21.86%	18.17%	13.80%
नेक्स्ट 50 इंडेक्स आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल	21.75%	-	-
निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड	20.60%	17.70%	12.80%
एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	17.10%	16.60%	14.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.20%	16.70%	15.10%

एक्सपेंस रेश्यो रहता है कम

इंडेक्स फंड में निवेश करने का खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अन्य प्रत्यक्ष रूप से प्रबंधित म्युचुअल फंडों में जहां एसेट मैनेजमेंट कंपनी तकरीबन 2% तक शुल्क वसूलती हैं, वहीं इंडेक्स फंडों का शुल्क बहुत कम यानी कि तकरीबन 0.5% से 1 के बीच होता है। अस तरह से इंडेक्स फंड में एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है जो एक तरह से निवेशक को लाभ ही देता है।

डाइवर्सिफिकेशन का मिलता है लाभ

इंडेक्स फंड से निवेशक अपना पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। इससे नुकसान की संभावना घट जाती है। अगर एक कंपनी के शेयर में कमजोरी आती है तो दूसरे में ग्रोथ से नुकसान कवर हो जाता है। इसके अलावा इंडेक्स फंडों में ट्रैकिंग एरर कम होता है। इससे इंडेक्स को इमेज करने की एक्यूरेसी बढ़ जाती है। इस तरह रिटर्न का सटीक अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

कितना देना होता है टैक्स?

12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। यह मौजूदा नियमों के हिसाब से कमाई पर 15% तक लगाया जाता है। अगर आपका निवेश 12 महीनों से ज्यादा के लिए है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स माना जाएगा और इस पर 10% ब्याज देना होगा। हालांकि अगर आपका एलटीसीजी 1 लाख से कम है तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

- पिछले 1 साल में दिया 24% तक का रिटर्न
- निवेशक के लिए पंसद बनकर उभरे ये फंड
- एसआईपी के जरिये शुरू करें निवेश
- फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाते जाएं

किसके लिए सही हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम रिस्क के साथ शेयरों में निवेश करना चाहते हैं। इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर है जो रिस्क कैलकुलेट करके चलना चाहते हैं, भले ही कम रिटर्न मिले। जानकारों का कहना है कि इन फंडों में भले ही आपको रिटर्न कम मिले, लेकिन आपका पैसा सुरक्षित रहता है और अच्छा लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

- बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में सक्षम
- ये फंड इक्विटी और डेट दोनों विकल्पों में लगाते हैं निवेशों के पैसे
- रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए बेहतर विकल्प
- निवेशकों के लिए कमाई का बढ़िया जरिया, निवेशकों के लिए आदर्श
- शेयर बाजार बढ़त पर कर रहे मालामाल, सावधानी से बढ़ाएं कदम
- कोई निवेश बिना जोखिम वाला नहीं होता, हर किसी के फायदे-नुकसान

कम रिस्क में भी ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में झमाझम पैसा बरस रहा है। लनगभग सभी कंपनियों के शेयर अच्छा मुनाफा दे रहे हैं, निवेशक मालामाल हो रहे हैं। ऐसे में हर कोई निवेश के लिए तैयार है, लेकिन आप थोड़ी सावधानी के साथ निवेश के लिए बाजार में उतरें तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर है। ये फंड आपको कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं और आप आसानी से मालामाल हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड इनवेस्टर से लेकर विदेशी निवेशक तक इस समय सभी खुश हैं। वैसे भी म्यूचुअल फंड (एमएफ) के अधिकतर इनवेस्टर शेयर बाजार के इकोनोमिक्स को सही सही नहीं समझते हैं। तब भी वे बाजार की तेजी में हिस्सेदार बनते हैं। दरअसल, म्यूचुअल फंड निवेश बाजार की बात करें तो निवेशकों का प्राथमिक लक्ष्य अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न हासिल करना है। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान रखें तो वे म्यूचुअल फंड से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। शेयर बाजार के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई भी निवेश बिना जोखिम वाला नहीं है, हर निवेश के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। इससे उन्हें महत्वाकांक्षी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

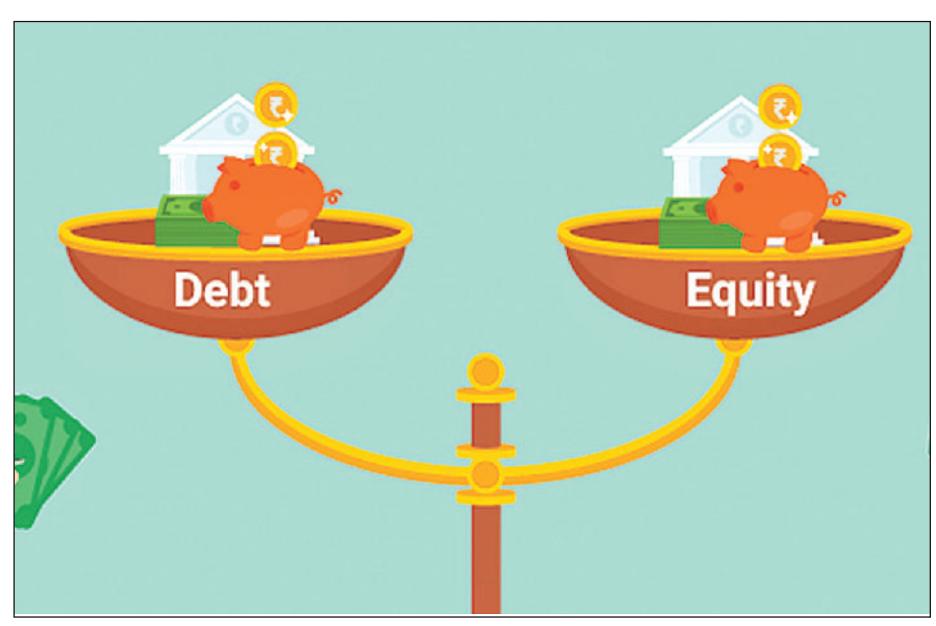

कम जोखिम और हाई रिटर्न

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जोखिम और रिवार्ड के बीच एक संतुलन हासिल करने की अपनी क्षमता के लिए पॉपुलर होते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों तरह के विकल्पों में रणनीतिक रूप से निवेश करते हैं। ये फंड डेट विकल्पों में निवेश के माध्यम से स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि इक्विटी में निवेश के जरिए पूंजी में तेज बढ़ोतरी की क्षमता प्रदान करते हैं। यही संतुलन बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए मजबूत रिटर्न प्राप्त करने का बेहतर तरीका है।

लंबी अवधि के निवेश लक्ष्य को पूरा करने वाला विकल्प

चाहे आपका लक्ष्य सेवानिवृत्ति के लिए फंड जुटाना हो, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए फंड जुटाना हो, या कोई अन्य दीर्घकालिक उद्देश्य पूरे करने के लिए फंड जुटाना हो, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपको उस लक्ष्य पूरा करने में मदद कर सकते हैं। उनका सक्रिय प्रबंधन और बेस्ट रिटर्न देने की क्षमता उन्हें महत्वाकांक्षी वित्तीय लक्ष्य बनाने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

यह है बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

दरअसल यह म्यूचुअल फंड का एक ऐसा उत्पाद है, जो इक्विटी और डेट दोनों का मिला जुला होता है। बाजार की स्थितियों, ब्याज दरों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच बैफ में बदलाव होते रहता है। यह बाजार के हालात से निवेशकों का बचाव करता है. बाजार चाहे गिरा हुआ हो या नई ऊंचाइयों पर हो, नया संतुलन हो जाने से निवेशकों के लिए ये फंड जोखिम को कम कर देते हैं। जब बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों में तेजी से बदलाव हो रहा हो, तब एक आम निवेशक के लिए उसके हिसाब से अपने पोर्टफोलियो को समायोजित करते रह पाना मुश्किल हो जाता है। जैसे मौजूद हालात को देखें तो दुनिया साल भर से ज्यादा समय से पूर्वी यूरोप में युद्ध की स्थिति से जूझ रही है। ग्लोबल इकोनॉमी के ऊपर मंदी का खतरा है। महंगाई और उसके कारण लगातार बढ़ते ब्याज दरों का दबाव है। ऐसे माहौल में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज जैसे फंड ने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में इक्विटी या डेट में एंट्री-एक्जिट को अच्छे से मैनेज किया है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की यह रणनीति होती है कि जब बाजार नीचे हो तो सस्ते में शेयर खरीदे जाएं और जब बाजार ऊपर हो तो उसे महंगे में बेचकर निकल जाएं। इससे निवेशकों को महंगे बाजारों के दौरान मुनाफा कमाने में मदद मिलती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन फंडों का शुद्ध इक्विटी एक्सपोजर 30 फीसदी के स्तर तक नीचे जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इक्विटी में निवेश 65 फीसदी और उससे अधिक पर बनाए रखा जाता है।

बेहतर विकल्प क्या हैं

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर आप ऐसे निवेश की तलाश कर रहे हैं जो जोखिम समायोजित (रिस्क एडजस्टेड) बेहतर रिटर्न की संभावना प्रदान करता है, तो बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो कसता है। इसके अलावा किसी और विकल्प के बारे में विचार न करें। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड निवेश का एक ऐसा जरिया है, जिसमें जोखिमों को प्रभावी ढंग से मैनेज (प्रबंधित) करते हुए बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है। पिछले कई सालों से देखा भी जा रहा है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने निवेशकों को कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दिया है। इस योजना में निवेशक आराम से निवेश कर अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

बेहतर रिटर्न के लिए डायनमिक अलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की सबसे खास विशेषताओं में से एक उनका डायनमिक एसेट अलोकेशन है। कुशल फंड मैनेजर लगातार बाजार की स्थितियों पर अपनी नजर रखते हैं और इक्विटी व डेट के बीच फंड के आवंटन को उसी अनुसार समायोजित करते हैं। जब बाजार में तेजी होती है, तो वे इक्विटी में निवेश बढ़ाते हैं, और बाजार में गिरावट के दौरान, वे डेट इन्वेस्टमेंट के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सक्रिय प्रबंधन निवेशकों को अवसरों का लाभ उठाने और बाजार के चुनौतीपूर्ण चरणों से निपटने में मदद करता है, जिससे संभावित रूप से अधिकतम रिटर्न मिलता है।

दौलत बढ़ाने के लिए बेहतर प्रदर्शन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की पहचान लंबी अवधि में लगातार रिटर्न देने की उनकी क्षमता है। यह स्थिरता उन निवेशकों को आकर्षित कर रही है जो अपने रिटर्न में पूर्वानुमान के स्तर को बनाए रखते हुए अपनी संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी करना चाहते हैं। फंड का स्थिर प्रदर्शन समय के साथ सर्वोत्तम रिटर्न हासिल होने की संभावना में योगदान देता है।

हायर नेट रिटर्न के लिए टैक्स दक्षता

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को टैक्स बेनेफिट देने के लिए डिजाइन किया गया है। जब वे अपनी संपत्ति का 65% से अधिक इक्विटी में आवंटित करते हैं, तो इन पर इक्विटी फंड की तरह टैक्स लगता है। इसके परिणामस्वरूप टैक्स देनदारी कम हो सकती है, विशेष रूप से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए, जिससे निवेशकों को अपने रिटर्न का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

डायवर्सिफिकेशन को आसान बनाया गया

डाइवर्सिफिकेशन हासिल करना जटिल हो सकता है, लेकिन बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इस प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इन फंडों में निवेश के जरिए आपका पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है, क्योंकि ये अलग अलग एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इससे न सिर्फ जोखिम कम करने में मदद मिलती है, बल्कि कई सेक्टर और एसेट क्लास (परिसंपत्ति वर्गों) का लाभ उठाकर सर्वश्रेष्ठ रिटर्न की संभावना भी बढ़ाता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए भी म्यूचुअल फंड पर बढ़ा भरोसा

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट की बात करें तो कुछ साल पहले यह भारतीयों के फाइनेंशियल प्लानिंग में प्राथमिकता नहीं थी। इसकी बजाए बहुत से लोग अपने दूसरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्लानिंग करते थे, लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। रिटायरमेंट भारतीयों के लिए अब तेज गति से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है और ज्यादा से ज्यादा लोग अब अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे तरजीह दे रहे हैं। रिटायरमेंट को फाइनेंशियल प्लानिंग में ऊपर रखने के मामले में भारत 2023 के एक सर्वे के अनुसार दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जो 2020 में 8वें स्थान पर था। एक सर्वे में ये बातें सामने आई हैं। इस सर्वे के अनुसार पहले रिटायरमेंट मुख्य रूप से परिवार के दायित्वों को पूरा करने को लेकर जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ साल में, इसकी परिभाषा आत्म-सम्मान और खुद की पहचान की तलाश तक पहुंच गई है। यानी अब लोग रिटायरमेंट के बाद भी वर्किंग ईयर की तरह बेहतर लाइफ जीना चाहते हैं। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं से समझौता किए बिना अपने फाइनेंस पर नियंत्रण चाहते हैं, जिसके लिए बेहतर रिटायरमेंट प्लानिंग बहुत जरूरी है।

इन पहलुओं पर विचार

पॉजिटिव पहलू

पॉजिटिव पहलू यह है कि धन को अप्रत्याशित/अपेक्षित जरूरतों के प्रति 'सुरक्षा जाल' के रूप में माना जाता है। इसे अपनी फैमिली के प्रति अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए 'सक्षम बनाने वाला' और सामाजिक सम्मान और गौरव चाहने वालों के लिए 'सक्षम होने का प्रतीक' माना जाता है। महामारी के बाद, यह 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है—यानी अपनी लाइफ स्टाइल और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा घर बनाना, बच्चों के लिए क्वालिटी एजुकेशन से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाना शामिल है।

निगेटिव पहलू

निगेटिव पहलू यह है कि पैसा बनाने और उसे मैनेज करने को लेकर लोगों के कमिटमेंट और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। निगेटिव पहलू में, अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है—तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है।

भारतीय निवेशक फिक्स्ड इनकम और बीमा को दे रहे प्राथमिकता, ईटीएफ की तुलना में एमएफ आकर्षण बढ़ा

- व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों की आय में से कर्ज और देनदारियों के लिए अलोकेशन बढ़ रहा है। भारतीय अपने धन का 59 फीसदी घरेलू खर्चों के लिए और 18 फीसदी लोन चुकाने के लिए रख रहे हैं, जो 2020 के मुकाबले ज्यादा है।
- लोगों द्वारा पूंजी के निर्माण की दिशा में एक प्रयास किया जा रहा है, जहां कुल आय का 5 फीसदी स्किल डेवलपमेंट या एजुकेशन लोन के लिए अलोकेट किया जाता है।
- 48 फीसदी ने बताया कि महामारी के कारण सोच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया। -भारतीय वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजना बनाने वाले और अनुशासित हो गए हैं।
- अब कम आय के साथ, अधिक रिटर्न जेनरेट करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान है। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पैसिव इनकम के सोर्स विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।

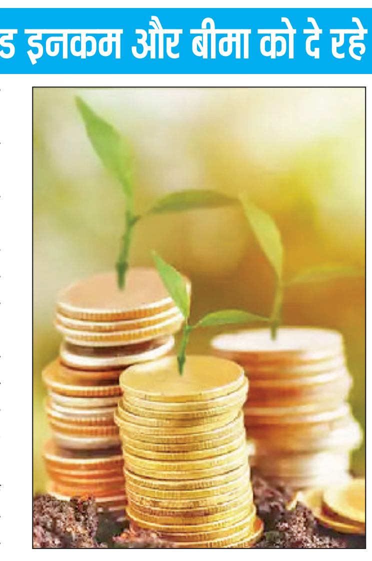

- पहचान' और 'आत्म-सम्मान' अब केवल भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खुद की देखभाल करना और जानने तक भी बढ़ रहा है।
- महामारी के बाद, भारतीयों ने पारिवारिक सुरक्षा के अलावा, मेडिकल इमरजेंसी और रिटायरमेंट योजना जैसी लंबी अवधि के लक्ष्य पर अधिक जोर देना शुरू कर दिया है।
- महामारी के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित 'आय के वैकल्पिक सोर्स की कमी' के बारे में चिंता करने वालों की संख्या साल 2020 में 8% से बढ़कर 2023 में 38% तक पहुंच गई है।
- महामारी के बाद, 'महंगाई' व 'आर्थिक मंदी' रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित चिंताओं की टॉप लिस्ट में आ गए।
- करीब 67 फीसदी भारतीयों का कहना है कि वे रिटायरमेंट के लिए तैयार हैं, जिससे उन्हें काम और जीवन के बारे में पॉजिटिव सोच मिलती है, जिन लोगों ने अपनी रिटायरमेंट की योजना बनाई है, वे आमतौर पर इसे 33 साल की उम्र के आसपास शुरू करते हैं और जिन्होंने नहीं किया है, वे 50 की उम्र में शुरू करने का इरादा रखते हैं।
- 2020 में 10% की तुलना में 2023 में 23% लोगों को सीधे इक्विटी/शेयर और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की तुलना में म्यूचुअल फंड ज्यादा आकर्षक दिख रहा है। सर्वे के अनुसार भारतीय निवेशक अभी भी फिक्स्ड इनकम विकल्पों और बीमा को प्राथमिकता देते हैं।
- बदल रही लाइफ स्टाइल और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के साथ, भारतीयों को लगता है कि उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए अपनी सालाना आय का 10-12 गुना चाहिए, जो 2020 के सर्वेक्षण में 8-9 गुना था।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर सजग

आय का वैकल्पिक सोर्स होने से रिटायरमेंट के लिए तैयारी की भावना काफी बढ़ जाती है। सर्वे में भाग लेने वाले 36 फीसदी में से जिनके पास वैकल्पिक आय के सोर्स हैं, उनमें से 42 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें फाइनेंशियल एसेट्स में निवेश से अतिरिक्त आय होती है। अब हर कोई अपनी वित्तीय सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिनके पास रिटायरमेंट योजना है, उनमें से सिर्फ 10 फीसदी ही रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से उचित फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर सेवाएं चाहते हैं।

मैनचेस्टर सिटी ने जीता पहला क्लब विश्व कप और 2023 का 5वां खिताब

एजेंसी ▶▶| जेद्दा

मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार रात को यहां क्लब विश्व कप फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से हराकर 2023 में पांचवां खिताब अपने नाम किया। मैनचेस्टर सिटी ने महज 40 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बना ली थी जब जूलियन अल्वारेज ने गोल दागा।

फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गई और फिर फिल फोडेन ने 72वें मिनट में टीम का तीसरा गोल किया। अल्वारोज ने 88वें मिनट में अपने दूसरे गोल से मैनचेस्टर सिटी को 4-0 पर ला दिया। इससे मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब अपनी झोली में डाला और उसने यूरोप को फीफा की इस क्लब प्रतियोगिता के 17 चरण में 16वीं ट्राफी दिलाई। मैनचेस्टर सिटी इस साल एफए कप, प्रीमियर लीग, चैंपियंस लीग और सुपर कप खिताब जीत चुका है।

खास बातें

- फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से दी शिकस्त
- 17 चरण में दिलाई 16वीं ट्रॉफी
- अब तक जीते एफए कप, प्रीमियर लीग, चैंपियंस लीग और सुपर कप

गुआर्डियोला ने तीसरी टीम को दिलाया खिताब

इस जीत से पेप गुआर्डियोला तीन विभिन्न टीमों के साथ क्ल विश्व कप जीतने वाले पहले कोच बन गए। उन्होंने बार्सिलोना को 2009 और 2011 में यह खिताब दिलाया था। फिर 2013 में बायर्न म्यूनिख को भी यह ट्रॉफी दिलाई थी। गुआर्डियोला ने शांति से इस जीत का जश्न मनाया, वह फ्लूमिनेसे के कोच फर्नांडो डिनिज को सांत्वना देने पहुंचे, उनसे हाथ मिलाया और उनके कंधों पर हाथ रखा। फिर वह फेलिपो मेलो के साथ गले मिलते और मुस्कुराते दिखे।

एस्टन विला और शेफील्ड यूनाईटेड ने 1-1 से ड्रा खेला

बर्मिंघम। एस्टन विला ने शुक्रवार को यहां अंत में किए गए गोल की बदौलत इंग्लिश प्रीमियर लीग मुकाबले में शेफील्ड यूनाईटेड से 1-1 से ड्रा खेला। इस नतीजे से एस्टन विला ने लीग तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। मुकाबले के दौरान वीएआर संबंधित कई विवाद हुए। शेफील्ड ने कैमरन आर्चर के 87वें मिनट में किये गोल से 1-0 से बढ़त बनायी। जिसके बाद निकोलो जानियोलो ने 90+7वें मिनट में गोल से एस्टन विला को बराबरी पर ला दिया। एस्टन विला अगर जीत जाता तो तालिका में आर्सेनल से ऊपर शीर्ष पर पहुंच जाता। पर अब वह आर्सेनल से बराबर अंक के बाद दूसरे स्थान पर चल रहा है।

खबर संक्षेप

शुक्ला दत्ता बनीं भारत की अंडर-19 कोच

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ी शुक्ला दत्ता को अगले साल फरवरी में होने वाली सैफ चैंपियनशिप से पहले शनिवार को देश की अंडर-19 महिला फुटबॉल टीम की कोच नियुक्त किया गया। पूर्व भारतीय अंडर-17 महिला टीम की कोच शुक्ला दत्ता के साथ सभी महिलाओं के सहयोगी स्टाफ में पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी श्रद्धांजलि समंतारे और गोलकीपिंग कोच लौरेम्बाम रोनिबाला चानू उनकी सहायक होंगी। भारतीय टीम सैफ चैंपियनशिप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत अगले महीने गोवा में करेगी।

ऋतुराज के उंगली में फ्रैक्चर, जाएंगे एनसीए

मुंबई। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर अपनी उंगली में फ्रैक्चर के कारण बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जाएंगे। हर्षित राणा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच से पहले भारत ए की टीम से बाहर हो गए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को बताया कि सलामी बल्लेबाज गायकवाड़ की दाएं हाथ की अनामिका उंगली में फ्रैक्चर है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होने वाली आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे।

क्वालीफायर प्रतिबद्धता दिखाने का मौका

रांची। शीर्ष भारतीय मिडफील्डर सलीमा टेटे ने शनिवार को कहा कि 13 जनवरी से यहां शुरू होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर सिर्फ 2024 पेरिस खेलों के लिए टिकट हासिल करने के लिए नहीं है बल्कि महिला हॉकी टीम के लिए यह खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने का मौका भी है।

हरमनप्रीत और स्नेह को दो-दो विकेट ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 46 रन की बढ़त

भारतीय महिला टीम ने बनाए 406 रन का रिकॉर्ड स्कोर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे दिन शनिवार को यहां अंतिम क्षणों में दो विकेट लेकर भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट क्रिकेट मैच में पलड़ा भारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 233 रन बनाए थे और इस तरह से उसने 46 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 219 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 406 रन बनाकर 187 रन की बढ़त हासिल की थी।

हरमनप्रीत ने ताहलिया मैकग्रा (73 रन) को क्लीन बोल्ड किया और फिर खतरनाक दिख रही एलिसा हिली (32) को पगबाधा आउट किया। स्टंप उखड़ने के समय एनाबेल सदरलैंड 12 और एशलेग गार्डनर सात रन पर खेल रही थी। तीसरा दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। भारत ने सुबह अपनी पारी सात विकेट पर 376 रन से आगे बढ़ाई और उसने आधे घंटे के खेल में ही 30 रन जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट गंवा दिए। सदरलैंड (दो विकेट) ने भारत के निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कल की अविजित बल्लेबाज पूजा वस्त्राकर (47) और रेणुका सिंह (08) को जबकि किम गार्थ ने दीप्ति शर्मा (78) को आउट किया।

भारत के नाम दो नए रिकॉर्ड

भारतीयों खिलाड़ियों ने दो नए रिकॉर्ड बनाए। दीप्ति ने अपनी पारी में 171 गेंद का सामना किया और नौ चौके लगाए। भारत का 406 रन का योग ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक स्कोर है। दीप्ति और वस्त्राकर के बीच आठवें विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी भारत की तरफ से नया रिकॉर्ड है।

विकेट से नहीं मिली मदद

विकेट से स्पिनरों को खास मदद नहीं मिल रही थी जिसके कारण भारतीय गेंदबाजों को संघर्ष करना पड़ा। राजेश्वरी गायकवाड़ ने 27 ओवर किए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। उनकी गेंद पर हालांकि हीली को दो जीवनदान मिले थे।

पेरी और मैकग्रा ने जोड़े 84 रन

ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी (33) और फोएबे लीचफील्ड (18) ने सतर्क शुरुआत की लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। रिचा घोष ने मूनी को रन आउट करके भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद स्नेह राणा (दो विकेट) ने लीचफील्ड को बोल्ड किया जो रिवर्स स्वीप करने से चूक गई थी। एलिस पेरी बड़ी पारी खेलने के मूड में दिख रही थी लेकिन भारतीय विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने राणा की गेंद पर उनका शानदार कैच लेकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। पेरी ने 91 गेंद पर पांच चौकों की मदद से 45 रन बनाए। उन्होंने मैकग्रा के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की।

सौरभ एयर पिस्टल ट्रायल्स में जीत की राह पर लौटे

नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरभ चौधरी ने राष्ट्रीय चयन निशानेबाजी ट्रायल्स में शनिवार को यहां फाइनल में 244.5 का स्कोर बनाकर पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टी1 का खिताब जीता। भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक सौरभ ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहे सेना के रविंद्र सिंह को आठ खिलाड़ियों के फाइनल में 0.1 अंक के मामूली अंतर से हराकर लंबे समय बाद जीत की राह पकड़ी। महिलाओं की एयर पिस्टल टी1 में हरियाणा ने क्लीन स्वीप किया। सुरुचि ने दो ओलंपियन यशस्विनी देसवाल और मनु भाकर को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया। सुरुचि क्वालिफिकेशन में भी शीर्ष पर रही थी। उन्होंने 579 अंक बनाकर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका स्कोर 240.4 रहा। यशस्विनी दूसरे और मनु भाकर तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग के क्वालिफिकेशन में रविंद्र ने 586 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया था। सौरभ ने 581 अंक बनाए और वह सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे थे।

एआईटीए को लगा झटका

भारतीय डेविस कप टीम को जाना होगा पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ पंचाट ने अखिल भारतीय टेनिस महासंघ की उस दलील को खारिज कर दिया है कि उसकी डेविस कप टीम को इस्लामाबाद में विश्व ग्रुप एक प्ले-ऑफ मुकाबले के दौरान सुरक्षा चिंताओं का सामना करना पड़ सकता है। आईटीएफ पंचाट के इस फैसले से 60 साल में किसी भारतीय टेनिस टीम के लिए पहली बार पाकिस्तान के दौरे का रास्ता साफ हो गया। भारतीय टीम अगर पाकिस्तान की यात्रा करने में विफल रहती है तो मेजबान देश को इस टाई का विजेता घोषित कर दिया जाएगा। इससे भारतीय टीम विश्व ग्रुप दो में खिसक जाएगी। भारत की डेविस कप टीम ने पिछली बार 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया था जब उसने मेजबान टीम को 4-0 से हराया था। एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने एजेंसी से आईटीएफ से उनकी अपील खारिज होने की पुष्टि की।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी

स्वीटी और पूजा रानी ने प्री क्वार्टर में दर्ज की जीत

एजेंसी ▶▶| ग्रेटर नोएडा

अनुभवी मुक्केबाज स्वीटी बूरा और पूजा रानी ने महिलाओं की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को यहां विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा विश्व चैंपियन स्वीटी (81 किग्रा) ने जहां रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड की अल्फिया पर 4-1 से संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की वहीं एशियाई चैंपियनशिप में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता पूजा ने 75 किग्रा भार वर्ग में नागालैंड की रेनू को आसानी से 5-0 से हराया।

स्वीटी और पूजा के अलावा हरियाणा की जिन अन्य मुक्केबाजों ने अंतिम 16 में जगह बनाई उनमें 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली मनीषा मौन (60 किग्रा) और सनेह (70 किग्रा) शामिल हैं। इस बीच आरएसपीबी की नूपुर ने 81 किग्रा से अधिक भार वर्ग में दिल्ली की हिमांशी अंतिल के खिलाफ आक्रामक करवाया अपनाया। रेफरी ने पहले राउंड में ही मुकाबला रोककर नूपुर को विजेता घोषित किया। अपराजिता मणि (57 किग्रा) और रिंकी शर्मा (63 किग्रा) ने क्रमशः महाराष्ट्र की आर्या बारटाके (5-2) और तमिलनाडु की वी मोनिशा (5-0) को हराया, जबकि रेखा (66 किग्रा) और दीपिका (75 किग्रा) ने तेलंगाना की पूजा बिस्वास और ओडिशा की सुनीता जेना के खिलाफ आरएससी से जीत दर्ज की।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को पहली बार उसके घर में 9 विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶| नेपियर

बांग्लादेश को शनिवार को यहां तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हराने के लिए महज 15 ओवर लगे जिससे मेजबान टीम की घरेलू मैदान पर 17 मैचों में चली आ रही जीत की लय टूट गई। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से जीत ली। न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में 44 रन और दूसरे वनडे में सात विकेट से जीत हासिल की थी।

- न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश से 2-1 से जीती वनडे सीरीज

न्यूजीलैंड को 31.4 ओवर में महज 98 रन पर समेटने के बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांटो ने 42 गेंद में नाबाद 51 रन बनाए और अनामुल हक ने 33 गेंद में 37 रन का योगदान दिया जिससे बांग्लादेश ने 19 प्रयासों में न्यूजीलैंड पर वनडे में पहली जीत हासिल की। बांग्लादेश ने शनिवार को न्यूजीलैंड को दोनों टीमों के बीच हुए वनडे में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट किया। तंजिम हसन साकिब ने 14 रन देकर तीन विकेट और शोरिफुल इस्लाम ने 22 रन देकर तीन विकेट झटके। सौम्य सरकार ने भी 18 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

फोन करते ही जिन्दगी संवारे
खुदा ने चाहा तो किसी प्यार टूटने नहीं दूगां
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे
फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
मियां पठान बंगाली
गोल्ड मेडलिस्ट
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
7500542070
https://www.miyapathanjibangali.com

जॉब

☞ FRAUD कॉल से सावधान RELIANCE JIO 5G कंपनी में पार्ट/फुलटाइम घर बैठे SMS JOB करके लड़के/ लड़कियां, गृहणियां, कमाए (21,500-67,500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नामपता WHATSAPP करें 6296026501.

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत की अंडर-19 टीम खेलेगी त्रिकोणीय श्रृंखला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की अंडर-19 टीम अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप से पहले जोहानिसबर्ग में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के बयान के अनुसार त्रिकोणीय श्रृंखला जोहानिसबर्ग में खेली जायेगी जिसमें प्रत्येक टीम एक दूसरे से दो बार आमने सामने होगी। भारत की अंडर-19 टीम अपना अभियान 29 दिसंबर को अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम के खिलाफ शुरु करेगी और फिर दो जनवरी को दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 टीम से भिड़ेगी। फाइनल 10 जनवरी को खेला जाएगा। अंडर-19 विश्व कप दक्षिण अफ्रीका के ब्लोमफोंटेन में 19 जनवरी से शुरू होगा। भारत को ग्रुप ए में बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है और टीम अपना अभियान 20 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी।

मंगलवार से 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट पर भारतीय टीम प्रबंधन की चिंता

विकेटकीपिंग, प्रसिद्ध-मुकेश के बीच आदर्श विकल्प बना संशय

एजेंसी ▶▶| सेंचुरियन

हालात के अनुसार सर्वश्रेष्ठ संयोजन हमेशा टीम की सर्वश्रेष्ठ एकादश नहीं होती जिससे 'बॉक्सिंग डे' पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के लिए सही संयोजन ढूंढना भारत के लिए निश्चित रूप से मुश्किल भरा काम होगा। कम से कम दो स्थान ऐसे होंगे जिसके लिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को परेशानी होगी। सबसे मुश्किल भरा मुद्दा भारत के लिए यह होगा कि केएल राहुल को बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए विकेटकीपिंग करने को कहा जाएगा। इसके अलावा सबसे पेचीदा मुद्दा मुकेश कुमार और प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक को चुनने का होगा जो टखने की चोट से उबर रहे मोहम्मद शमी की जगह लेंगे। देखा जाए तो कुछ फैसले सीधे लग सकते हैं लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चीजें उतनी आसान नहीं होगी।

पिच तेज गेंदबाजों के मुफीद

सेंचुरियन की पिच तेज गेंदबाजों के मुफीद रही है जो सख्त और उछाल भरी है जिस पर नमी भी है और इससे दिन के दूसरे हिस्से में रिवर्स स्विंग में मदद मिलती है। अगर 'लेटरल मूवमेंट' की बात की जाए तो कैरेबियाई सरजमीं पर टेस्ट पदार्पण कर चुके मुकेश सीधे अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं। लेकिन बंगाल का यह तेज गेंदबाज सफेद गेंद की श्रृंखला के दौरान सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखा है। वह 40 प्रथम श्रेणी मैचों में 151 विकेट झटक चुके हैं। वह लंबे स्पैल डाल सकते हैं और रणजी ट्राफी क्रिकेट में चाय के बाद वह 'रिवर्स स्विंग' भी हासिल करने के लिए मशहूर हैं।

प्रसिद्ध की गेंदबाजी आदर्श

मुकेश के निकटतम प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ के पसंदीदा और बेंगलुरु के साथी प्रसिद्ध हैं जिनकी गेंदबाजी सुपरस्पोर्ट पार्क के लिए आदर्श है। वह 2015 में रणजी ट्रॉफी पदार्पण के बाद से 15 प्रथम श्रेणी मैच भी नहीं खेले हैं और अगर शमी फिट होते तो उन्हें शामिल करने की बात ही नहीं होती। पर पोटचेफस्ट्रूम में पहले 'अनौपचारिक टेस्ट' में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के लिए पांच विकेट लेकर उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें पिच पर अधिक उछाल मिलने की उम्मीद है। लेकिन वह रन भी लुटा सकते हैं क्योंकि वह अपनी लाइन पर निरंतर नहीं रहते हैं।

सेना ने अखनूर में 4 आतंकियों को सुलाया मौत की नींद

अखनूर में साथी का शव लेकर सीमा पार भागे 3 आतंकी

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की तरफ से आए आतंकियों ने एक बार फिर घुसपैठ करने की कोशिश की, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है। अखनूर सेक्टर में हुई घुसपैठ की कोशिश के दौरान चार आतंकवादियों ने भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश की। ड्यूटी पर मुस्तैद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की जिसमें एक आतंकवादी मारा गया।

इसके बाद बचे हुए तीन आतंकी अपने साथी का शव घसीटते हुए लेकर सीमा पार भाग गए। वहीं जम्मू के पुंछ में मुठभेड़ वाली जगह पर 3 लोगों के संदिग्ध हालात में शव मिले हैं। पुंछ के डिप्टी कमिश्नर चौधरी मुहम्मद यासिन और एसएसपी विनय कुमार मौके पर पहुंचे। इधर, जम्मू डिवीजन के कमिश्नर रमेश कुमार ने भी घटना स्थल का जायजा लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस बीच राजौरी और पुंछ में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

सुकमा में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है, एक एनकाउंटर में 4 नक्सलियों को मौत के घाट उतार दिया गया है। इस ऑपरेशन को सीआरपीएफ के जवानों ने तब अंजाम दिया, जिस समय उन पर अचानक से भारी गोलीबारी शुरू हो गई। इस समय पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। बड़ी बात ये है कि जिस समय सुकमा में ये एनकाउंटर हुआ, तब राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने गए हुए थे। वैसे छत्तीसगढ़ में कुछ दिन पहले भी एक नक्सली हमला हुआ था। भाजपा सरकार के शपथग्रहण से ठीक पहले नक्सलियों ने नारायणपुर में दुस्साहसपूर्ण काम किया था।

राजौरी, पुंछ में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिले में इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी गई है। साथ ही आतंकवादियों की तलाश के लिए ऑपरेशन जारी है। गुरुवार को राजौरी में हुए आतंकी हमले में 5 सैनिक शहीद और दो जवान घायल हो गए थे। इसकी जिम्मेदारी पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने ली है। क्षेत्र की हवाई निगरानी बढ़ाए जाने के बीच सेना ने जमीनी तलाशी अभियान तेज कर दिया है, खासकर पुंछ जिले के राजौरी सेक्टर में डेरा की गली के वन क्षेत्र में।

रेस्क्यू करने पहुंची इंडियन नेवी, हूती विद्रोहियों पर शक!

सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर भारत आ रहे पोत पर ड्रोन से हमला, लगी आग

यूकेएमटीओ को एक जहाज पर अनक्रूड एरियल सिस्टम (यूएएस) द्वारा हमले की रिपोर्ट मिली है, जिससे विस्फोट हुआ और आग लग गई।

एजेंसी ▶▶ दुबई

हिंद महासागर में एक व्यापारिक जहाज ड्रोन हमले से क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह है कि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। शनिवार को दो समुद्री एजेंसियों ने बताया कि जहाज का संबंध इजराइल से है। गुजरात के वेरावल से 200 समुद्री मील दक्षिण पश्चिम में एक जहाज पर हमले में अनक्रूड एरियल सिस्टम शामिल था। ब्रिटिश सेना के समुद्री सुरक्षा फर्म एंब्रे के अनुसार हमले से जहाज पर आग लग गई। इन दोनों संगठनों ने यह भी बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज रासायनिक उत्पाद टैंकर था और इसका संबंध इजराइल से था।

खास बातें

- ड्रोन हमले से क्षतिग्रस्त हो गया व्यापारिक जहाज
- भारत के दक्षिण पश्चिम में 200 समुद्री मील की दूरी पर घटना
- हमले में अनक्रूड एरियल सिस्टम था

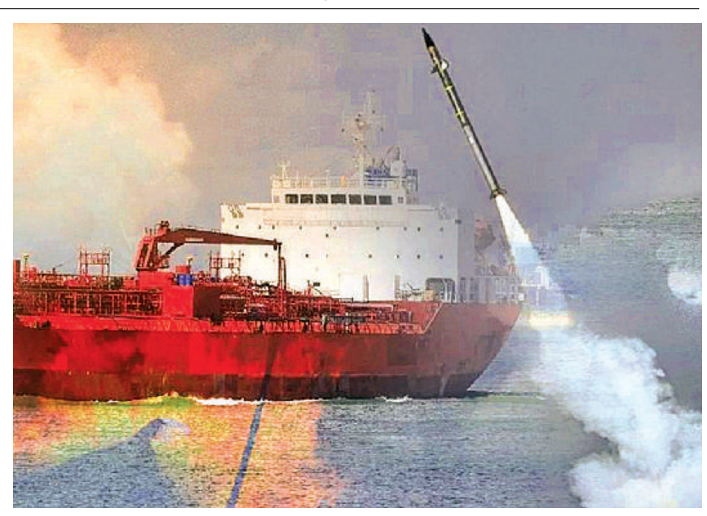

विस्फोट से लगी आग

यूकेएमटीओ ने एक बयान में कहा कि यूकेएमटीओ को एक जहाज पर अनक्रूड एरियल सिस्टम (यूएएस) द्वारा हमले की रिपोर्ट मिली है, जिससे विस्फोट हुआ और आग लग गई। घटना वेरावल, भारत के दक्षिण पश्चिम में 200 एनएम की दूरी पर हुई। आग बुझ गई, कोई हताहत नहीं है। अधिकारी जांच कर रहे हैं। जहाजों को सावधानी से आने-जाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना यूकेएमटीओ को देने की सलाह दी जाती है।

यूक्रेन सेना का कारनामाः बीएमडब्ल्यू को बना दिया रॉकेट लॉन्चर

कीव। यूक्रेन ने अपने सैनिकों के रूस पर रॉकेट लॉन्च करने का वीडियो शेयर किया है। इसमें यूक्रेनी सैनिक बीएमडब्लू की सीरीज-3 की कार की मदद से रूसी ठिकानों पर रॉकेट लॉन्च कर रहे हैं। इस वीडियो को काफी व्यापक रूप से शेयर किया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि बीएमडब्ल्यू 3-सीरीज कार पर एक गार्ड रॉकेट लॉन्चर लगा हुआ है।

रूसी सीमा बखमुट के पास बीएमडब्ल्यू कार से तीन रॉकेट लगातार दागे जा रहे हैं। यह वही जगह है जहां रूस-यूक्रेन के बीच भयंकर लड़ाई हो रही है। अन-वेरिफाइड ड्रोन के फुटेज में दिखाई दे रहा है कि कार से फायरिंग के बाद वहां से विस्फोट और धुआं निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो के कैप्शन लिखा गया है, "बखमुत, 114वीं टीडीएफ ब्रिगेड की यूक्रेनी सेना ने अपनी बीएमडब्ल्यू 3-सीरीज एमएलआरएस को सामने तैनात किया है, यहां से यूक्रेनी सैनिक 122 मिमी ग्रैड रॉकेटों के साथ क्लिशचिव्का के पूर्व में रूसी ठिकानों पर गोलाबारी कर रहे हैं।

कम समय में 3 रॉकेट...

सैनिकों ने रॉकेट लॉन्चर को कार से क्यों जोड़ा, लेकिन अतीत में सैनिकों द्वारा गार्ड रॉकेट लॉन्चर को मॉडिफाई करने की भी खबरें आई थीं। बीएम-21 जीआरएडी-40.122 मिमी तक अन गाइडेड रॉकेट दागता है।

यूक्रेन ने कम समय में तीन रॉकेट दागने के लिए बीएमडब्लू को लॉन्चर के रूप में उपयोग किया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पिछले साल फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से दोनों देशों में लगातार युद्ध जारी है।

पीएफआई ने भेजे हवाला के जरिए करोड़ों

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईडी ने प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से जुड़े 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी पीएफआई में अलग-अलग ओहदों पर थे, जो विदेश से हवाला के जरिए आए करोड़ों रुपए का इस्तेमाल देशविरोधी गतिविधियों में कर रहे थे। एएस इस्माइल, संगठन की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष मोहम्मद शाकिफ, राष्ट्रीय सचिव रहे अनीस अहमद, प्रतिबंधित के समय राष्ट्रीय सचिव रहे अफसर पाशा और संगठन के मौजूदा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ईएम अब्दुल रहमान शामिल हैं।

ईडी ने दावा किया कि पीएफआई ने खाड़ी देशों और अन्य जगहों पर अपने हजारों सक्रिय सदस्यों के माध्यम से पर्याप्त धन जुटाया है। केंद्र ने पीएफआई को आतंकवादी गतिविधियों और आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठनों के साथ कथित संबंधों को लेकर प्रतिबंधित किया था। दरअसल, साल 2018 में 2 मई को दर्ज की गई ईसीआईआर में गिरफ्तार सभी पांचों आरोपियों से ईडी ने दिल्ली की तिहाड़ जेल में हाल ही में 19 दिसंबर को पूछताछ की। पूछताछ 3 दिसंबर 2020 को पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान बरामद संगठन के बैंक अकाउंट डिटेल के आधार पर की गई। सभी आरोपी बैंक अकाउंट के साइनिंग अथॉरिटी थे। इन सभी से बैंक अकाउंटों में आए करोड़ो रुपए की मनी ट्रेल के बारे में पूछताछ की गई, लेकिन संतोषजनक जवाब न देने और तथ्य छिपाने के आरोप में इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

मुंबई विवि और ऑक्सफोर्ड समझौता

विवि में अब जल्द ही छात्र पढ़ सकेंगे टेंपल मैनेजमेंट कोर्स

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुंबई यूनिवर्सिटी जल्द ही ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज की मदद से 'मंदिर प्रबंधन' पर एक पाठ्यक्रम पेश करेगा। यह ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में पेश किया जाएगा। इसके तहत छात्र ग्रेजुएशन और डिप्लोमा की डिग्री हासिल कर सकते हैं। यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज ने अपने संस्कृत विभाग के साथ शुक्रवार को ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। मुंबई यूनिवर्सिटी ने बताया कि इस समझौते का फोकस हिंदू दर्शन के समग्र अध्ययन पर है। इस समझौते से हिंदू दर्शन से संबंधित नए पाठ्यक्रम विकसित करने की दिशा में भी काम करने की उम्मीद है।

हिंदू दर्शन के व्यापक अध्ययन पर केंद्रित

हिंदू दर्शन के व्यापक अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जोर के अनुरूप छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जाएगा। पाठ्यक्रम को विवि के दो प्रबंधन स्कूलों की मदद से श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट और शेगांव के गजानन महाराज मंदिर जैसे स्थापित मंदिरों में प्रबंधन सिद्धांतों की मांग करके डिजाइन किया जाएगा। कुछ सौर-संचालित प्रणालियों का उपयोग करके बिजली का प्रबंधन कर रहे हैं, कुछ अगरबत्ती बनाने के लिए भक्तों द्वारा चढ़ाए गए फूलों का उपयोग कर रहे हैं।

दोनों विभाग विश्व मंच पर छाप छोड़ेंगे

मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवींद्र कुलकर्णी इस पार्टनरशिप के वैश्विक प्रभाव को लेकर आशावादी हैं। उन्होंने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से दोनों विभाग विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने में सक्षम होंगे। मंदिर प्रबंधन में पाठ्यक्रम शुरू करने का विचार श्री साईबाबा संस्थान, शिरडी के पूर्व अध्यक्ष सुरेश हवारे के साथ एक बैठक के दौरान सामने आया।

इसरो प्रमुख सोमनाथ ने दी जानकारी

अपने मुकाम के करीब आदित्य एल-1, 6 जनवरी रहेगा खास दिन

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

भारत का पहला सौर्य मिशन आदित्य एल-1 छह जनवरी को अपनी मंजिल यानी लैंग्रेंजियन प्वॉइंट पर पहुंच जाएगा। इसरो अध्यक्ष सोमनाथ ने कहा कि फिलहाल इस बात की उम्मीद पूरी है। उन्होंने आगे कहाकि सटीक समय की जानकारी सही वक्त पर दी जाएगी। इसरो अध्यक्ष ने यह बातें भारतीय विज्ञान सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बात करते हुए बताईं। सोमनाथ ने यह भी बताया कि भारत अपना स्पेस स्टेशन बनाने के भी करीब है।

तकनीकी रूप से ताकतवर बन रहा देश

भारत तकनीकी रूप से जिस तरह से ताकतवर देश बन रहा है, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी बताया कि इसरो ने एक स्पेस स्टेशन बनाने की योजना बनाई है। इसका नाम भारतीय स्पेस स्टेशन होगा। पीएम मोदी ने इस बारे में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहाकि अंतरिक्ष क्षेत्र में हम नए खिलाड़ियों का उदय देख रहे हैं... हम नई पीढ़ी के आसपास अर्थव्यवस्था का समर्थन, प्रोत्साहन और निर्माण करने जा रहे हैं। भारत सभी क्षेत्रों में लीडर तो नहीं बन सकता, लेकिन उसे उन सेक्टर्स पर फोकस की जरूरत है, जहां ऐसा हो सकता है।

फिर से फायर होगा इंजन

सोमनाथ ने बताया कि जब यह एल1 प्वॉइंट पर पहुंचेगा तो इंजन को एक बार फिर से फायर करना होगा, ताकि यह बहुत आगे न निकले। इसके बाद आदित्य एल1 यहां पर घूमने लगेगा और उलझा रहेगा। आदित्य एल1 अगले 5 साल तक सूरज की गतिविधियों की जानकारी देता रहेगा।

तैयारियां अंतिम दौर में

बड़ा परमाणु परीक्षण करने का खतरनाक प्लान कर रहा चीन

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन एक बार फिर बड़े परमाणु हथियार का परीक्षण कर सकता है। सैटेलाइट तस्वीरें की मानें, तो जिनपिंग कुछ खतरनाक प्लान कर रहे हैं। अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया है कि चीन में लोप नूर नाम की एक जगह है जहां पर 1964 में सबसे पहले परमाणु परीक्षण किया गया था। इलाके में शी जिनपिंग किसी बड़ी रणनीति पर काम कर रहे हैं। जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें कई जगहों पर वर्टिकल ड्रिलिंग देखी गई थी।

गुपचुप कार्य को अंजाम

रिपोर्ट में रैनी बैबियार्ज ने बताया ये जा रहा है कि रैनी ने खुद चीन से आईं उन तस्वीरों का अध्ययन किया है और उनकी तरफ से ही कहा गया है कि चीन नई पीढ़ी के हथियार बनाने की फिराक में लगा है। परमाणु एक्सपर्ट ने तस्दीक की है कि चीन न्यूक्लियर टेसट् की तैयारी कर रहा है। ये अलग बात है कि चीन ने एक बार फिर उन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

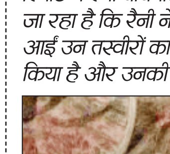

केंद्र सरकार ने 100 मिलियन डॉलर के समझौते पर किए हस्ताक्षर

त्रिपुरा में पर्यटन उद्योग का होगा कायाकल्प, बढ़ेगी पहचान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के बीच 22 दिसंबर शुक्रवार को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के शहरी सेवाओं और पर्यटन सुविधाओं का विकास करना है। वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी ने बताया कि परियोजना के तहत त्रिपुरा के प्रमुख पर्यटन स्थलों का विकास किया जाएगा। यहां के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों, शहरी स्थानीय निकायों में नगरपालिका और सार्वजनिक सेवाओं के विकास पर जोर दिया जाएगा।

पूर्वोत्तर में प्रवेश द्वार...

रेजिडेंट मिशन में कार्यरत निलय मिताश ने कहा कि यह परियोजना राजमार्गों के साथ पर्यटन स्थलों को विकसित करने में मदद करेगी, जिससे संसाधन जुटाकर शहरी प्रशासन और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और त्रिपुरा को पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार के रूप में मदद मिलेगी। एशियाई विकास बैंक जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन, पर्यटन और व्यापार के लिए सामुदायिक और निजी क्षेत्रों की भागीदारी की पहचान बढ़ेगी।

डिजिटल संग्रहालय सहित साहसिक पार्क का निर्माण

इस परियोजना के तहत चतुर्दश देवता मंदिर, कस्बा कालीबाड़ी और नीरमहल पैलेस जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। आधुनिक सुविधाओं से युक्त कमरों में ठहरने की व्यवस्था में सुधार कर पर्यटकों के अनुकूल बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त एक डिजिटल संग्रहालय और एक नया साहसिक पार्क का भी निर्माण किया जाएगा।

बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों के अनुकूल बनाया जाएगा

परियोजना के तहत 42 किमी नए ट्रांसमिशन और वितरण पाइपों की स्थापना,चार नए जल उपचार संयंत्रों की स्थापना और 55 किमी के वाटरपाइप के सुधार से शहरी जल आपूर्ति को और बेहतर किया जाएगा। इस परियोजना के तहत 21 किमी शहरी सड़कों को बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। 12 शहरी स्थानीय निकायों में बुनियादी ढांचे के संचालन और रखरखाव पर ध्यान दिया जाएगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109